सूर्योदय 5:41 सूर्यास्त 7:14

आज का तापमान

शिमला	17.4 न्यू	24.4 अधि
धर्मशाला	22.3 न्यू	29.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	78,428
निफ्टी	24,614

सोना 1,43,000 चांदी 2,19,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | बुधवार, 5 अगस्त 2026 | 21 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 102, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

मेटा की ग्लोबल टीम को केंद्र सरकार का समन

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार 5 व 6 अगस्त को मेटा की ग्लोबल टीम के साथ अहम बैठक करेगी। इस बैठक में फेसबुक और इंस्टाग्राम पर चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मटीरियल की रोकथाम, फर्जी या सिंथेटिक एआई कंटेंट, तथा प्रमुख नेताओं के वेरिफाइड अकाउंट्स पर कथित गलत कार्रवाई जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी मंत्रालय ने इन मामलों में मेटा के अब तक के जवाबों को अपर्याप्त माना है। यह बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो फेसबुक से कुछ समय के लिए हटाए जाने के विवाद के बाद बुलाई गई है। सरकार मेटा की कंटेंट मॉडरेशन नीतियों और स्वचालित प्रणालियों की जवाबदेही की समीक्षा करेगी। सूत्रों के अनुसार, मेटा ने वीडियो हटने की घटना पर खेद जताया है और औपचारिक माफी मांगने के लिए भी तैयार है।

डाबर के '100% शुद्ध' दावे वाले प्रोडक्ट पर लगाई रोक

एजेंसी, नई दिल्ली। डॉबर के कई प्रोडक्ट की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। इनमें शहद और गाय का घी भी शामिल है। ये प्रोडक्ट 100% शुद्धता के दावे के साथ बेचे जा रहे थे। यह रोक खाने-पीने के सामानों के मानक तय करने वाली सरकारी संस्था एफएसएसएआई ने लगाई है। फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इन दावों को गुमराह करने वाला बताया है। इस पर डाबर से 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट मांगी है। एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी दी है। एफएसएसएआई के अनुसार, कंपनी की वेबसाइट पर बेचे जा रहे खाद्य पदार्थों पर भ्रामक दावे पाए गए थे। इनमें '100% नेचुरल', '100% प्योर', '100% प्योरिटी गारंटेड', '100% ऑर्गेनिक' और '100% टेंडर कोकोनट वॉटर' जैसे लेबल शामिल थे।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार बरामद

एजेंसी, इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में सुरक्षा बलों ने मंगलवार को लोकतक झील के सेंद्रा हिल क्षेत्र के निकट तैरते फुमदी (वनस्पति द्वीप) से भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और अन्य सैन्य सामग्री बरामद की। बरामद हथियारों में पिस्तौल, राइफलें, स्थानीय रूप से निर्मित कार्बाइन, एमपी-5 जैसे हथियार, लाथोडे गन, पोंपी गन और छह आईईडी पैकेट शामिल हैं। सभी सामान को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं, एनडीपीएस अधिनियम के एक मामले में पुलिस ने अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग निवासी दीप ज्योति गोगोई को गिरफ्तार किया है।

केंद्र ने कहा- 7 साल में 274 भगोड़े वापस लाए

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि पिछले सात वर्षों में 36 देशों से 274 भगोड़ों को भारत वापस लाया गया है। यह औसतन हर साल करीब 40 प्रत्यर्पण का आंकड़ा है। सरकार के मुताबिक, 2004 से 2013 के बीच हर साल औसतन सिर्फ चार भगोड़ों को ही वापस लाया गया था। सरकार ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि इसी अवधि के दौरान भगोड़ों से जुड़ी 17,874 करोड़ की संपत्तियां धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत अटैच की गई हैं।

एयर इंडिया की फ्लाइट टर्बुलेंस में फंसी, 12 यात्री व चालक दल घायल

एयर इंडिया ने यात्रियों की सुरक्षा को बताया सर्वोच्च प्राथमिकता, जांच में सहयोग जारी

एजेंसी, नई दिल्ली। थाईलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उड़ान एआई-2379 मंगलवार को भयानक टर्बुलेंस की चपेट में आ गई। बीच उड़ान में अचानक आए भीषण झटकों के कारण 12 यात्री और चालक दल के सदस्य घायल हो गए।

विमान में कुल 134 यात्री सवार थे। विमान ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग की, जहां घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद एहतियातन एयरपोर्ट के पास स्थित मेडिकल सेंटर भेजा गया। साथ ही 7 यात्रियों को आगे के इलाज के लिए वसंत कुंज के फोर्टिस फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढल्ल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एयर इंडिया ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि उड़ान के क्रूज चरण के दौरान विमान को अचानक गंभीर टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा, जिससे कुछ समय के लिए विमान की ऊंचाई में बदलाव दर्ज किया गया। हालांकि, विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली पहुंच गया और सभी यात्रियों तथा चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित उतार लिया गया। घटना के बाद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को चोटें आई हैं। हवाई अड्डे पर मेडिकल टीम ने सभी की जांच की व जरूरतमंदों को उपचार के लिए मेडिकल सुविधा में भेजा गया। एयर इंडिया ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। विमानन कंपनी की एक समर्पित समन्वय टीम अस्पताल में भी मौजूद है, जो मरीजों के उपचार, दस्तावेजी प्रक्रिया, अन्य व्यवस्थाओं और उनके परिजनों से संपर्क बनाए रखने में अस्पताल प्रशासन के साथ समन्वय कर रही है। फोर्टिस फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढाल अस्पताल ने बताया कि 7 घायल यात्रियों को आपातकालीन विभाग में भर्ती किया गया है।

यात्रियों का दावा- अचानक नीचे गिरा विमान

घटना के बाद यात्रियों ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उड़ान के दौरान अचानक विमान तेज झटकों से हिलने लगा। एक यात्री ने दावा किया कि करीब डेढ़ घंटे की उड़ान के बाद विमान दो से तीन मिनट तक लगातार ऊपर-नीचे होता रहा, जिससे कई यात्रियों के सिर ऊपर लगे सामान रखने वाले हिस्से से टकरा गए। एक अन्य यात्री ने कहा कि अचानक विमान काफी नीचे चला गया, जिससे सीट पर बैठे कई यात्रियों के सिर ऊपर की छत से टकरा गए। कुछ यात्रियों ने बताया कि उस समय ऐसा महसूस हुआ जैसे विमान पलटने वाला हो, जिससे विमान के भीतर अफरातफरी का माहौल बन गया।

डिजिटल अरेस्ट व साइबर ठगी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

आरबीआई फर्जी खातों पर चार सप्ताह में एसओपी करेगा तैयार

एजेंसी, नई दिल्ली। देश में तेजी से बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने साफ कहा कि साइबर अपराध से निपटने के लिए केवल जांच ही नहीं, बल्कि पीड़ितों को जल्द राहत और धन वापसी की प्रभावी व्यवस्था भी जरूरी है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने केंद्र सरकार, राज्यों और भारतीय रिजर्व बैंक को इस संबंध में ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआई को चार सप्ताह के भीतर एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार कर उसे औपचारिक रूप से लागू करने का निर्देश दिया है। इस एसओपीमें साइबर धोखाधड़ी से जुड़े बैंक खातों पर अस्थायी डेबिट रोक लगाने की प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लेख होगा।

◆राज्यों को तेज शिकायत निपटान के दिए निर्देश

अदालत ने कहा कि एसओपी में शिकायत निवारण और पीड़ितों के पैसे वापस दिलाने से जुड़े अलग-अलग मॉड्यूल शामिल किए जाएं। साथ ही लोगों को इन व्यवस्थाओं की जानकारी देने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को साइबर धोखाधड़ी शिकायतों के निपटारे की व्यवस्था मजबूत करने को कहा है। अदालत ने ई-जीरो एफआईआर प्रणाली को अपनाने और धन वसूली तंत्र को प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

तमिलनाडु के नेता प्रतिपक्ष स्टालिन पूछताछ के बाद रिहा

एजेंसी, चेन्नई। तमिलनाडु के नेता प्रतिपक्ष और डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन को अभिनेत्री तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उदयनिधि सोमवार को तंजावुर में कावेरी जल विवाद पर आयोजित रैली में भी मौजूद थे। इसी दौरान भीड़ में 'तृषा, तृषा' के नारे लगे। आरोप है कि इस पर उदयनिधि ने कहा, 'पानी कहीं और पहुंचे या न पहुंचे, वहां जरूर पहुंचना चाहिए।' बाद में सफाई दी कि उनका इशारा कावेरी के पानी की ओर था। पुलिस ने उनके खिलाफ 6 धाराओं में केस दर्ज किया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए उदयनिधि ने मद्रास हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की थी। हालांकि, उस पर सुनवाई होने से पहले ही पुलिस ने उन्हें अरेस्ट कर लिया। मद्रास हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि उदयनिधि को पूछताछ के बाद आज ही रिहा कर दिया जाए।

पंजाब विधानसभा में ई-20 फ्यूल ब्लेंडिंग पॉलिसी के विरोध में प्रस्ताव हुआ पारित

एजेंसी, चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार की अनिवार्य ई-20 फ्यूल ब्लेंडिंग नीति के विरोध में प्रस्ताव पारित कर दिया। यह प्रस्ताव अब प्रधानमंत्री और केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री को भेजा जाएगा।

वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने सदन में प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि ई-20 नीति लागू करने से पहले राज्यों से सलाह ली जानी चाहिए थी। उन्होंने दावा किया कि यह नीति पंजाब के लिए नुकसानदायक हो सकती है, क्योंकि राज्य पहले ही गिरते भूजल स्तर जैसी पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने उपभोक्ताओं को पेट्रोल और ई-20 ईंधन में से विकल्प चुनने की मांग की। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र पर बिना पर्याप्त अध्ययन के फैसला लागू करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर देशभर में चिंता है और पंजाब सरकार अपना पक्ष केंद्र सरकार के सामने रखेगी। विपक्षी विधायकों ने भी ई-20 नीति पर सवाल उठाए। कांग्रेस विधायक अवतार हेनरी जूनियर ने इथेनॉल उत्पादन से जल संकट बढ़ने की आशंका जताई। चर्चा के बाद स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने मतदान कराया, जिसमें प्रस्ताव बहुमत से पारित हो गया।

◆सीएम भगवंत मान ने केंद्र पर लगाया बिना अध्ययन नीति लागू करने का आरोप

संसद में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर हंगामा

खड़गे बोले- ईडी कहां है, रिजिजू ने कहा- विपक्ष घड़ियाली आंसू बहा रहा

एजेंसी, नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के 12वें दिन राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 19 मिनट चल पाई।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने इस दौरान टैक्स संशोधन से जुड़े बिल पेश किए। इसके बाद सदन बुधवार तक के लिए स्थगित हो गई। राज्यसभा की कार्यवाही दिन में दो बार स्थगित हुई। 11 बजे कार्यवाही शुरू होने के आधे घंटे के भीतर स्थगित भी हो गई। दोपहर 12 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन 20 मिनट ही चल पाई। दोपहर 2 बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई। इससे पहले राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच बहस हुई। खड़गे ने कहा- राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया था। ट्रस्ट को 70 एकड़ से ज्यादा जमीन सौंपी। पीएम खुद राम मंदिर से जुड़े हर आयोजन में शामिल हुए। अब ईडी, सीबीआई और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियां कहां हैं। सरकार को सदन में इसका जवाब देना चाहिए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने राम मंदिर बनने पर काली पट्टी बांधकर विरोध किया था। आज वही लोग घड़ियाली आंसू बहाकर देश को गुमराह नहीं कर सकते। पहले भगवान राम का अपमान करने के लिए देश से माफी मांगिए, उसके बाद सरकार से जवाब मांगिए।

विनियोग (संख्या 3) विधेयक को ध्वनि मत से दी मंजूरी

लोकसभा ने मंगलवार को विपक्षी सदस्यों के लगातार विरोध के बीच विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 2026 को ध्वनि मत से पारित कर दिया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लोकसभा में 'विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 2026' पेश किया। सदन ने विपक्षी सांसदों के सदन में नारेबाजी के बावजूद इस विधेयक पर विचार के बाद ध्वनिमत से इसे मंजूरी दे दी। इसके कुछ ही देर बाद पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने दिनभर के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

जनभागीदारी से बनेगी टीबी मुक्त दिल्ली : मुख्यमंत्री रेखा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में 'टीबी हारेगा, भारत जीतेगा' राष्ट्रीय अभियान के समर्थन में आयोजित जागरूकता कार्यशाला में जन-प्रतिनिधियों के साथ हिस्सा लिया।

इस मौके पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने जन-प्रतिनिधियों से ज्यादा से ज्यादा नागरिकों को 'निक्षय मित्र' बनने के लिए प्रोत्साहित करने क कहा, ताकि टीबी मरीजों के लिए सामुदायिक सहयोग को बढ़ाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान से पहले ही 3,300 से ज्यादा 'निक्षय मित्र' जुड़ चुके हैं और दिल्ली भर में टीबी मरीजों तक 1.2 लाख से ज्यादा न्यूट्रिशन किट (पोषण किट) पहुंचाई जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि जल्दी पहचान, पूरा इलाज और जन-भागीदारी के जरिए दिल्ली मिलकर 'टीबी-मुक्त दिल्ली' और 'टीबी-मुक्त भारत' की ओर बढ़ रही है।

हरियाणा में 9 से 17 अगस्त तक निकलेगी तिरंगा यात्रा

सीएम सैनी ने कहा- तिरंगा यात्रा से जुड़ेगा नई पीढ़ी का गौरवशाली इतिहास

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि हर साल की तरह इस बार भी 9 से 17 अगस्त तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2022 में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की थी। आज यह अभियान देश का बड़ा जन आंदोलन बन चुका है।

मंगलवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बताया कि इस बार हर घर तिरंगा अभियान को वंदे मातरम को समर्पित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर तिरंगा और वंदे मातरम् को साथ लेकर चलना नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ने का बड़ा अवसर है। यह कोई सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी का राष्ट्रीय उत्सव है। तिरंगा अभियान के तहत स्कूलों और कॉलेजों में तिरंगे तथा वंदे मातरम के इतिहास से जुड़ी प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। शिक्षण संस्थानों में निबंध, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओं के साथ स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि 9 अगस्त को महेंद्रगढ़ में वंदे मातरम की भावना से ओतप्रोत तिरंगा कॉन्सर्ट आयोजित किया जाएगा। 15 अगस्त 2021 को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने की घोषणा की थी। इसी क्रम में आगामी 14 अगस्त को पूरे देश में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाएगा। हरियाणा में इसका राज्य स्तरीय समारोह गुरुग्राम में आयोजित किया जाएगा। यहां 13 अगस्त को विभाजन की त्रासदी से जुड़ी प्रदर्शनी लगाई जाएगी। 14 अगस्त की शाम कैंडल लाइट मौन यात्रा के साथ होगा। मुख्यमंत्री ने ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए कहा कि देश ने 39 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया है।

20 फरवरी 2027 तक चलेगा संकल्प अभियान

मुख्यमंत्री सैनी ने बताया कि 29 जुलाई को 'गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान' शुरू किया गया है, जो 20 फरवरी 2027 तक चलेगा। अभियान की शुरुआत संत गुरु रविदास जी की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर वाराणसी से हुई। इस दौरान पवित्र मिट्टी से युक्त कलशों का पूजन कर उन्हें देशभर के राज्यों के प्रतिनिधियों को सौंपा गया। वाराणसी से शुरू हुई कलश यात्रा अब देशभर में पहुंच रही है। गुरु रविदास जी की जन्मस्थली से लाई गई पवित्र मिट्टी गुरुग्राम पहुंच चुकी है।

विदेश मंत्रालय ने कहा- शेख हसीना के वर्चुअल संवाद से सरकार का लेना-देना नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि दक्षिण एशिया के विदेशी संवाददाताओं के क्लब की ओर से 5 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम से भारत सरकार का कोई लेना-देना नहीं और न ही भारत का उसमें होने वाली टिप्पणियों से कोई सरोकार है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'आयोजन एक निजी मीडिया संस्था की ओर से किया जा रहा है। सरकार का इसमें कोई दखल नहीं है और न ही वह मंच पर व्यक्त किए जाने वाले किसी भी विचार का समर्थन करती है।' उल्लेखनीय है कि अगस्त 2024 में आंदोलनों के बाद बांग्लादेश की सत्ता से बेदखल हुई शेख हसीना भारत में रह रही हैं। सत्ता से बेदखल करने वाले विद्रोह की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर बुधवार को वे वर्चुअल संबोधन देने वाली हैं।

भाजपा के 28 में से 16 विधायक अगला विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाएंगे : सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश की राजनीति को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की स्थिति कमजोर होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा 28 भाजपा विधायकों में से 16 विधायक अगला विधानसभा चुनाव जीतकर सदन में वापस नहीं आ पाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियां बदल रही हैं और इसका असर आगामी विधानसभा चुनाव में देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री मंगलवार को शिमला में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे। बता दें कि 68 सदस्यीय प्रदेश विधानसभा में वर्तमान में कांग्रेस के 40 और भाजपा के 28 विधायक हैं। पत्रकारों ने नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर की उस नाराजगी पर भी सवाल पूछा, जिसमें कहा गया था कि सरकारी कार्यक्रमों में उनकी सरकार के कार्यों का उल्लेख नहीं किया गया। इस पर मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि उनकी सरकार सभी का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में एक कार्यक्रम पहले से तय किया गया है और सरकार ने उसमें केवल अपनी नीतियों और कार्यों की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि इसमें किसी तरह की नाराजगी जैसी कोई बात नहीं है। बिहार उपचुनाव के परिणामों पर मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि इन नतीजों का राष्ट्रीय राजनीति में अपना महत्व है। उन्होंने कहा कि जिस विधानसभा क्षेत्र से एक राष्ट्रीय अध्यक्ष जुड़े थे, वहां जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की जीत एक बड़ी राजनीतिक घटना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका मानना है कि बिहार में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के दौरान मुख्यमंत्री बदले जाने के बाद पार्टी का राजनीतिक ग्राफ गिरना शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि चुनावी परिणाम कई परिस्थितियों पर निर्भर करते हैं, फिर भी उनका मानना है कि बिहार उपचुनाव के नतीजों का लाभ कांग्रेस को मिलेगा। युवाओं के प्रदर्शन से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में युवाओं को अपनी बात रखने और शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि जब युवाओं को किसी नीति पर आपत्ति होती है तो वे अपनी आवाज उठाते हैं और यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक स्वस्थ परंपरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में लोगों की बात सुनना और उनके विचारों का सम्मान करना जरूरी है।

◆कहा- राजनीतिक समीकरण बदल रहे, भाजपा होगी कमजोर

सदन को प्रभावित कर 25 करोड़ जनता के हितों के साथ खिलवाड़ कर रहा विपक्ष : सीएम योगी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सदन में समाजवादी पार्टी व विपक्षी सदस्यों को आड़े हाथ लिया। उन्होंने सपा विधायकों के अभद्रतापूर्ण आचरण पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी व विपक्ष का आचरण असंवैधानिक और शर्मनाक है।

विपक्ष सदन की कार्यवाही को प्रभावित कर 25 करोड़ जनता के हितों के साथ खिलवाड़ कर रहा है, जिसे सभी प्रदेशवासी देख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून सत्र में सभी सदस्यों के पास बेहतरीन अवसर था कि वे 25 करोड़ जनता की भावनाओं और हितों को ध्यान में रखकर सदन में उनसे जुड़े मुद्दों को लेकर चर्चा-परिचर्चा करें। लेकिन, जिन लोगों का लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास नहीं है, वे लोग संसदीय लोकतंत्र को पुष्ट करने वाली सभी संस्थाओं की अवमानना व अपमान करते हैं। समाजवादी पार्टी व विपक्ष का यह आचरण न केवल असंवैधानिक, बल्कि शर्मनाक भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दलीय नेताओं की बैठक व एडवाइजरी कमेटी के तहत पहले ही सदन का एजेंडा तय किया गया था, लेकिन विपक्षी दलों के सदस्यों ने उसके तहत सदन में विधायी कार्य या अनुपूरक बजट से जुड़े एक भी प्रस्ताव पर रुचि नहीं ली। इसके विपरीत ये लोग अनावश्यक मुद्दों को उठाकर सदन का बहुमूल्य समय नष्ट करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में आश्वस्त किया कि सरकार सदन में हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है। पीठ के द्वारा नियम के अंतर्गत जिन भी मुद्दों को चर्चा के लिए आमंत्रित किया जाएगा, उन सभी मुद्दों पर सरकार सार्थक चर्चा को बढ़ाना चाहती है।

विपक्ष का संवैधानिक मूल्यों व सदन की परंपराओं पर विश्वास नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि सदन प्रारंभ होने से पहले ही दलीय नेताओं की बैठक में सत्ता पक्ष की ओर से मैंने व संसदीय कार्य मंत्री ने आश्वस्त किया था कि नियम के अंतर्गत सदन में जो भी प्रस्ताव आएंगे, उन पर चर्चा होगी व सरकार उसका जवाब भी देगी। लेकिन, सपा व विपक्षी दलों का सदन में चर्चा, संवैधानिक मूल्यों और सदन की उच्च परंपराओं पर विश्वास ही नहीं है। इनके द्वारा लगातार सदन को प्रभावित करके प्रदेश की 25 करोड़ जनता के हितों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

विकास मुख्यमंत्री ने मसूरी में 17.80 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया

उत्तराखंड विकास के स्वर्णिम युग की ओर अग्रसर : सीएम धामी

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मसूरी विधानसभा क्षेत्र के पुरुकुल में 17 करोड़ 80 लाख रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बिना रुके और बिना थके अपने हर वादे को धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है तथा उत्तराखंड विकास के स्वर्णिम युग की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री धामी ने पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष स्व. दीपक पुंडीर की स्मृति में निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण करते हुए कहा कि ये परियोजनाएं मसूरी विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई गति देंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और आधारभूत संरचना को मजबूत किया जा रहा है, वहीं उत्तराखंड को खेल, पर्यटन और एडवेंचर गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में भी कार्य हो रहा है।

उन्होंने कहा कि मसूरी देश के प्रमुख वेडिंग डेस्टिनेशन और पर्यटन स्थलों में शामिल है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पुरुकुल में सैन्य धाम का निर्माण, मसूरी रोपवे के लोअर टर्मिनल तक लगभग 13 किलोमीटर सड़क का उच्चीकरण तथा जल जीवन मिशन के तहत गंगोल-पंडितवाड़ी पेयजल योजना जैसी परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि मालदेवता लाल पुल से सिल्ला-मोलधार होते हुए सुआखोली तक मार्ग का सीआरएफ योजना के तहत सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। ग्राम पंचायत रिखोली के सोलह गांव में विद्युतीकरण का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि सहस्त्रधारा और न्यू कैंट रोड क्षेत्र में बाढ़ सुरक्षा कार्य भी कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने धर्मांतरण विरोधी कानून, समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून और दंगों में सार्वजनिक व निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों से क्षतिपूर्ति वसूलने जैसे सख्त कानून लागू किए हैं। नकल विरोधी कानून लागू होने के बाद 34 हजार से अधिक युवाओं को पारदर्शी ढंग से सरकारी नौकरियां मिली हैं।

नीति आयोग के एसडीजी सूचकांक में उत्तराखंड देश में प्रथम

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि स्टार्टअप नीति, एक जनपद दो उत्पाद, हाउस ऑफ हिमालयाज, होम स्टे योजना, वेड इन उत्तराखंड और सौर स्वरोजगार योजना जैसी पहल से युवाओं को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में बेरोजगारी दर में 4.4 प्रतिशत की कमी आई है तथा नीति आयोग के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) सूचकांक में उत्तराखंड देश में प्रथम स्थान पर है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में मसूरी विधानसभा क्षेत्र में सड़क, पेयजल, सामुदायिक भवन और अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़े कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं।

6 करोड़ रुपए की 1.120 किलो हाई ग्रेड हेरोइन के साथ हरियाणा का युवक काबू

शोघी में डिलीवरी से पहले दबोचा तस्कर, व्हाट्सऐप वीडियो कॉल से करता था संपर्क

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच पुलिस ने इस वर्ष की अब तक की सबसे बड़ी हेरोइन बरामदगी का दावा किया है। पुलिस ने हरियाणा के 22 वर्षीय युवक को 1.120 किलोग्राम हाई ग्रेड हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब छह करोड़ रुपए बताई गई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विजय कुमार पुत्र दर्शन सिंह, निवासी नारायणगढ़, जिला अंबाला (हरियाणा) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी शिमला में चिट्टे की खेप की डिलीवरी देने आया था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि वह डिलीवरी लेने वाले लोगों के संपर्क में व्हाट्सऐप वीडियो कॉल के माध्यम से था, जिससे उसकी पहचान और आवाजाही का पता आसानी से न चल सके। पुलिस ने गुप्त सूचना मिलने के बाद शोघी के पास घेराबंदी कर उसे डिलीवरी होने से पहले ही पकड़ लिया।

तारा देवी क्षेत्र में पहुंचनी थी खेप

पुलिस के अनुसार स्पेशल सेल ने तीन अगस्त को गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की। जांच में पता चला है कि आरोपी हरियाणा से हेरोइन की बड़ी खेप लेकर तारा देवी क्षेत्र में अपने संपर्कों तक पहुंचने वाला था। इसी दौरान पुलिस ने सुनियोजित तरीके से नाकाबंदी कर उसे पकड़ लिया। आरोपी के कब्जे से 1 किलोग्राम 120 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच जारी है। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोग कौन हैं, खेप कहां से लाई गई और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। जिला शिमला के पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह ने इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा कि यह वर्ष 2026 में प्रदेश की सबसे बड़ी हेरोइन बरामदगी है और जांच का फोकस पूरे अंतरराज्यीय नेटवर्क तक पहुंचने पर है।

रणनीति बदली, अब बड़े सप्लायर और पूरे नेटवर्क पर फोकस

जिला शिमला पुलिस का कहना है कि वर्ष 2026 में नशा तस्करी के खिलाफ अभियान की रणनीति बदली गई है। पहले अधिक संख्या में मामले दर्ज करने पर जोर रहता था, जबकि अब बड़ी बरामदगी, मुख्य सप्लायरों की गिरफ्तारी, बैकवर्ड लिंकेज, तकनीकी और वित्तीय जांच के जरिए पूरे नेटवर्क को तोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आदतन नशा तस्करों के खिलाफ पीआईटी एनडीपीएस अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का दावा है कि इसी बदली हुई रणनीति के कारण इस वर्ष लगातार बड़े मामलों का खुलासा हुआ है और अंतरराज्यीय तस्करी से जुड़े कई नेटवर्क तक पहुंच बनाई गई है।

बिलासपुर में बस से 58 ग्राम चिट्टा बरामद, युवती गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस की स्पेशल डिटेक्शन टीम ने नियमित यातायात जांच के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब की एक युवती से करीब 58 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया है। पुलिस के अनुसार बलोह फोरलेन लिंक रोड, मल्यावर में एक बस की तलाशी के दौरान स्नेहलता (22), निवासी कोटखालसा, अमृतसर (पंजाब) के कब्जे से यह नशीला पदार्थ मिला। इस संबंध में पुलिस थाना घुमारवीं में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब बरामद चिट्टे की बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की जांच कर रही है, ताकि इसकी पूरी सप्लाई चेन का खुलासा किया जा सके। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर ने बताया कि जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी है व इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस की विशेष टीमें लगातार निगरानी और जांच अभियान चला रही हैं।

इंदौरा व ज्वाली में 7.90 ग्राम चिट्टा बरामद, 3 आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत लगातार कार्रवाई करते हुए इंदौरा और ज्वाली में 7.90 ग्राम चिट्टा बरामद कर 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के अधीन मामले दर्ज किए हैं। पहले मामले में पुलिस थाना इंदौरा की टीम द्वारा टांडा क्षेत्र में लगाए गए नाके के दौरान एक संदिग्ध स्कूटी चालक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान स्कूटी की डिक्की से 7 ग्राम हैरोइन/चिट्टा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान मकुल सल्गोत्रा (18 वर्ष) निवासी गांव व डाकघर गुढ़ा कलां, जिला पठानकोट (पंजाब) के रूप में हुई है। आरोपी को गिरफ्तार कर स्कूटी को कब्जे में लिया गया है। मामले की जांच जारी है। वहीं दूसरे मामले में पुलिस थाना ज्वाली की टीम ने गश्त के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर ज्वांवाला रेलवे स्टेशन के पास एक सफेद रंग की एक्टिवा स्कूटी की तलाशी लेने पर उसकी डिक्की से 0.90 ग्राम हैरोइन/चिट्टा बरामद किया गया। मौके से नशा सेवन में प्रयुक्त इंजेक्शन, फॉयल पेपर व अन्य सामग्री भी बरामद की गई। इस मामले में विनय कुमार (38 वर्ष) एवं अजय कुमार (34 वर्ष) दोनों निवासी राजा का तालाब, तहसील फतेहपुर, जिला कांगड़ा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगामी जांच जारी है। एएसपी नूरपुर ने बताया कि उक्त दोनों मामलों में संबंधित पुलिस थानों में एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ की जा रही है तथा यह पता लगाया जा रहा है कि बरामद मादक पदार्थ कहां से लाया गया था और इसकी आपूर्ति किन व्यक्तियों को की जानी थी।

शाहपुर में गाड़ी से 11.38 ग्राम चिट्टा बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, शाहपुर। कांगड़ा पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सोमवार देर रात सीआईए टीम द्वारा पुलिस थाना शाहपुर क्षेत्र के अंतर्गत रैत बाजार में एक वाहन से 11.38 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की है। पुलिस ने गश्त व चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध वाहन नम्बर एचपी39जी-2459 को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन चालक के कब्जे से 11.38 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विशाल जसवाल, गांव बड़ोल, डाकघर दाड़ी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, आयु 42 वर्ष के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध पुलिस थाना शाहपुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी से गहनता से पूछताछ की जा रही है, ताकि नशे के इस नेटवर्क की बैकवर्ड और फॉरवर्ड सप्लाई चेन का पता लगाया जा सके। मामले में आगामी कानूनी कार्रवाई जारी है।

न्यूज ब्रीफ

फसल बीमा की अंतिम तिथि 15 तक बढ़ी

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ सीजन में मक्की और धान की फसलों का बीमा करवाने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 अगस्त कर दी गई है। कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ. डीसी शर्मा ने बताया कि पहले यह तिथि 31 जुलाई निर्धारित थी, जिसे किसानों की सुविधा के लिए आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने बताया कि हमीरपुर जिले में मक्की की फसल के लिए सभी तहसीलों और उपतहसीलों को अधिसूचित है, जबकि धान के लिए हमीरपुर, नादौन और भोरंज तहसीलें शामिल की गई हैं। बटाईदार, काश्तकार और अन्य किसान फोटो पहचान पत्र, आधार कार्ड व भूमि दस्तावेजों के साथ बीमा करवा सकते हैं। जिले में खरीफ फसलों के बीमा के लिए क्षेमा जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड को अधिकृत किया गया है। मक्की और धान के बीमे के लिए 1200 रुपये प्रति हेक्टेयर यानी 48 रुपये प्रति कनाल प्रीमियम तय किया गया है। बीमित राशि 60 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर होगी। किसानों को सूखा, बाढ़, जलभराव और ओलावृष्टि से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए योजना का लाभ लेने की अपील की गई है।

उद्योग मंत्री ने 15 ई-बसों को दिखाई हरी झंड़ी

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। उद्योग, संसदीय कार्य तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने आज बस अड्डा परिसर नाहन में 15 ई-बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ईको-फ्रेंडली आधुनिक परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए प्रदेश में 297 इलेक्ट्रिक बसों को शामिल किया गया है, जिसमें से 25 इलेक्ट्रिक बसें जिला सिरमौर के लिए दी गई हैं। इससे न केवल राज्य की यातायात प्रणाली को पर्यावरण अनुकूल बनाने में मदद मिलेगी बल्कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सेवा भी सशक्त होगी। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बस सेवाओं की मांग को पूर्ण करने के साथ ही लोगों को बेहतर एवं पर्यावरण अनुकूल परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि इन बसों के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक चार्जिंग अवसरंचना भी तैयार कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सिरमौर जिला में ई-बसों के संचालन से यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक एवं प्रदूषण मुक्त यात्रा सुविधा उपलब्ध होगी। इन बसों में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध है तथा इनके संचालन से कार्बन उत्सर्जन भी घटेगा जिससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक सुलभ, विश्वसनीय एवं पर्यावरण अनुकूल बनाना है।

गुरु रविदास जयंती पर निकली राष्ट्रीय कलश यात्रा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज के 650वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में काशी (वाराणसी) से लाई गई पावन मिट्टी से सुशोभित राष्ट्रीय कलश यात्रा का मंगलवार को। श्रद्धा व उत्साह के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने पावन कलश को अपने कंधों पर उठाया और कृष्णनगर स्थित वाल्मीकि मंदिर तक निकाली गई शोभायात्रा में भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि संत गुरु रविदास जी ने अपने जीवन और वाणी के माध्यम से समरसता, समानता, सामाजिक न्याय और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी ने जाति, ऊंच-नीच और भेदभाव से ऊपर उठकर सभी लोगों को समान मानने की सीख दी। उनके विचार आज भी समाज को सही दिशा देने वाले हैं और वर्तमान समय में भी उनकी प्रासंगिकता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रेम, सेवा और भाईचारे पर आधारित समाज का उनका संदेश लोगों को एक-दूसरे के साथ मिलकर रहने की प्रेरणा देता है। जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की संत परंपरा से प्रेरणा लेते हैं और भारत की सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिक विरासत को सम्मान देने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का विश्वास है कि अपनी विरासत पर गर्व और विकास के प्रति संकल्प देश की सबसे बड़ी ताकत है। उनके अनुसार संत गुरु रविदास जी के आदर्श भी इसी सोच को मजबूत करते हैं और समाज में एकता तथा विश्वास का संदेश देते हैं।

डॉ. यशवंत सिंह परमार हिमाचल के वास्तविक शिल्पकार थे: पठानिया

परमार जयंती पर विधानसभा में कार्यक्रम, मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष ने दी श्रद्धांजलि

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा सचिवालय के परमार कक्ष में प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री और हिमाचल के निर्माता डॉ. यशवंत सिंह परमार की 120वीं जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने डॉ. परमार को हिमाचल प्रदेश का वास्तविक शिल्पकार बताते हुए कहा कि उनका योगदान प्रदेश के निर्माण और विकास में अतुलनीय एवं अविस्मरणीय है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि डॉ. यशवंत सिंह परमार करीब 18 वर्ष 8 माह 16 दिन तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने कहा कि 15 अप्रैल 1948 को हिमाचल प्रदेश के गठन, 1 नवंबर 1966 को पंजाब के पहाड़ी क्षेत्रों के विलय से विशाल हिमाचल के निर्माण और 25 जनवरी 1971 को प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने में डॉ. परमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि डॉ. परमार केवल प्रदेश के नेता नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख सेनानी और राष्ट्रीय स्तर के व्यक्तित्व थे। वह वर्ष 1949 से 1952 तक संविधान सभा के सदस्य भी रहे। कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि डॉ. परमार ने अपना पूरा जीवन हिमाचल के विकास के लिए समर्पित कर दिया। जब उन्होंने प्रदेश की जिम्मेदारी संभाली, उस समय शिक्षा और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति काफी कमजोर थी। उन्होंने कहा कि डॉ. परमार पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों को विकास की जीवन रेखा मानते थे और दिल्ली में प्रदेश की पैरवी करते हुए हमेशा सड़क निर्माण को प्राथमिकता देते थे। उन्होंने बताया कि डॉ. परमार वर्ष 1952 से 1956 तक प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री रहे और बाद में 1 जुलाई 1963 को क्षेत्रीय परिषद के विधानसभा में परिवर्तित होने के बाद दोबारा मुख्यमंत्री बने। वह चार बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। उनके कार्यकाल में विधानसभा में 285 विधेयक प्रस्तुत और पारित किए गए।

इनमें मंत्रियों के वेतन-भत्तों से संबंधित पहला विधेयक, हिमाचल प्रदेश भू-अधिग्रहण संशोधन विधेयक तथा दहेज निषेध संशोधन और सामान्य बिक्री कर संशोधन विधेयक प्रमुख रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री सुक्खू, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने विधानसभा सचिवालय द्वारा प्रकाशित तीन पुस्तकों का विमोचन किया। कार्यक्रम के बाद विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष ने पौधरोपण किया।

पंचायतीराज और नगर निकाय चुनावों में जनता ने कांग्रेस को नकारा, 2027 में भी देगी जवाब: बिंदल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने शिमला के रिज मैदान स्थित हिमाचल प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री स्वर्गीय डॉ. यशवंत सिंह परमार की प्रतिमा पर उनके जन्मदिवस के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने कहा कि डॉ. परमार केवल हिमाचल प्रदेश के निर्माता ही नहीं, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान, विकास की दूरदर्शी सोच और जनकल्याणकारी शासन के प्रतीक थे। कृषि, बागवानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क जैसे मूलभूत विषयों पर उनका दृष्टिकोण आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि 'सड़कें हमारी भाग्य रेखा हैं' जैसी सोच डॉ. परमार की विकास दृष्टि को दर्शाती है और प्रदेश को उसी मार्ग पर आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर डॉ. बिंदल ने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि हाल ही में पंचायतीराज और नगर निकाय चुनावों में मिले जनादेश ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार से पूरी तरह निराश हो चुकी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चुनावी परिणामों से इतने व्यथित हैं कि अब भविष्यवाणी करने लगे हैं, जबकि उन्हें भविष्य की चिंता छोड़कर जनता से किए गए वादों का हिसाब देना चाहिए। डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रदेश की जनता 2027 के चुनाव में भाजपा के विधायकों की संख्या नहीं, बल्कि कांग्रेस सरकार का रिपोर्ट कार्ड देखेगी। जनता पूछेगी कि पहली कैबिनेट में एक लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा कहां गया, पांच लाख रोजगार का दावा कहां गया और महिलाओं को हर महीने 1500 देने की गारंटी का क्या हुआ।

हिमाचल में कर्मचारियों की ई-सर्विस बुक अपडेट करना अनिवार्य

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग ने सरकारी संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों की ई-सर्विस बुक नियमित रूप से अपडेट करने के निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने सभी डिग्री कॉलेजों, संस्कृत कॉलेजों, जीसीटीई, एससीईआरटी, एनसीसी कार्यालयों, स्कूल शिक्षा उपनिदेशकों और राज्य पुस्तकालयों को मानव संपदा (पीएमआईएस) पोर्टल पर सेवा रिकॉर्ड समय पर दर्ज करने को कहा है। उच्च शिक्षा निदेशक सुनीता सिंह ने जारी आदेशों में कहा कि तबादले, कार्यमुक्ति, नई तैनाती, पदोन्नति, अवकाश, वेतनवृद्धि, एलपीसी, वेतन निर्धारण और संशोधन जैसी सभी जानकारियां तुरंत अपडेट की जाएं। विभाग ने बताया कि रिकॉर्ड समय पर अपडेट न होने से पेंशन मामलों के निपटारे में देरी होती है। विभाग ने संस्थान प्रमुखों को सभी कर्मचारियों की ई-सर्विस बुक पूरी तरह अद्यतन रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि महालेखाकार कार्यालय को पेंशन प्रकरण समय पर भेजे जा सकें।

गोबिंद सागर से हटेगी 100 एमसीएम गाद बीबीएमबी ने शुरू की 10 वर्षीय योजना

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा लोकसभा में पूछे गए अतारांकित प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) की गोबिंद सागर जलाशय में गाद हटाने की योजना को लेकर जानकारी दी है।

मंत्रालय के अनुसार बीबीएमबी ने भाखड़ा बांध के जलाशय में डी-सिल्टेशन की पायलट परियोजनाएं शुरू कर दी हैं, जिनके तहत अगले 10 वर्षों में करीब 100 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) गाद हटाने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्रीय विद्युत राज्य मंत्री श्रीपाद नाइक ने बताया कि बिलासपुर के लुहणू ग्राउंड और सीर खड्डु क्षेत्र में यह कार्य राजस्व सृजन मॉडल के तहत प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है। चयनित एजेंसी निकाली गई गाद का व्यावसायिक उपयोग कर सकेगी, जबकि हिमाचल प्रदेश सरकार को नियमानुसार रॉयल्टी, कर, शुल्क और सेस का भुगतान किया जाएगा। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि परियोजना में देरी राज्य सरकार की आपत्तियों के कारण नहीं हुई है। मार्च और अप्रैल 2026 में जारी निविदाएं पात्र बोलीदाता नहीं मिलने के कारण रद्द करनी पड़ी थीं। बाद में सीर खड्डु की निविदा में संशोधन कर इसे दोबारा जारी किया गया और 23 जुलाई 2026 को तीन कंपनियों की बोलियां खोली गईं।

केंद्रीय मंत्रालय ने बताया कि बीबीएमबी राष्ट्रीय अवसाद प्रबंधन रूपरेखा के अनुरूप कार्य कर रहा है। इसके अलावा डैम रिहैबिलिटेशन एंड इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट (डीआरआईपी) के तहत भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) भाखड़ा से कोल बांध तक के जलग्रहण क्षेत्र में भूस्खलन संभावित क्षेत्रों और गाद स्रोतों का वैज्ञानिक अध्ययन करेगा।

शनोल पर्व पर क्योंथल क्षेत्र में पारंपरिक व्यंजनों की धूम

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। क्योंथल क्षेत्र में श्रावण मास के पावन अवसर पर मनाया जाने वाला पारंपरिक शनोल (हरियाली) पर्व इस वर्ष भी पूरे उत्साह, श्रद्धा और सांस्कृतिक रंगों के साथ मनाया गया। क्षेत्र के लोगों ने अपने घरों में पारंपरिक व्यंजन तैयार कर पर्व की खुशियां साझा कीं। विशेष रूप से मीठे और नमकीन सिड्डू बनाकर परिजनों, रिश्तेदारों और पड़ोसियों में वितरित किए गए।

पर्व के अवसर पर लोगों ने अपने कुल इष्ट व देवी-देवताओं के मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना की तथा परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। बरसात के सुहावने मौसम में घी और दही के साथ सिड्डू का स्वाद लेने का आनंद बढ़ गया। शनोल पर्व क्योंथल क्षेत्र की समृद्ध लोक संस्कृति व परंपराओं का प्रतीक माना जाता है। श्रावण मास के 20 प्रविष्ठे को मनाया जाने वाला यह पर्व शिमला के क्योंथल क्षेत्र के साथ-साथ सिरमौर और सोलन के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी विशेष श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया जाता है। मान्यता है कि हिमाचल के निर्माता एवं प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. यशवंत सिंह परमार का जन्म भी इसी शुभ पर्व के दिन हुआ था, जिसके कारण इसका महत्व और बढ़ जाता है। अतीत में शनोल पर्व के अवसर पर कई गांवों में मेलों और पारंपरिक कुश्ती प्रतियोगिताओं का आयोजन होता था।

पीरन के दूड़मूं तथा ट्हाई गांव के कोट में भी कुश्ती दंगल आयोजित किए जाते थे। हालांकि, बदलते समय के साथ ये परंपराएं धीरे-धीरे समाप्त हो गई हैं। वहीं नेई-नेटी क्षेत्र में शनोल मेले की परंपरा आज भी जीवित है।

क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक दया राम वर्मा और दौलत राम मेहता ने बताया कि शनोल पर्व पर पारंपरिक व्यंजन बनाने और देव पूजा का विशेष महत्व है। इस दिन महिलाएं हरे रंग की चूड़ियां पहनती हैं और मेहंदी लगाती हैं, परिवार एकत्रित होते हैं और लोग अपने कुल देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त कर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। शनोल केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि पहाड़ की सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता व लोक परंपराओं को संजोए रखने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जिसे आज भी लोग पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ निभा रहे हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत भरौरी
विकास खंड धर्मपुर, जिला मंडी (हि.प्र.)

निविदा आमंत्रण सूचना

ग्राम पंचायत भरौरी विकास खंड धर्मपुर जिला मंडी द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न विकास कार्यो के निष्पादन हेतु आवश्यकतानुसार अधिकृत विक्रेताओं से मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जानी अति आवश्यक है। निविदाएँ दिनांक 24/08/2026 को पूर्वाहन 3 बजे तक ग्राम पंचायत के कार्यालय भरौरी में पहुंच जानी चाहिए। निविदाएँ 25/8/2026 को 11 बजे, ग्राम पंचायत की 'निर्माण कमेटी' व निविदादाताओं या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष पंचायत कार्यालय भरौरी में खोली जायेंगी। **सामग्री का विवरण-**1. रेत (खड्डु/नदी की)- प्रति घन मीटर, 2. रेत (क्रेशर की)-प्रति घन मीटर, 3. बजरी 10,20,40 mm (खड्डु/नदी की)- प्रति घन मीटर, 4. बजरी 10,20,40 mm (क्रेशर की)- प्रति घन मीटर, 5. सोलिंग/बोल्डर पत्थर-प्रति घन मीटर, 6. पत्थर (Cut Stone)- प्रति घन मीटर, 7. पक्की ईटें (मिट्टी के भटूटे की) (2nd Class)- प्रति 1000 नग, 8. मशीन द्वारा कटान (Cutting Through JCB Machine)-प्रति घंटा, 9. सीमेंट ढुलाई प्रति बैग व सामग्री ढुलाई घोड़े/ट्रैक्टर/जीप/अन्य वाहन द्वारा-प्रति बैग, 10. शटरिंग- प्रति वर्ग मीटर, 11. टोर सरिया/एंगल चदरे (ISI Marked)-प्रति क्विंटल, 12. दीवार लेखनी (Wall Writing)- प्रति वर्ग मीटर, 13. PVC पाइप / GI पाइप / RCC पाइप-प्रति मीटर, 14. Inter Locking Tyles 40,60,80 mm (ISI Marked)-प्रति टाईल, 15. Blocks व टाइल फर्श व दीवार-प्रति ब्लॉक। **नियम व शर्ते :-** 1. निविदादाता के पास अपना पंजीकरण, पैन संख्या, टीन (TIN) नम्बर होना आवश्यक है। तथा इसकी छाया प्रति साथ में लगाना अति आवश्यक है। 2. ठेकेदार/आपूर्तिकर्ता को खनन विभाग से हस्ताक्षरित M-Form जमा करवाने होंगे, M-FORM उपलब्ध न करवाने की स्थिति में सामग्री सम्बंधी रॉयल्टी वर्तमान में मु0 BY GOVT....../- रूपये प्रति घन मीटर के हिसाब से काटी जाएगी। 3. सभी निविदाएँ सील बंद लिफाफे में देनी अनिवार्य होगी। अधूरी व खुली निविदाएँ मान्य नहीं होगी। 4. पंचायत पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के परिवार से सम्बंधित सदस्यों की निविदाएँ मान्य नहीं होगी। 5. सामग्री की आपूर्ति लोक निर्माण विभाग के स्पेसिफिकेशन के अनुरूप होगी। 6. दरें अंकों और शब्दों दोनों में लिखी होनी चाहिए। 7. निर्माण सामग्री कार्य स्थल सड़क तक उपलब्ध करवानी होगी। 8. ग्राम पंचायत के समस्त क्षेत्राधिकार में एक ही मूल्य देय होगा व अस्वीकृत सामग्री की अदायगी देय नहीं होगी। 9. निविदादाताओं को पंचायत कार्यालय में मु0 30000/ रू0 अग्रिम सुरक्षित राशि पहले जमा करवानी आवश्यक है। 9. निविदादाताओं यदि सामग्री आपूर्ति समयानुसार नहीं कर पाता है तो उसकी गत समय में दी गयी सामग्री की देय राशि का भुगतान नहीं किया जायेगा और न ही अग्रिम / सुरक्षित राशि वापिस होगी। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत करने, सशर्त निविदा, समान दर रहने की स्थिति में, एक या एक से अधिक निविदादाताओं के लिए कार्य आदेश नियत करने, निविदाएँ खोलते समय कोई विवाद होने पर व सामग्री की गुणवता के चयन तथा निविदाएँ किसी भी समय रद्द करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। सामग्री लेने की अतिम मूल्य/निर्णय विभाग की Justification व पारित निविदादाता के साथ Negotiation अनुसार किया जायेगा।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत भरौरी, विकास खंड धर्मपुर, जिला मंडी, हि.प्र.

परेशानी — हिमाचल में भारी बारिश, सिरमौर में गिरि जटोन बैराज डैम से दो बार छोड़ा गया पानी, 10 अगस्त तक अलर्ट

109 सड़कें बंद; चंबा-कांगड़ा में फ्लैश फ्लड का अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून के सक्रियता से कई हिस्सों में लगातार बारिश दर्ज की जा रही है। मंगलवार सुबह से शिमला सहित अधिकांश इलाकों में तेज बारिश हो रही है, जबकि सिरमौर जिले के कई इलाकों में देर रात से ही लगातार वर्षा जारी है। मौसम विभाग ने राज्य के कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 5 से 10 अगस्त तक भी प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना बनी रहेगी। मौसम विभाग ने लोगों से नदियों, खड्डों व भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। अगले 24 घंटों के लिए चंबा और कांगड़ा जिलों में फ्लैश फ्लड का अलर्ट भी जारी किया गया है।

बीते 24 घंटों के दौरान सबसे अधिक 142 मिलीमीटर बारिश सिरमौर जिले के ददाहू में दर्ज की गई। इसके बाद बिलासपुर जिले के नयना देवी में 140.8 मिलीमीटर, सिरमौर के नाहन में 117.6 मिलीमीटर, सिरमौर के जटोन बैराज में 70.4 मिलीमीटर, धौलाकुआं में 68.5 मिलीमीटर, बिलासपुर के मलरोन में 64.2 मिलीमीटर, ओलिंडा में 60.6 मिलीमीटर, ऊना में 57 मिलीमीटर, कांगड़ा के नगरोटा सूरियां में 43 मिलीमीटर, ऊना के नंगल डैम में 42 मिलीमीटर, कांगड़ा के घमरूर में 41.4 मिलीमीटर और देहरा गोपीपुर में 39.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार कांगड़ा जिले में कुछ स्थानों पर गरज के साथ बिजली भी चमकी। लगातार बारिश के बीच सिरमौर जिले के गिरि जटोन बैराज डैम से मंगलवार सुबह पानी छोड़ा गया। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सूचना जारी कर बताया कि बैराज के गेट नंबर चार से सुबह पानी छोड़ा गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि नदी का जलस्तर बढ़ सकता है व निचले मैदानी क्षेत्रों में पानी फैलने की आशंका है। लोगों से नदी और उसके किनारों के पास नहीं जाने की अपील की गई है। पंचायत प्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों और स्थानीय लोगों से भी यह सूचना अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आग्रह किया गया है। लगातार बारिश के कारण बैराज से दिन में दूसरी बार भी पानी छोड़ा गया। बारिश और भूस्खलन का असर प्रदेश के सड़क, बिजली और पेयजल नेटवर्क पर भी पड़ा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार भूस्खलन के कारण प्रदेश में 109 सड़कें बंद हैं। इनमें मंडी जिले में 43, कुल्लू में 39, सिरमौर में 8, शिमला और चंबा में 6-6, कांगड़ा में 5 तथा ऊना में 2 सड़कें अवरुद्ध हैं।

इसके अलावा 6 बिजली ट्रांसफार्मर और 30 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हैं। मौसम विभाग के अनुसार 5 और 6 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 7 अगस्त को भी कई क्षेत्रों में भारी वर्षा के आसार हैं, जबकि 8, 9 और 10 अगस्त को भी प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई गई है। प्रशासन ने लोगों से मौसम की चेतावनियों का पालन करने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

नाहन के जलमूषा खड्डु में फंसे 4 परिवारों के 25 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला

नाहन। भारी बारिश के कारण सोमवार को नाहन के कटासन के पास जलमूषा खड्डु में अचानक पानी बढ़ जाने से फंसे 4 गुर्जर परिवारों के 25 लोगों को पुलिस, होमगार्ड और फायर ब्रिगेड की टीम ने सुरक्षित निकाल लिया। जानकारी के अनुसार मंगलवार को सदर नाहन को भूपेंद्र कुमार ने सूचना दी कि कटासन के समीप जलमूषा खड्डु में पानी अचानक बढ़ने से करीब 25 लोग नदी के बीच फंस गए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। बचाव अभियान में फायर ब्रिगेड की टीम और तहसीलदार पांवटा साहिब भी मौजूद रहे। स्थिति को देखते हुए एनडीआरएफ की टीम को भी स्टैंडबाय पर रखा गया। पुलिस और होमगार्ड की टीमों ने करीब 3 घंटे तक चला जोखिम भरा बचाव अभियान चलाया। जलस्तर में थोड़ी कमी आने पर जवानों ने तत्परता दिखाते हुए सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। नदी से निकाले गए लोगों में 6 माह की बच्ची इकरा से लेकर 45 वर्षीय भुरा और नानकी तक शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि यह पूरा अभियान बिना किसी जनहानि के सफल रहा और क्षेत्र में स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है।

कार्यालय ग्राम पंचायत माणी विकास खंड बाली चौकी, जिला मंडी (हि.प्र.)

निविदा आमंत्रण सूचना

ग्राम पंचायत माणी, विकासखंड बाली चौकी, मे वित्त वर्ष 2026- 27 के लिए विभिन्न प्रकार की सामग्री की कोटेशन आमंत्रित की जाती हैं। सामग्री का विवरण: रेत बजरी क्रशर व खड्डु की, सीमेंट ढुलान, ईंट, लोकल पत्थर, सरिया, CIB कंक्रीट, लकड़ी के दरवाजे, लोहे के दरवाजे, खिड़की, ग्रिल, एंगल, ERW पाइप, बेंच, डस्टबिन ,चादरें, शटरिंग, कार्यालय फर्नीचर, ट्रांसपेरेंट शीट, टाइल्स फ्लोर, टॉयलेट शीट, लैपटॉप, माइक सेट, बड़ा टेबल, कुर्सी इत्यादि।

खच्चर ढुलवान की कोटेशन भी आमंत्रित की जाती हैं : स्थान व स्टेशन,1. माणी सड़क से शिल। 2. माणी रोड से गुमता। 3. बशुंघी से नरायण। 4. कांण्ढी से चलेला। 5. कांण्डी से टिप्पर थाच ,गरींडी। 6. बशुंघी से चिऊँटा। 7. बशुंघी से चमढियार। 8. बशुंघी से झीरा देउरी तक

नियम व शर्तें : 1. कोटेशन डाक द्वारा दिनांक 13 अगस्त 2026 को समय 5:00 बजे तक पंचायत कार्यालय में पहुंचनी चाहिए। जो 14 अगस्त 2026 को समस्त पंचायत कोरमा व निविदादाटा के समक्ष खोली जाएगी। 2. कोटेशन दाटा की गाड़ी की आरसी कोटेशन के साथ संलगन करना अनिवार्य है। 3. 2 वर्ष जीएसटी भरने की रिटर्न कोटेशन के साथ संलग्न करना अनिवार्य हैं। 4. एम फार्म होना अनिवार्य हैं। निविदादाता का अपना जीएसटी नंबर होना अनिवार्य हैं। 5. जिस निविदादाता की निविदा स्वीकृत होगी उसे धरोहर राशि के रूप में ₹20000 एफडीआई जमा करवानी होंगे। 6 कोटेशन को बिना किसी की सूचना के रद्द करने का अधिकार पंचायत के पास होगा। 7. कार्य में कोताही बरतने पर या समय पर वांछित सामग्री न पहुंचने पर कोटेशन रद्द की जाएगी व अगले निविदा वाले को सप्लाई आर्डर दिया जाएगा।

प्रधान/ सचिव

न्यूज शॉर्ट्स

राजाजी टाइगर रिजर्व से आया हिरण कुत्तों के हमले में मरा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून के हरिपुरकलां गांव में जंगल से भटककर पहुंचे एक हिरण की आवारा कुत्तों के हमले में मौत हो गई। बताया गया कि हिरण राजाजी टाइगर रिजर्व क्षेत्र से निकलकर आबादी वाले इलाके में पहुंच गया था, जहां दो कुत्तों ने उसे घेरकर हमला कर दिया। ग्रामीणों ने हिरण को बचाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। सूचना मिलने के बाद करीब दो घंटे बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हिरण के शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की।

बागेश्वर में 1.472 किलो चरस के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, बागेश्वर। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कपकोट पुलिस और एसओजी टीम को बड़ी सफलता मिली है। पालीडुंगरा पुल के पास वाहन चेकिंग के दौरान बाइक सवार दो युवकों को 1.472 किलो अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल बाइक को भी सीज कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अब चरस तस्करी से जुड़े पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

आईआईटी रुड़की के शोधकर्ताओं ने विकसित की नई हरित रासायनिक विधि

भारतेंदु संवाददाता, रुड़की। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के शोधकर्ताओं ने नवीकरणीय अल्कोहलों को उच्च-मूल्य रसायनों में बदलने की नई सतत उत्प्रेरक विधि विकसित की है। यह तकनीक दवाओं और उन्नत सामग्रियों में उपयोग होने वाले जटिल रसायनों के निर्माण में मददगार होगी। रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. देबाशीष बनर्जी के नेतृत्व में हुए इस शोध में निकेल उत्प्रेरक का उपयोग किया गया। शोध के परिणाम प्रतिष्ठित पत्रिका नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित हुए हैं।

नंदा देवी बड़ी जात-2026 की तैयारियों को लेकर देवाल में मंथन, 7 अगस्त को महाबैठक

भारतेंदु संवाददाता, थराली/देवाल

प्रस्तावित नंदा देवी बड़ी जात-2026 की तैयारियों को लेकर देवाल विकासखंड सभागार में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और यात्रा से जुड़े पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से चमोली के जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, पड़ाव समितियों और दोनों यात्रा समितियों की संयुक्त बैठक शीघ्र बुलाने की मांग की गई। साथ ही 7 अगस्त को ब्लॉक प्रमुख तेजपाल रावत की अध्यक्षता में विस्तृत बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में यात्रा मार्ग की व्यवस्थाओं, सड़क, स्वास्थ्य, हेलीकॉप्टर सेवा, आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं और मूलभूत ढांचे को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने यात्रा की परंपराओं और ऐतिहासिक स्वरूप को बनाए रखने की आवश्यकता बताई। छोटी जात यात्रा को राजकीय यात्रा घोषित करने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया। सभी जनप्रतिनिधियों ने वर्ष 2026 में प्रस्तावित नंदा देवी बड़ी जात के भव्य और सफल आयोजन का संकल्प लिया।

उत्तराखंड विजन 2047 : हर जिले की बनेगी विकास कार्ययोजना

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य को लेकर प्रदेश सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। विकसित उत्तराखंड विजन-2047 के तहत अब राज्य के प्रत्येक जिले के लिए अलग-अलग विकास कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इसका उद्देश्य स्थानीय जरूरतों, संसाधनों और संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जिलेवार विकास की रणनीति बनाना है। सरकार का लक्ष्य है कि दिसंबर 2026 तक सभी जिलों के लिए विजन दस्तावेज तैयार कर उन्हें अंतिम रूप दे दिया जाए।

◆ **हर जिले की जरूरतों के हिसाब से बनेगी विकास योजना**

देहरादून में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में विकसित उत्तराखंड विजन-2047 को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों ने राज्य के भविष्य के विकास की दिशा, प्राथमिकताओं और योजनाओं पर विचार-विमर्श किया। अधिकारियों के अनुसार, राज्य स्तर का विजन दस्तावेज लगभग अंतिम चरण में है। इसके बाद जिला स्तर पर योजनाओं को तैयार करने की प्रक्रिया शुरू होगी।

जिला विजन दस्तावेज में प्रत्येक क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, आर्थिक संभावनाओं, पर्यटन, कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा। इसके माध्यम से यह तय किया जाएगा कि किस जिले में किन क्षेत्रों के विकास की अधिक आवश्यकता है और वहां उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कैसे किया जा सकता है।

महिला भागीदारी से बनेगा उत्तराखंड का विकास मॉडल

सरकार की योजना है कि विकास की रणनीति केवल आंकड़ों के आधार पर नहीं बल्कि जमीनी जरूरतों के अनुसार तैयार की जाए। इसके लिए डेटा आधारित नीति निर्माण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सही आंकड़ों के माध्यम से योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा और विकास कार्यों की निगरानी भी बेहतर तरीके से हो सकेगी। विजन-2047 में महिला भागीदारी को भी विशेष महत्व दिया गया है। सरकार का मानना है कि प्रदेश के समग्र विकास के लिए महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक भागीदारी बढ़ाना जरूरी है। महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने वाली योजनाओं को विकास की मुख्यधारा में शामिल किया जाएगा। उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियां अन्य राज्यों से अलग हैं। पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों की जरूरतें अलग-अलग हैं। पहाड़ी जिलों में पलायन रोकना, स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ाना, पर्यटन को मजबूत करना और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण प्रमुख चुनौतियां हैं।

हरिद्वार में उमड़ा आस्था का महासैलाब, शिवमय हुई धर्मनगरी

श्रावण शिवरात्रि से पहले हरिद्वार में बढ़ी कांवड़ियों की भीड़, सुरक्षा व्यवस्था हुई और मजबूत

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

सावन के पावन महीने में धर्मनगरी हरिद्वार पूरी तरह शिवमय हो चुकी है। कांवड़ मेले का उत्साह अब अपने चरम पर पहुंच गया है और गंगा घाटों से लेकर राष्ट्रीय राजमार्गों तक सिर्फ ष्बोल बमष् और ष्हर-हर महादेवष् के जयघोष सुनाई दे रहे हैं। आस्था का ऐसा अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है, जहां पांच साल के मासूम बच्चों से लेकर 60 वर्ष तक की बुजुर्ग महिलाएं भी कंधों पर कांवड़ रखकर गंगाजल लेने हरिद्वार पहुंच रही हैं।

प्रशासन के अनुसार, अब तक एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु हरिद्वार पहुंच चुके हैं और आने वाले दिनों में यह संख्या तेजी से बढ़ने की संभावना है। हरकी पैड़ी, सुभाष घाट, मालवीय घाट सहित सभी प्रमुख घाटों पर सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ बनी हुई है। गंगाजल भरने के बाद कांवड़िए अपने-अपने राज्यों और शहरों की ओर पैदल रवाना हो रहे हैं।

इस बार कांवड़ मेले की सबसे खास तस्वीर महिलाओं की बढ़ती भागीदारी है। बड़ी संख्या में महिलाएं अपने परिवार के साथ कांवड़ यात्रा कर रही हैं, जबकि कई महिला समूह भी

परिवारों के साथ कांवड़ यात्रा में शामिल हो रहे श्रद्धालु।

◆ **छोटे बच्चों से बुजुर्ग महिलाओं तक दिखा शिवभक्ति का जुनून**

◆ **पांच करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का प्रशासन ने जताया अनुमान**

शिवभक्ति में लीन होकर पैदल यात्रा करते नजर आ रहे हैं। दिल्ली, हरियाणा, गाजियाबाद और पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से आई महिलाएं कई सौ किलोमीटर की पैदल यात्रा कर भगवान शिव को जल अर्पित करने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रही हैं। महिला श्रद्धालुओं का कहना है कि भगवान शिव में उनकी अटूट आस्था है और इसी विश्वास के साथ वे बिना किसी कठिनाई की परवाह किए यात्रा पूरी कर रही हैं।

कांवड़ यात्रा में बच्चों का उत्साह भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। कई बच्चे छोटी-छोटी रंग-बिरंगी कांवड़ लेकर अपने माता-पिता के साथ यात्रा कर रहे हैं। कुछ बच्चे पारंपरिक बांस की कांवड़ लेकर चल रहे हैं तो कुछ दोनों ओर गंगाजल से भरी कांवड़ उठाए दिखाई दे रहे हैं।

हरिद्वार बना शिवभक्ति का केंद्र

हरिद्वार में कई बुजुर्ग महिलाएं भी कांवड़ यात्रा करती दिखाई दे रही हैं। उम्र के इस पड़ाव में भी उनके चेहरे पर शिवभक्ति का उत्साह साफ नजर आ रहा है। यह दृश्य इस बात का संदेश दे रहा है कि भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और आस्था की कोई उम्र नहीं होती। धर्मनगरी इस समय पूरी तरह भगवामय नजर आ रही है। हर ओर शिवभक्त, कांवड़, भजन, डमरू और बोल बम के जयघोष वातावरण को भक्तिमय बना रहे हैं। कोई परिवार के साथ यात्रा कर रहा है तो कोई दोस्तों के समूह में गंगाजल लेने पहुंचा है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बावजूद पूरे मेले में उत्साह और अनुशासन का माहौल देखने को मिल रहा है। प्रशासन का अनुमान है कि श्रावण शिवरात्रि तक पांच करोड़ से अधिक श्रद्धालु हरिद्वार पहुंच सकते हैं, जिससे यह कांवड़ मेला देश के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में एक बार फिर अपनी भव्यता का परिचय देगा।

शिवरात्रि को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

8 से 11 अगस्त के बीच डाक कांवड़ और 11 अगस्त को होने वाले श्रावण शिवरात्रि जलाभिषेक को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत कर दी है। नागरिक पुलिस के साथ अर्द्धसैनिक बल, एटीएस, बम निरोधक दस्ता (बीडीएस), एसडीआरएफ और जल पुलिस की टीमें प्रमुख घाटों, मंदिरों और संवेदनशील स्थानों पर तैनात हैं। यातायात और भीड़ प्रबंधन के लिए हरिद्वार में 10 ड्रोन जोन बनाए गए हैं, जबकि ऋषिकेश और नीलकंठ क्षेत्र में अतिरिक्त ड्रोन लगातार निगरानी कर रहे हैं।

उत्तराखंड की साक्षरता सफलता देश के लिए प्रेरणादायक : प्रह्लाद जोशी

पूर्ण साक्षरता की उपलब्धि पर प्रह्लाद जोशी ने सराहा उत्तराखंड

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड के पूर्ण साक्षर राज्य बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राज्य सरकार और प्रदेशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेजे संदेश में कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की सामूहिक प्रतिबद्धता, दूरदर्शी नेतृत्व और शिक्षा के प्रति जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुर्गम और विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद उत्तराखंड ने उल्लास यानी नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत निर्धारित समय से पहले पूर्ण साक्षर राज्य का दर्जा हासिल किया है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय राज्य सरकार, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों, स्वयंसेवकों और प्रदेशवासियों के संयुक्त प्रयासों को दिया।

उत्तराखंड ने वयस्क साक्षरता दर 98 प्रतिशत से अधिक दर्ज कर राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित 95 प्रतिशत के मानक को पार किया है। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि यह उपलब्धि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि उल्लास कार्यक्रम के माध्यम से वयस्कों को आधारभूत शिक्षा, डिजिटल साक्षरता और जीवनोपयोगी कौशल प्रदान किए जा रहे हैं। उत्तराखंड सरकार द्वारा समग्र शिक्षा अभियान के तहत गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी उन्होंने सराहना की।

◆ **'उत्तराखंड को पूर्ण साक्षर राज्य बनने की उपलब्धि पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने बधाई दी। यह सफलता शिक्षा, डिजिटल साक्षरता और आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राज्य ज्ञान और नवाचार में आगे बढ़ रहा है। - (डॉ. धन सिंह रावत, विद्यालयी शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड)**

बद्रीनाथ में ऑपरेशन प्रहार के तहत शराब तस्कर सहित चार पर कार्रवाई

भारतेंदु संवाददाता, चमोली

बद्रीनाथ धाम की पवित्रता, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की।

पुलिस ने भृगुधारा पैदल मार्ग से 25 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ 75 वर्षीय सुरेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं बद्रीनाथ मंदिर परिसर के समीप सार्वजनिक स्थान पर अशोभनीय हरकत कर रहे पंजाब निवासी तीन युवकों के खिलाफ पुलिस एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस ने कहा कि धाम की गरिमा और श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

चारधाम यात्रा की सुरक्षा संभालेगा 'नभ नेत्र ड्रोन'

हाईटेक नभ नेत्र ड्रोन से होगी चारधाम यात्रियों की लाइव निगरानी

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

चारधाम यात्रा को और अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए उत्तराखंड प्रशासन ने आधुनिक तकनीक का सहारा लेने की तैयारी की है। इस बार यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था में पहली बार अत्याधुनिक 'नभ नेत्र' ड्रोन को शामिल किया जा रहा है। करीब डेढ़ करोड़ रुपये की लागत

वाले इस हाईटेक ड्रोन के माध्यम से पांच किलोमीटर तक के क्षेत्र में श्रद्धालुओं की निगरानी की जाएगी। ड्रोन में लगे उच्च क्षमता वाले कैमरे भीड़ की स्थिति, यातायात व्यवस्था और किसी भी आपात स्थिति की जानकारी तुरंत उपलब्ध कराएंगे।

नभ नेत्र ड्रोन की शुरुआत आगामी कांवड़ मेले से की जाएगी। इसके बाद चारधाम यात्रा के दौरान भी इसका इस्तेमाल किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, यह ड्रोन भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और आपदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। खासतौर पर यात्रा के व्यस्त समय में जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु धामों की ओर पहुंचते हैं, तब यह तकनीक प्रशासन के लिए मददगार साबित होगी। ड्रोन के जरिए श्रद्धालुओं की गतिविधियों की लाइव तस्वीरें और वीडियो एसडीआरएफ मुख्यालय तथा चारधाम यात्रा नियंत्रण कक्ष तक भेजे जाएंगे।

पांच किमी करेगा तक निगरानी

इससे अधिकारियों को मौके की स्थिति की लगातार जानकारी मिलती रहेगी। यदि किसी स्थान पर अधिक भीड़ जमा होती है या कोई परेशानी सामने आती है तो नियंत्रण कक्ष से तुरंत आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जा सकेंगे। आपदा की स्थिति में भी नभ नेत्र ड्रोन बेहद उपयोगी साबित होगा। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन, अचानक मौसम खराब होने या किसी दुर्घटना की स्थिति में यह ड्रोन घटनास्थल की वास्तविक तस्वीरें उपलब्ध कराएगा।

भीड़ नियंत्रण में करेगा मदद

चारधाम यात्रा उत्तराखंड की धार्मिक और पर्यटन व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हर साल देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती रहती है। नभ नेत्र ड्रोन के इस्तेमाल से यात्रा व्यवस्था को अधिक आधुनिक और प्रभावी बनाने की उम्मीद है। प्रशासन का मानना है कि तकनीक के बेहतर उपयोग से श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण मिलेगा और किसी भी चुनौती से निपटने में तेजी आएगी।

संवाद से ही हर समस्या का समाधान संभव: राज्यपाल

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने लोक भवन में आयोजित 'संवाद से समाधान' कार्यक्रम में कहा कि वर्तमान समय में संवाद ही हर समस्या के समाधान का सबसे प्रभावी और स्थायी माध्यम है। उन्होंने कहा कि जहां संवाद समाप्त होता है, वहीं से संघर्ष की शुरुआत होती है। राज्यपाल ने भगवान महावीर स्वामी के जीवन दर्शन का उल्लेख करते हुए अहिंसा, करुणा, आत्मसंयम और समरसता के मार्ग को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 'जियो और जीने दो' का संदेश आज भी पूरी मानवता के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि भारत की शक्ति उसकी विविधता में छिपी एकता में है और संवाद व सद्भाव से ही मजबूत समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भारी बारिश में भी सिमली-ग्वालदम हाईवे पर जारी रही आवाजाही, बीआरओ की त्वरित कार्रवाई बनी राहत

भारतेंदु संवाददाता, थराली

मानसून के दौरान लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन के बावजूद सिमली-ग्वालदम राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवाजाही सुचारु बनी हुई है। सीमा सड़क संगठन की त्वरित कार्रवाई से यात्रियों को राहत मिल रही है। संवेदनशील स्थानों पर पहले से तैनात जेसीबी और पोकलेन मशीनों की मदद से मलबा टाकर मार्ग को जल्द खोल दिया जाता है। मंगलवार को मोड़ा-छीड़ा और नारायणबगड़ बाजार के पास मलबा आने से यातायात प्रभावित हुआ, लेकिन क्षृह्न की टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर सड़क साफ कर दी। अधिकारियों के अनुसार मानसून से पहले सभी संवेदनशील स्थलों की पहचान कर वहां मशीनें तैनात की गई हैं, जिससे हाईवे पर लंबे समय तक जाम की स्थिति नहीं बन रही है।

रुद्रप्रयाग पुलिस लाइन में चला वृहद सफाई अभियान

भारतेंदु संवाददाता, रुद्रप्रयाग

रिजर्व पुलिस लाइन रतूड़ा में स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को वृहद सफाई अभियान चलाया गया। पुलिस उपाधीक्षक रुद्रप्रयाग विकास पुण्डीर के नेतृत्व में पुलिस लाइन परिसर, परेड ग्राउंड और आसपास के क्षेत्रों की गहन सफाई की गई। मानसून के दौरान जलभराव और मौसमी बीमारियों के खतरे को देखते हुए जल निकासी नालियों और रास्तों को साफ किया गया। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों और जवानों ने श्रमदान करते हुए झाड़ियों की कटाई, कूड़ा निस्तारण और परिसर की सफाई की। डेंगू, मलेरिया सहित अन्य संक्रमणों से बचाव के लिए कीटनाशक दवाओं और चूने का छिड़काव भी किया गया। पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कि स्वच्छ वातावरण जवानों की कार्यक्षमता बढ़ाता है और परिसर को साफ रखना सभी की जिम्मेदारी है।

आपदा पीड़ितों के साथ खड़े हैं जनप्रतिनिधि : टम्टा

ग्वालदम-सिलोडी में नुकसान का जायजा लेने पहुंचे विधायक टम्टा

भारतेंदु संवाददाता, थराली

थराली विधायक भूपाल राम टम्टा ने मंगलवार को विधानसभा क्षेत्र के आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने विकासखंड थराली के ग्वालदम अनुसूचित जाति बस्ती में भूधंसाव प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

विधायक ने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, पेयजल, बिजली, खाद्यान्न और अन्य जरूरी सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राहत और पुनर्वास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इसके बाद विधायक नारायणबगड़ के सिलोडी गांव पहुंचे, जहां प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं और धिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विधायक भूपाल राम टम्टा ने जाना आपदा प्रभावितों का दर्द

विधायक ने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, पेयजल, बिजली, खाद्यान्न और अन्य जरूरी सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राहत और पुनर्वास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आपदा चमोली और देहरादून में बारिश का प्रकोप, भूस्खलन से सड़कों पर संकट और जनजीवन प्रभावित

ग्वालदम और कालसी-चकराता हाईवे बंद, 28 ग्रामीण सड़कें ठप

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में मानसून की सक्रियता के चलते भारी बारिश का दौर जारी है। सोमवार रात से हुई मूसलाधार बारिश ने पर्वतीय क्षेत्रों में एक बार फिर मुश्किलें बढ़ा दी हैं। चमोली, देहरादून सहित कई जिलों में बारिश के कारण भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और बंद सड़कों को खोलने के लिए राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिए गए हैं।

चमोली जिले के पर्वतीय इलाकों में रातभर हुई भारी बारिश के बाद मंगलवार को कुछ राहत जरूर मिली और बारिश थमने से लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, बारिश के बाद जगह-जगह पहाड़ियों से मलबा और बोल्डर गिरने के कारण कई सड़क

मार्ग बंद हो गए। राहत की बात यह रही कि बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात सुचारू रहा और श्रद्धालुओं की यात्रा निर्बाध रूप से जारी रही।

वहीं, नारायणबगड़ क्षेत्र के पास पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बड़े पत्थर सड़क पर आने के कारण ग्वालदम हाईवे बंद हो गया। मार्ग अवरुद्ध होने से स्थानीय लोगों और यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन और संबंधित विभागों की टीमें मौके पर पहुंचकर सड़क से मलबा हटाने के प्रयास में जुटी हुई हैं।

इसके अलावा कालसी-चकराता मार्ग भी भूस्खलन के कारण प्रभावित हुआ है। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश से कई ग्रामीण संपर्क मार्गों पर भी असर पड़ा है। प्रदेश में करीब 28 ग्रामीण सड़कें बंद होने की सूचना है। इन मार्गों के बंद होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन, जरूरी सेवाओं और स्थानीय गतिविधियों पर प्रभाव पड़ा है। देहरादून जिले के कई इलाकों में भी बारिश का असर देखने को मिला है।

प्रशासन ने सड़क खोलने का अभियान किया तेज

मौसम विभाग ने उत्तराखंड के कई हिस्सों में बारिश को लेकर सतर्कता बरतने की अपील की है। प्रशासन ने नदी-नालों के आसपास रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। आपदा प्रबंधन विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीमें लगातार प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी कर रही हैं। उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्य में मानसून के दौरान भूस्खलन और सड़क बंद होने की घटनाएं आम हैं। पहाड़ों की कमजोर मिट्टी और लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में यात्रियों को मौसम और सड़क की स्थिति की जानकारी लेने के बाद ही यात्रा करने की सलाह दी जाती है। फिलहाल प्रशासन की प्राथमिकता बंद मार्गों को जल्द से जल्द खोलना और प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक सुविधाएं पहुंचाना है। बारिश से पैदा हुई चुनौतियों के बावजूद राहत टीमें लगातार काम कर रही हैं।

शहीद सैनिक परिवारों को मिलेगी एक लाख सहायता की सिफारिश

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पूर्व सैनिकों, सेवारत सैन्य कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याण को लेकर चंडीगढ़ प्रशासन ने कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव तैयार किए हैं। जिला सैनिक बोर्ड (जेडएसबी) की बैठक में सैनिकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और कई नई कल्याणकारी योजनाओं की सिफारिश प्रशासन को भेजी गई है।

जिला सैनिक बोर्ड के अध्यक्ष एवं उपायुक्त निशांत कुमार यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले सैनिकों के परिवारों को आर्थिक सहायता देने का प्रस्ताव रखा गया। बैठक में ऐसे शहीद सैनिकों के परिजनों को एक लाख रुपये की सहायता राशि देने की सिफारिश की गई है। इसका उद्देश्य कठिन समय में परिवारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करना है। बैठक में पूर्व अग्निवीरों के लिए भी अहम निर्णय लिया गया। प्रशासन की ओर से सीधी भर्ती में पूर्व अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण देने को मंजूरी दी गई है।

इससे सैन्य सेवा पूरी कर चुके युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इसके अलावा वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले सैनिकों के सम्मान और सुविधाओं को बढ़ाने पर भी विचार किया गया। बैठक में वीरता पुरस्कार विजेताओं को मिलने वाले नकद भत्ते में वृद्धि करने का प्रस्ताव रखा गया है।

प्रशासन का उद्देश्य देश की सेवा करने वाले सैनिकों और उनके परिवारों को अधिक से अधिक सहायता उपलब्ध कराना है। उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने बताया कि बैठक में पूर्व सैनिकों, वर्तमान सैन्य कर्मियों और उनके परिजनों से जुड़े कई मामलों की समीक्षा की गई।

सरकार के आश्वासन के बाद पीआरटीसी-पनबस कर्मचारियों ने स्थगित किया प्रदर्शन

हड़ताल खत्म करने पर यूनियन की स्टेट बॉडी करेगी अंतिम निर्णय, कर्मचारियों ने कहा- तय समय में मांगें पूरी नहीं हुईं तो आगे की रणनीति तय करेंगे

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

पंजाब में पीआरटीसी और पनबस कर्मचारियों द्वारा मुख्यमंत्री आवास की ओर निकाला जाने वाला प्रस्तावित रोष मार्च फिलहाल टाल दिया गया है। कर्मचारियों ने सरकार के साथ हुई बातचीत में लंबित मांगों पर सकारात्मक आश्वासन मिलने के बाद यह फैसला लिया। हालांकि, सरकारी बस सेवा दूसरे दिन भी प्रभावित रही और हड़ताल खत्म करने का अंतिम निर्णय यूनियन की स्टेट बॉडी की बैठक के बाद लिया जाएगा।

यूनियन प्रधान कुलवंत सिंह ने बताया कि कर्मचारियों की मांगों को लेकर सरकार के साथ बातचीत हुई है। बैठक में सरकार की ओर से मांगों के समाधान के लिए सकारात्मक रुख अपनाया गया है। इसके बाद मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने का कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं के स्थायी समाधान को लेकर सरकार से आगे भी बातचीत जारी रहेगी। पीआरटीसी और पनबस कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में कच्चे कर्मचारियों को नियमित करना, नौकरी की सुरक्षा, वेतन संबंधी मुद्दों का समाधान और कर्मचारियों की अन्य लंबित मांगों को पूरा करना शामिल है।

कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से वे अपनी मांगों को लेकर सरकार से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन उचित समाधान नहीं मिलने के कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। यूनियन नेताओं ने कहा कि सरकार की ओर से मिले आश्वासन के बाद फिलहाल मुख्यमंत्री आवास की तरफ जाने वाला रोष मार्च रोक दिया गया है। हालांकि, हड़ताल वापस लेने का अंतिम फैसला यूनियन की स्टेट बॉडी की बैठक में लिया जाएगा। यदि तय समय सीमा के भीतर कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं हुआ तो यूनियन आगे की रणनीति तय करेगी। प्रांतीय नेता भगत सिंह ने बताया कि सरकार के साथ बातचीत के बाद स्थिति पर चर्चा की जा रही है।

बैठक में सभी पहलुओं पर विचार किया जाएगा और उसके बाद ही आंदोलन को लेकर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे हैं और चाहते हैं कि सरकार जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए। इससे पहले पीआरटीसी और पनबस कर्मचारियों की हड़ताल के कारण प्रदेश में सरकारी बस सेवाएं प्रभावित हुईं।

यात्रियों को कई स्थानों पर परेशानी का सामना करना पड़ा। बस स्टैंडों पर यात्रियों की भीड़ देखने को मिली और निजी वाहनों पर निर्भरता बढ़ी। कर्मचारी नेताओं का कहना है कि वे सरकार के साथ टकराव नहीं चाहते, बल्कि बातचीत के माध्यम से समस्याओं का समाधान चाहते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार जल्द ही उनकी मांगों पर सकारात्मक फैसला लेगी।

वहीं, सरकार की ओर से मिले आश्वासन के बाद अब सभी की निगाहें यूनियन की स्टेट बॉडी की बैठक पर टिकी हैं। बैठक में यह तय किया जाएगा कि हड़ताल को पूरी तरह समाप्त किया जाए या मांगों के समाधान तक आंदोलन जारी रखा जाए।

कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में दोबारा आंदोलन किया जा सकता है। बैठक में कर्मचारियों ने सरकार से मिले आश्वासन और आगे की कार्रवाई को लेकर विस्तार से चर्चा की। यूनियन नेताओं ने कहा कि कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने सभी कर्मचारियों से फिलहाल शांति बनाए रखने की अपील की है।

न्यूज ब्रीफ

पंजाब उद्योग भवन में ईडी रेड, दस्तावेज लेकर गई चंडीगढ़-दिल्ली टीम

भारतेन्दु संवाददाता,चंडीगढ़। पंजाब के सेक्टर-17 स्थित पंजाब स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (पीएसआईडीसी) के कार्यालय में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को छापेमारी की। कार्रवाई के लिए चंडीगढ़ और दिल्ली से पहुंची ईडी की टीमों ने कार्यालय में कई दस्तावेजों की जांच की और कुछ रिकॉर्ड अपने कब्जे में लिए। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़े मामले के संबंध में की गई है। हालांकि, ईडी की ओर से अभी तक छापेमारी के कारणों या जांच से जुड़ी आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। इस कार्रवाई के बाद राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने मामले को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान से जवाब देने की मांग की है।

पंचकूला में नौकरानी ने रिटायर्ड कैप्टन की पत्नी की हत्या, शव छत पर छिपाया

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला। हरियाणा के पंचकूला में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। सेक्टर-21 में रहने वाली रिटायर्ड कैप्टन की पत्नी की हत्या का आरोप उनकी घरेलू नौकरानी पर लगा है। आरोप है कि चोरी हुए गहनों के बारे में पूछताछ करने पर नौकरानी ने महिला की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, वारदात के बाद आरोपी ने अपने बेटे की मदद से शव को पड़ोसी के मकान की छत पर ले जाकर टाइलों के पीछे छिपा दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मामले में नौकरानी और उसके बेटे से पूछताछ की जा रही है। पुलिस हत्या के कारणों और अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

पंजाब में मानसून सक्रिय, चंडीगढ़-मोहाली समेत कई जिलों में तेज बारिश का दौर जारी

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। पंजाब में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। मंगलवार को मोहाली, चंडीगढ़, जालंधर, लुधियाना और पटियाला समेत कई जिलों में बारिश दर्ज की गई। वहीं पठानकोट और फरीदकोट में सुबह से बादल छाए रहे। बारिश के चलते प्रदेश के तापमान में करीब 1.1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने पंजाब के 10 जिलों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। लगातार बारिश के बावजूद प्रदेश के प्रमुख बांधों की स्थिति नियंत्रण में बनी हुई है और जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी कई क्षेत्रों में बारिश की संभावना जताई है।

मोहाली व्यापारियों की समस्याओं पर प्रशासन सख्त, समाधान के निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। जिले के व्यापारियों की लंबित समस्याओं के समाधान को लेकर जिला प्रशासन ने समीक्षा बैठक आयोजित की। उपायुक्त कोमल मित्तल ने अधिकारियों को सभी मामलों का तय समय सीमा के भीतर निपटारा करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला ट्रेडर्स कमीशन के अध्यक्ष रणजीत पाल सिंह के साथ व्यापारियों से जुड़ी शिकायतों पर चर्चा की गई। बैठक में सामने आया कि अधिकतर शिकायतें पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) और स्थानीय निकाय विभाग से संबंधित हैं। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान करने को कहा। प्रशासन ने बाजार क्षेत्रों में सार्वजनिक शौचालयों, पार्किंग व्यवस्था और स्ट्रीट लाइटों के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग, जलापूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड, मंडी बोर्ड और नगर निगम को लंबित मामलों के शीघ्र समाधान के आदेश दिए। व्यापारियों ने भी शिकायतों के त्वरित निपटारे की मांग रखी।

डेराबस्सी क्षेत्र को सौगात, लालड़ू सीएचसी में अब मिलेगी चौबीस घंटे आपात सुविधा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत देते हुए लालड़ू स्थित कम्युनिटी हेल्थ सेंटर (सीएचसी) में 24 घंटे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं शुरू कर दी हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने मंगलवार को विधानसभा में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1 अगस्त 2026 से सीएचसी लालड़ू में चौबीसों घंटे इमरजेंसी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

विधानसभा में प्रश्न संख्या 1886 के माध्यम से विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने सरकार से पूछा था कि क्या लालड़ू सीएचसी में 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं शुरू करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है और इसे कब तक लागू किया जाएगा। इसके जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि सरकार ने इस दिशा में कदम उठाते हुए इमरजेंसी सेवाएं शुरू कर दी हैं।

सीएचसी लालड़ू में 24 घंटे आपातकालीन सुविधा शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को अब गंभीर स्वास्थ्य परिस्थितियों में बेहतर और समय पर उपचार मिल सकेगा। इससे दुर्घटना, अचानक बीमारी या अन्य आपात स्थितियों में मरीजों को दूर स्थित अस्पतालों का रुख करने की परेशानी कम होगी। स्थानीय लोगों की लंबे समय से मांग थी कि लालड़ू स्वास्थ्य केंद्र में चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए, ताकि रात के समय भी मरीजों को तुरंत इलाज मिल सके। सरकार के इस फैसले से डेराबस्सी क्षेत्र के हजारों लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, आपातकालीन सेवाओं को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इसमें चिकित्सकीय स्टाफ की उपलब्धता, मरीजों की जांच और तत्काल उपचार जैसी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

25 साल पुराने हत्या केस में हाई कोर्ट ने सबूतों के अभाव में दोषी को किया बरी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हत्या के एक 25 साल पुराने मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए आजीवन कारावास की सजा काट रहे दोषी को बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति को केवल संदेह के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता। शक कितना भी मजबूत क्यों न हो, वह ठोस सबूत का विकल्प नहीं बन सकता।

हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए पाया कि अभियोजन पक्ष आरोपित के खिलाफ अपराध को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा है। अदालत ने कहा कि परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की पूरी कड़ी स्थापित नहीं हो सकी और यह स्पष्ट नहीं किया जा सका कि हत्या की वारदात केवल आरोपित ने ही की थी। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि आपराधिक मामलों में दोष सिद्ध करने के लिए ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य आवश्यक होते हैं। केवल परिस्थितियों या संदेह के आधार पर किसी व्यक्ति को लंबे समय तक कारावास में नहीं रखा जा सकता।

ऐसे मामलों में आरोपित को संदेह का लाभ मिलना न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप है। मामले में आरोपित को हत्या के आरोप में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद उसने हाई कोर्ट में अपील दायर कर निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि अभियोजन के पास आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त प्रमाण नहीं हैं और केवल अनुमान के आधार पर सजा सुनाई गई है।

हाई कोर्ट ने सभी तथ्यों और रिकॉर्ड का अवलोकन करने के बाद पाया कि अभियोजन पक्ष अपराध की पुष्टि करने वाले जरूरी साक्ष्य पेश नहीं कर पाया। इसके बाद अदालत ने दोषसिद्धि को रद्द करते हुए आरोपित को बरी करने का आदेश दिया।

विधायक के सवाल पर सरकार का जवाब, नीड बेस्ड पॉलिसी के लिए बनी समिति

मोहाली में नीड बेस्ड पॉलिसी पर समिति गठित, सिफारिशों के बाद होगा फैसला

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

मोहाली में नीड बेस्ड पॉलिसी को लेकर पंजाब सरकार ने कदम आगे बढ़ाते हुए एक समिति का गठन किया है। यह समिति अपनी सिफारिशें सरकार को सौंपेगी, जिसके बाद इस संबंध में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। पंजाब के आवास निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने विधानसभा में विधायक कुलवंत सिंह द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में यह जानकारी दी।

मंत्री ने बताया कि नीड बेस्ड पॉलिसी के संबंध में विचार करने के लिए ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) के मुख्य कार्यालय, कानूनी शाखा, प्लानिंग विंग और इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों को शामिल करते हुए एक समिति बनाई गई है। समिति सभी पहलुओं का अध्ययन करने के बाद अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी। इसके आधार पर सक्षम स्तर पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने विधानसभा में स्पष्ट किया कि फिलहाल गमाडा के अधीन एसएएस नगर (मोहाली) के फेज-1 से 11 और सेक्टर-66 से 73 में आवंटित कमर्शियल बूथों पर अतिरिक्त मंजिल के निर्माण की अनुमति देने संबंधी कोई नीति सरकार के विचाराधीन नहीं है। सरकार ने अभी इस मामले में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। विधायक कुलवंत सिंह ने विधानसभा में सवाल उठाते हुए पूछा था कि क्या मोहाली में नीड बेस्ड पॉलिसी लागू करने और कमर्शियल बूथों पर अतिरिक्त निर्माण की अनुमति देने को लेकर सरकार कोई योजना बना रही है। इस पर मंत्री ने जवाब देते हुए बताया कि सरकार मामले को गंभीरता से देख रही है और सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों की समिति गठित की गई है। मंत्री ने यह भी बताया कि गमाडा क्षेत्र में स्थित बूथों पर स्टोरेज की सुविधा के लिए मेजेनाइन फ्लोर के प्रावधान पर भी विचार किया जा रहा है।

इसके लिए नियमों और तकनीकी पहलुओं की जांच की जा रही है। मोहाली के व्यापारियों और बूथ मालिकों की ओर से लंबे समय से नीड बेस्ड पॉलिसी की मांग उठाई जाती रही है। उनका कहना है कि समय के साथ उनकी जरूरतें बढ़ी हैं और वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार नियमों में बदलाव किया जाना चाहिए। व्यापारियों का मानना है कि अतिरिक्त सुविधाओं की अनुमति मिलने से कारोबार को बढ़ावा मिलेगा और शहर के बाजारों का बेहतर उपयोग हो सकेगा। वहीं, अधिकारियों का कहना है कि किसी भी नई नीति को लागू करने से पहले सुरक्षा, भवन नियमों, यातायात व्यवस्था और शहरी नियोजन जैसे सभी पहलुओं को ध्यान में रखना जरूरी है।

पढ़े-लिखे युवाओं को रोजगार का इंतजार, लोकसभा में आंकड़े पेश

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में युवाओं की बेरोजगारी दर में पिछले कुछ वर्षों के दौरान कमी दर्ज की गई है, लेकिन राज्य अभी भी राष्ट्रीय औसत से काफी पीछे है। केंद्र सरकार की ओर से लोकसभा में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, पंजाब में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की बेरोजगारी दर वर्ष 2022 में 19.1 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2025 में घटकर 17 प्रतिशत रह गई है।

हालांकि, यह दर देश की औसत युवा बेरोजगारी दर 9.9 प्रतिशत से काफी अधिक है। आंकड़ों से स्पष्ट है कि पंजाब में रोजगार के अवसरों की कमी अब भी युवाओं के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। खासतौर पर पढ़े-लिखे युवाओं के बीच बेरोजगारी की स्थिति को लेकर चिंता जताई गई है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने बठिंडा से सांसद हरसिमरत कौर बादल के सवाल के जवाब में लोकसभा में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार रोजगार के अवसर बढ़ाने और युवाओं को कौशल आधारित

◆ डिग्रीधारी युवा तलाश रहे रोजगार, अवसरों की कमी बनी समस्या

प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, पंजाब में उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन उनके अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। सरकारी नौकरियों में सीमित अवसर और निजी क्षेत्र में पर्याप्त विस्तार न होने के कारण युवा रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

वहीं, केंद्र सरकार का कहना है कि कौशल विकास, स्वरोजगार और उद्योगों को बढ़ावा देने के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। आने वाले समय में पंजाब में रोजगार सृजन सरकार के लिए बड़ी प्राथमिकता रहने वाली है। सरकार का कहना है कि नई नीतियों और रोजगार योजनाओं के माध्यम से युवाओं को अधिक अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

निजी स्कूल फीस नियमों को हाई कोर्ट में चुनौती, पंजाब सरकार से मांगा जवाब

फीस वृद्धि सीमा घटाने के फैसले पर स्कूल एसोसिएशनों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब सरकार द्वारा निजी स्कूलों की वार्षिक फीस वृद्धि की सीमा को 8 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने के लिए जारी किए गए अध्यादेश को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। इस मामले में मंगलवार को सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत ने सरकार से अध्यादेश जारी करने की आवश्यकता और इसके कानूनी आधार को लेकर भी जानकारी मांगी है।

यह याचिका फेडरेशन ऑफ प्राइवेट स्कूल्स एंड एसोसिएशन ऑफ पंजाब, रिकॉग्नाइज्ड एफिलिएटेड स्कूल्स एसोसिएशन, इंडिपेंडेंट स्कूल्स एसोसिएशन और प्राइवेट अनएडिड स्कूल्स एसोसिएशन की ओर से दायर की गई है। याचिकाकर्ताओं ने पंजाब सरकार के इस फैसले को चुनौती देते हुए कहा है कि अध्यादेश लागू करने से पहले संबंधित कानूनी प्रावधानों और प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया।

याचिकाकर्ता संगठनों की ओर से अदालत में दलील दी गई कि सरकार द्वारा जारी किया गया अध्यादेश वर्ष 2016 और 2019 में बनाए गए संबंधित कानूनों के प्रावधानों के विपरीत है। स्कूल एसोसिएशनों का कहना है कि सरकार द्वारा निजी स्कूलों से शैक्षणिक सत्र 2023-24 से लेकर अब तक की फीस और अन्य रिकॉर्ड की जानकारी मांगना उचित नहीं है।

स्कूल संगठनों ने अदालत से मांग की है कि सरकार के इस अध्यादेश को रद्द किया जाए। उनका तर्क है कि फीस निर्धारण और स्कूल संचालन से जुड़े मामलों में अचानक बदलाव करने से निजी स्कूलों के कामकाज पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि फीस वृद्धि की सीमा तय करने से पहले सभी पक्षों से चर्चा की जानी चाहिए थी।

सुनवाई के दौरान पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार से जवाब दाखिल करने को कहा है। सरकार की ओर से अदालत को आश्वासन दिया गया कि फीस वापसी या अन्य संबंधित कार्रवाई को लेकर अगले आदेश तक कोई कठोर कदम नहीं उठाया जाएगा।

गौरतलब है कि पंजाब सरकार ने निजी स्कूलों की फीस वृद्धि पर नियंत्रण लगाने के उद्देश्य से वार्षिक फीस बढ़ाने की सीमा को 8 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने का फैसला लिया था।

स्कूल फीस नीति पर विवाद

सरकार का कहना है कि फीस वृद्धि की सीमा कम करने का उद्देश्य अभिभावकों को राहत देना और निजी स्कूलों की फीस व्यवस्था में पारदर्शिता लाना है। सरकार के अनुसार, कई अभिभावकों की शिकायतों के बाद यह कदम उठाया गया है, ताकि शिक्षा के क्षेत्र में आर्थिक संतुलन बनाए रखा जा सके। वहीं, निजी स्कूल संगठनों का तर्क है कि फीस वृद्धि की सीमा तय करने से पहले स्कूलों की वास्तविक जरूरतों और खर्चों का आकलन किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि कर्मचारियों के वेतन, रखरखाव, सुविधाओं और अन्य खर्चों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, ऐसे में अचानक फीस वृद्धि की सीमा कम करना व्यावहारिक नहीं है। अब हाई कोर्ट में पंजाब सरकार के जवाब के बाद ही इस मामले की आगे की दिशा तय होगी। अदालत के फैसले पर निजी स्कूलों और अभिभावकों दोनों की नजरें टिकी हुई हैं। अदालत में होने वाली अगली सुनवाई में सरकार और स्कूल संगठनों की दलीलों के आधार पर स्थिति स्पष्ट होगी। यदि अध्यादेश को मंजूरी मिलती है तो फीस व्यवस्था में नया बदलाव लागू होगा, वहीं राहत नहीं मिलने पर स्कूल संगठन आगे कानूनी कदम उठा सकते हैं।

जीरकपुर में युवती ने युवक पर निकाह और जबरन धर्म परिवर्तन के लगाए गंभीर आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर (मोहाली)

पंजाब के जीरकपुर क्षेत्र में एक युवती ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने, जबरन निकाह और धर्म परिवर्तन कराने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने इस मामले में मोहाली के एसएसपी को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं, मामले में जीरकपुर महिला थाना पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं।

पीड़िता मूल रूप से बिहार की रहने वाली है और पिछले कई वर्षों से जीरकपुर के ढकोली क्षेत्र में रहकर मजदूरी करती थी। युवती के अनुसार, इसी दौरान उसकी मुलाकात बिहार के अररिया जिले के रहने वाले एक युवक से हुई, जो जीरकपुर में निर्माण कार्य से जुड़ा हुआ था। युवती ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि युवक ने पहले शादी का भरोसा दिलाकर उससे नजदीकियां बढ़ाईं। इसके बाद करीब पांच वर्षों तक विवाह का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए गए। पीड़िता का कहना है कि जब भी वह शादी के लिए दबाव बनाती थी तो युवक किसी न किसी बहाने से बात टाल देता था। आरोप है कि बाद में युवक ने निकाह कर लिया और उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया गया। युवती ने शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना के भी आरोप लगाए हैं। पीड़िता का कहना है कि उसने न्याय की मांग को लेकर पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया, लेकिन उसे उचित कार्रवाई नहीं मिली।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले में पुलिस की भूमिका को लेकर भी शिकायतकर्ता ने सवाल उठाए हैं। युवती का आरोप है कि उस पर समझौता करने का दबाव बनाया गया। हालांकि पुलिस की ओर से इस संबंध में आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है। फिलहाल पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों, संबंधित दस्तावेजों और अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

अधिकारियों ने कहा है कि जांच पूरी होने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में सभी पक्षों के बयान दर्ज किए जाएंगे और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जाएगी। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो नियमानुसार कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

विधानसभा में एथेनॉल और ई-20 पेट्रोल पर सरकार-विपक्ष आमने-सामने

कैबिनेट मंत्री ने ई-20 पेट्रोल से वाहनों पर पड़ने वाले असर को लेकर जताई चिंता

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन एथेनॉल और ई-20 पेट्रोल को लेकर सदन में जमकर बहस हुई। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने ई-20 पेट्रोल से संबंधित प्रस्ताव सदन में पेश किया और इसके पक्ष में सरकार का पक्ष रखा। वहीं विपक्ष ने इस मुद्दे पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार की नीतियों और इसके प्रभावों को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कीं।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने सदन में कहा कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर सरकार की नीतियों पर गंभीर चर्चा की जरूरत है। उन्होंने ई-20 पेट्रोल के फायदे गिनाते हुए केंद्र सरकार की नीतियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव के लिए बनाई जा रही योजनाओं का असर किसानों, वाहन चालकों और आम जनता पर भी पड़ता है, इसलिए सभी पहलुओं पर विचार किया जाना चाहिए। बहस के दौरान वित्त मंत्री ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि एथेनॉल उत्पादन से जुड़े लोग भी सदन में मौजूद हैं। इस टिप्पणी के बाद कांग्रेस विधायक राणा गुरजीत सिंह ने जवाब देते हुए कहा कि वह कर्मयोगी हैं, लुटेरा नहीं। इस बयान के बाद सदन में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का माहौल बन गया।

वहीं कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह ने ई-20 पेट्रोल को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कीं। उन्होंने कहा कि ई-20 पेट्रोल लागू होने से देश के करोड़ों वाहन प्रभावित हो सकते हैं। उनके अनुसार, इसमें करीब 30 करोड़ वाहन शामिल हैं, जिनमें 22 करोड़ दोपहिया और आठ करोड़ कारें हैं। उन्होंने दावा किया कि इस नीति से वाहन मालिकों पर अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। तरुणप्रीत सिंह ने केंद्र सरकार की एथेनॉल नीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि एथेनॉल आयात को लेकर केंद्र सरकार की योजनाओं से देश के हित प्रभावित हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों, उद्योगों और आम उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए नीतियां बनानी चाहिए। विधानसभा में इस दौरान एथेनॉल उत्पादन, पेट्रोल में मिश्रण की सीमा और इसके आर्थिक प्रभावों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। सत्ता पक्ष ने जहां इसे ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव और वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने वाला कदम बताया, वहीं विपक्ष ने इसके संभावित नुकसान को लेकर सरकार से जवाब मांगा।

सदन में जनहित से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई। सरकार की ओर से पंजाब कॉमन इंफ्रास्ट्रक्चर संशोधन विधेयक 2026 पेश किए जाने की तैयारी है। मानसून सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार लंबे समय से पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण बढ़ाने की नीति पर काम कर रही है। इसका उद्देश्य पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम करना और वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देना बताया जा रहा है। हालांकि, इस नीति को लेकर अलग-अलग वर्गों में मतभेद भी सामने आते रहे हैं।पंजाब विधानसभा में हुई बहस के बाद अब इस मुद्दे पर आगे की रणनीति और सरकार के रुख पर नजर रहेगी। एथेनॉल और ई-20 पेट्रोल को लेकर राजनीतिक बहस आने वाले दिनों में भी जारी रहने के संकेत हैं।

इसके अलावा सदन में ई 20 पेट्रोल को लेकर केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर आगे भी चर्चा जारी रहने की संभावना है। विपक्ष ने जहां उपभोक्ताओं और किसानों पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को लेकर सवाल उठाए, वहीं सरकार ने इसे ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उठाया गया कदम बताया। विशेषज्ञों का मानना है कि एथेनॉल मिश्रित ईंधन को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी बदलाव और जनजागरूकता दोनों जरूरी हैं। विधानसभा में हुई इस बहस के बाद अब सभी की नजरें सरकार के अगले कदम और इस प्रस्ताव पर होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं।

बदमाशों की सूचना पर अमृतसर पुलिस अलर्ट, चप्पे-चप्पे पर फोर्स तैनात

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। अमृतसर देहात पुलिस ने मंगलवार को बदमाशों की सूचना मिलने के बाद शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। पुलिस ने अचानक रेड अलर्ट जारी करते हुए शहर के 14 प्रमुख स्थानों पर गहन नाकाबंदी कर दी। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया और आने-जाने वाले वाहनों की जांच की गई। जानकारी के अनुसार, पुलिस अधिकारियों को इनपुट मिला था कि कुछ संदिग्ध बदमाश इलाके से गुजर सकते हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए विभिन्न स्थानों पर नाके लगा दिए। पुलिस की सक्रियता के चलते संदिग्ध बदमाश या तो छिप गए या फिर किसी अन्य रास्ते से निकल गए। पुलिस ने शहर के प्रमुख प्रवेश और निकास मार्गों पर विशेष निगरानी रखी। नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध वाहनों और लोगों की जांच की गई। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए अलग-अलग टीमों को जिम्मेदारी सौंपी। हालांकि, पुलिस की ओर से बदमाशों की संख्या, पहचान या उनके खिलाफ मिली सूचना के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। अधिकारियों ने केवल इतना बताया कि शहर में सुरक्षा के मद्देनजर रेड अलर्ट जारी किया गया था और एहतियात के तौर पर नाकाबंदी की गई।

पुलिस का कहना है कि अपराधियों पर नजर रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए समय-समय पर ऐसे अभियान चलाए जाते हैं। अमृतसर देहात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। फिलहाल शहर में पुलिस की तैनाती जारी है और पूरे मामले पर नजर रखी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी और जरूरत पड़ने पर आगे भी विशेष अभियान चलाए जाएंगे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार गश्त बढ़ाई गई है। सभी थाना क्षेत्रों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस टीमों को संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई करने को कहा गया है।

अधिकारियों के अनुसार, नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने कई वाहनों की जांच की और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ भी की। हालांकि, इस दौरान किसी बड़ी बरामदगी या गिरफ्तारी की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस का कहना है कि सुरक्षा कारणों को देखते हुए अभियान को आगे भी जारी रखा जा सकता है। अमृतसर देहात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन या हेल्पलाइन पर दें।

लुधियाना स्टेशन पर रेलवे का सरप्राइज चेकिंग अभियान, 100 बिना टिकट यात्री पकड़े गए

रेलवे ने यात्रियों से वैध टिकट लेकर यात्रा करने और नियमों का पालन करने की अपील की

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मंडल की ओर से लुधियाना रेलवे स्टेशन पर बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया गया। 'सरप्राइज टिकट चेकिंग' अभियान के तहत रेलवे टीम ने अचानक स्टेशन परिसर और ट्रेनों में टिकटों की जांच की। इस दौरान 100 से अधिक यात्री बिना वैध टिकट के यात्रा करते पाए गए।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान पकड़े गए यात्रियों से नियमों के तहत करीब 95 हजार रुपये का रेल राजस्व वसूला गया। साथ ही यात्रियों को भविष्य में बिना टिकट यात्रा नहीं करने और हमेशा वैध टिकट लेकर सफर करने के लिए जागरूक किया गया। इस विशेष अभियान में रेलवे के 10 टिकट चेकिंग कर्मचारियों के साथ रेलवे सुरक्षा बल के जवान भी शामिल रहे। संयुक्त टीम ने स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों की जांच की और अनियमित यात्रा करने वालों पर कार्रवाई की। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बिना टिकट यात्रा पर रोक लगाना और यात्रियों को जिम्मेदार तरीके से सफर करने के लिए प्रेरित करना है।

रेलवे समय-समय पर ऐसे अभियान चलाकर यात्रियों को नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करता रहता है। अधिकारियों का कहना है कि बिना टिकट यात्रा से रेलवे को आर्थिक नुकसान होता है और यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए यात्रियों को हमेशा उचित टिकट लेकर ही यात्रा करनी चाहिए।

रेलवे की ओर से यात्रियों से अपील की गई है कि वे सफर से पहले टिकट अवश्य लें और किसी भी तरह की अनियमित यात्रा से बचें। अधिकारियों ने संकेत दिए कि भविष्य में भी ऐसे अचानक टिकट जांच अभियान जारी रहेंगे, ताकि रेलवे व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके और यात्रियों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराई जा सके।

पंजाब एसआईआर में 20.66 लाख वोटर होंगे सूची से बाहर

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में आगामी चुनावों को देखते हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का पहला चरण पूरा हो गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिंदिता मित्रा ने मंगलवार को बताया कि राज्य में मतदाता सत्यापन के दौरान कई अहम तथ्य सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कुल 2.61 करोड़ इन्यूमरेशन फॉर्म वितरित किए गए थे, जिनमें से 2.41 करोड़ फॉर्म वापस प्राप्त हुए हैं। करीब 20.66 लाख फॉर्म वापस नहीं आए हैं, ऐसे मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। जांच के दौरान 4.12 लाख मतदाताओं का पता नहीं चल सका है, जबकि 5.74 लाख मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है।

इसके अलावा 1.19 लाख मतदाता ऐसे मिले हैं, जिनके नाम दो जगह दर्ज हैं। वहीं 9.44 लाख लोग पंजाब से स्थायी रूप से दूसरे स्थानों पर जा चुके हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि करीब 12 लाख मतदाताओं की वोट मैपिंग नहीं हो पाई है। हालांकि, उनके नाम अभी मतदाता सूची में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मतदाताओं को घबराने की जरूरत नहीं है।

बारिश के बाद बठिंडा में सफाई चुनौती, निगम ने शुरू किया अभियान

11 दिनों की हड़ताल से प्रभावित सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए निगम ने अभियान तेज करने की योजना बनाई

भारतेंदु संवाददाता, बठिंडा। बठिंडा में पिछले 11 दिनों से चल रही सफाई कर्मचारियों और सीवरेज वर्करों की हड़ताल मंगलवार को समाप्त हो गई। कर्मचारियों के काम पर लौटने से शहरवासियों ने राहत की उम्मीद जताई है। हालांकि हड़ताल के कारण प्रभावित हुई सफाई व्यवस्था और सोमवार देर शाम हुई बारिश ने नगर निगम के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है।

शहर के कई इलाकों में जमा कूड़ा बारिश के पानी के साथ सड़कों, गलियों और सीवरेज लाइनों तक पहुंच गया, जिससे गंदगी और जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। पंजाब सरकार की ओर से कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिए जाने के बाद प्रदेशभर में हड़ताल समाप्त करने का निर्णय लिया गया। बठिंडा में मेयर पदमजीत मेहता धरनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने कर्मचारियों को सरकार की ओर से मिले भरोसे की जानकारी दी। इसके बाद कर्मचारियों ने आंदोलन समाप्त कर काम पर लौटने का फैसला किया।

कर्मचारियों की वापसी से राहत, बारिश ने बढ़ाई बठिंडा की मुश्किलें

हड़ताल के दौरान शहर में सफाई कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा। कई दिनों तक कूड़ा नहीं उठने के कारण बाजारों, रिहायशी क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थानों पर कचरे के ढेर लग गए थे। बारिश के बाद स्थिति और खराब हो गई, क्योंकि जमा कूड़ा पानी के बहाव के साथ नालियों और सीवरेज लाइनों में पहुंच गया।

इससे कई क्षेत्रों में जल निकासी की समस्या भी सामने आई। नगर निगम के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती शहर की सफाई व्यवस्था को जल्द सामान्य करना है। अधिकारियों को जमा कूड़े को हटाने, सीवरेज लाइनों की सफाई और जलभराव वाले क्षेत्रों में राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। निगम की टीमें प्रभावित इलाकों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा ले रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हड़ताल खत्म होने से राहत मिली है, लेकिन कई इलाकों में अभी भी गंदगी और पानी जमा होने की समस्या बनी हुई है। लोगों ने प्रशासन से जल्द सफाई अभियान चलाने और भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए स्थायी समाधान करने की मांग की है।

अधिकारियों का कहना है कि कर्मचारियों के वापस काम पर आने के बाद सफाई कार्यों में तेजी लाई जाएगी। प्राथमिकता के आधार पर उन क्षेत्रों को साफ किया जाएगा जहां कूड़े और जलभराव की समस्या सबसे अधिक है। निगम प्रशासन ने लोगों से भी सहयोग की अपील की है। नगर निगम ने कहा कि सफाई अभियान तेज कर शहर की व्यवस्था जल्द सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कार पार्किंग विवाद बना हिंसा का कारण, पिता-पुत्र पर चली गोलियां

भारतेंदु संवाददाता, पटियाला। पटियाला के लीला भवन इलाके में मंगलवार को कार पार्किंग को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद के दौरान कुछ लोगों ने एक दुकानदार और उसके बेटे पर गोलियां चला दीं, जिसमें दोनों घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, लीला भवन क्षेत्र में पार्किंग को लेकर दुकानदार और कुछ लोगों के बीच कहासुनी हुई थी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने कथित तौर पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से दुकानदार और उसका बेटा घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत दोनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घायलों को राजिंद्रा अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है।

आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में दर्ज किया गया केस

जमीन कब्जे और मारपीट के आरोप में सरपंच सहित छह लोगों पर एफआईआर

भारतेंदु संवाददाता, बठिंडा। पंजाब के बठिंडा जिले के गांव मेहराज स्थित कोठे पिपली में जमीन विवाद को लेकर पुलिस ने आम आदमी पार्टी के मौजूदा सरपंच समेत छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि जमीन पर कथित कब्जा करने और विरोध करने पर एक नाबालिग के साथ मारपीट व छीनाझपटी की गई।

थाना सिटी रामपुरा पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मामले में कोठे पिपली के सरपंच लक्खा सिंह उर्फ लक्खा पिपली, पंच हरबंस सिंह, ममना सिंह, हरपिंदर सिंह, सतविंदर सिंह और ब्लॉक प्रधान गुरभजन सिंह को नामजद किया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि जमीन विवाद के दौरान आरोपितों ने उनके परिवार के साथ मारपीट की और जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की। शिकायत में कहा गया है कि घटना के दौरान एक नाबालिग के साथ भी मारपीट की गई, जिसके बाद उसे इलाज के लिए बठिंडा स्थित एम्स में भर्ती करवाया गया।

पीड़ित परिवार ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि नामजद आरोपितों में कुछ लोग राजनीतिक रूप से सक्रिय हैं। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी भी आरोपित की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की है।

कांग्रेस बैठक में गूंजे दो नेताओं के नारे, फाजिल्का में गुटबाजी आई सामने

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। पंजाब कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान एक बार फिर सामने आ गई है। फाजिल्का में आयोजित कांग्रेस के 'हर बूथ कांग्रेस मजबूत' अभियान के तहत कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और सांसद शेर सिंह घुबाया के समर्थक आमने-सामने नजर आए। सिटी गार्डन पैलेस में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उस समय माहौल गर्म हो गया, जब शेर सिंह घुबाया के समर्थकों ने अपने नेता के समर्थन में जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद चन्नी समर्थकों ने भी अपने नेता के पक्ष में नारे लगाने शुरू कर दिए। दोनों गुटों की नारेबाजी से कुछ समय के लिए कार्यक्रम स्थल पर तनाव का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने हस्तक्षेप कर कार्यकर्ताओं को शांत कराया।

अमृतसर पहुंचे रजत विजेता लवप्रीत ढोल-नगाड़ों से हुआ भव्य स्वागत

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन कर रजत पदक जीतने वाले अमृतसर के वेटलिफ्टर लवप्रीत सिंह का मंगलवार को गुरु नगरी पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर परिवार के सदस्यों, खेल प्रेमियों और समर्थकों ने फूल-मालाओं, ढोल नगाड़ों और जयघोष के साथ उनका अभिनंदन किया।

लवप्रीत सिंह की इस उपलब्धि से अमृतसर सहित पूरे पंजाब में खुशी का माहौल है। एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने भारत और पंजाब का नाम रोशन करने के लिए उन्हें बधाई दी। परिजनों ने भी बेटे की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि उनकी मेहनत और लगन का परिणाम आज पूरे देश के सामने है। राष्ट्रमंडल खेलों में यह लवप्रीत सिंह का लगातार दूसरा पदक है। इससे

पहले उन्होंने वर्ष 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था।

इस बार अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने रजत पदक हासिल कर देश को गौरवान्वित किया। लवप्रीत सिंह ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य एशियाई खेलों और ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, प्रशिक्षकों और समर्थकों के सहयोग को दिया। खेल प्रेमियों ने उम्मीद जताई कि लवप्रीत आने वाले अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भी शानदार प्रदर्शन कर देश के लिए और पदक जीतेंगे।

चंडीगढ़ निगम में करोड़ों के प्रस्तावों पर सत्तापक्ष का विरोध, धरने की चेतावनी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ नगर निगम की बैठक में करोड़ों रुपये के कई प्रस्तावों को बिना चर्चा के मंजूरी दिए जाने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। खास बात यह है कि इन प्रस्तावों के विरोध में विपक्ष नहीं, बल्कि सत्तापक्ष भाजपा के पार्षद ही सामने आए हैं। भाजपा पार्षदों ने टेबल एजेंडे के रूप में लाए गए प्रस्तावों को लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए इन्हें दोबारा सदन में लाने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, नगर निगम सदन की 31 जुलाई को हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण वित्तीय प्रस्ताव टेबल एजेंडे के रूप में रखे गए थे। पार्षदों का आरोप है कि इन प्रस्तावों पर न तो पर्याप्त चर्चा हुई और न ही सभी सदस्यों को इनके बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके बाद भाजपा पार्षदों ने इस प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए नगर निगम कमिश्नर से मुलाकात की। पार्षदों ने मांग की कि करोड़ों रुपये से जुड़े सभी प्रस्तावों को दोबारा निगम सदन की बैठक में पेश किया जाए और विस्तृत चर्चा के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाए। उनका कहना है कि बड़े वित्तीय फैसलों में पारदर्शिता और सभी पार्षदों की भागीदारी जरूरी है।

इस मामले में भाजपा पार्षदों ने चेतावनी दी है कि यदि इन प्रस्तावों की मंजूरी रद्द नहीं की गई तो वे नगर निगम सदन में धरना देंगे। इससे निगम की राजनीति गरमा गई है। वहीं, चंडीगढ़ के प्रशासक की ओर से भी इस मामले पर निगम कमिश्नर से जवाब मांगा गया है। प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। पार्षदों का कहना है कि टेबल एजेंडे के माध्यम से जल्दबाजी में प्रस्ताव पास करने की प्रक्रिया उचित नहीं है। उनका तर्क है कि जनता से जुड़े और करोड़ों रुपये के वित्तीय मामलों में खुली चर्चा होनी चाहिए, ताकि किसी भी तरह की अनियमितता की संभावना न रहे।

अब सभी की नजर नगर निगम की आगामी बैठक पर है, जहां इस मुद्दे को लेकर हंगामा होने की संभावना है। यदि प्रस्तावों पर दोबारा विचार नहीं किया गया तो सत्तापक्ष के पार्षदों का विरोध और तेज हो सकता है। आने वाली बैठक में प्रस्तावों को लेकर हंगामा होने के आसार जताए जा रहे हैं।

पर्दाफाश इलाज की अनुमति लेकर होटल पहुंचाया गया आरोपी, अधिकारियों की रेड में खुला मामला

661 करोड़ घोटाले के आरोपी की होटल में ऐश, पुलिसकर्मियों की मिलीभगत उजागर

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा और चंडीगढ़ में चर्चित 661 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के आरोपी विक्रम वधवा को इलाज के बहाने जेल से बाहर लाकर होटल में ठहराने और कथित तौर पर सुविधाएं देने का मामला सामने आया है। मामले का खुलासा होने के बाद चंडीगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एसआई, एएसआई समेत पांच पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी विक्रम वधवा को इलाज के लिए जेल से बाहर ले जाने की अनुमति ली गई थी। आरोप है कि पुलिसकर्मी उसे अस्पताल ले जाने के बजाय होटल लेकर पहुंचे, जहां उसे काफी समय तक ठहराया गया। इस दौरान आरोपी को विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने का मामला सामने आया है। मामले की जानकारी मिलने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए जांच शुरू की। अधिकारियों की टीम ने होटल में छापेमारी कर पूरे मामले का खुलासा किया।

जांच में पुलिसकर्मियों की भूमिका संदिग्ध पाए जाने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए कर्मचारियों में एसआई जगमेर, एएसआई सुरेंद्र सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल हैं। सभी पर ड्यूटी में लापरवाही बरतने और आरोपी को नियमों के विपरीत सुविधा उपलब्ध कराने के आरोप लगाए गए हैं। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

रेड के बाद खुलासा, हिरासत प्रबंधन पर उठे सवाल

विक्रम वधवा हरियाणा और चंडीगढ़ में सामने आए 661 करोड़ रुपये के कथित घोटाले मामले में आरोपी है। उसके खिलाफ पहले से ही जांच चल रही है। पुलिस और जांच एजेंसियां मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही हैं।

इस घटना के बाद पुलिस विभाग में भी हड़कंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और हिरासत में रखे गए आरोपियों की सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मामले की जांच में यह भी देखा जा रहा है कि आरोपी को होटल तक पहुंचाने में और कौन-कौन लोग शामिल थे। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इस पूरे घटनाक्रम में किसी अन्य व्यक्ति की भी भूमिका रही है। चंडीगढ़ पुलिस ने साफ किया है कि विभागीय नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि हिरासत में रखे गए लोगों को लेकर तय नियमों का पालन जरूरी है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।

ज्ञान, गणेश आराधना और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है बुधवार का पावन दिन

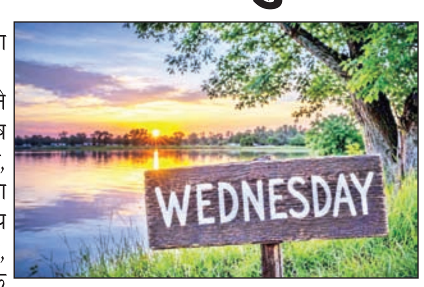

लोकेश चंदेल
स्वतंत्र लेखक

सप्ताह का प्रत्येक दिन अपने साथ एक विशेष महत्व लेकर आता है, लेकिन बुधवार का स्थान भारतीय संस्कृति, ज्योतिष, धर्म और दैनिक जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। हिंदू पंचांग के अनुसार यह दिन बुध ग्रह को समर्पित है, जिन्हें बुद्धि, वाणी, तर्क, व्यापार, शिक्षा और संचार का कारक माना जाता है। इसी कारण बुधवार को ज्ञान, विवेक, संवाद और शुभ कार्यों के लिए विशेष रूप से अनुकूल माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ व्यावहारिक जीवन में भी इस दिन का अपना अलग महत्व है, क्योंकि यह सप्ताह के मध्य में आने वाला दिन है, जो लोगों को अपने कार्यों की समीक्षा करने और आगे की योजनाओं को बेहतर ढंग से व्यवस्थित करने का अवसर देता है।

हिंदू धर्म में बुधवार को भगवान **गणेश** की पूजा का भी विशेष महत्व है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता, बुद्धि के देवता और शुभ कार्यों के आरंभ के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। ऐसी मान्यता है कि बुधवार के दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान गणेश की आराधना करने से जीवन की बाधाएँ दूर होती हैं तथा ज्ञान, सफलता और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। अनेक श्रद्धालु इस दिन व्रत रखते हैं, मंदिरों में दर्शन करते हैं और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बुध ग्रह व्यक्ति की बुद्धिमत्ता, निर्णय क्षमता, शिक्षा, वाणी, व्यापार और संचार कौशल को प्रभावित करता है। जिन लोगों की कुंडली में बुध ग्रह कमजोर होता है, वे बुधवार के दिन विशेष पूजा, दान या मंत्र जाप करते हैं। हालांकि इन मान्यताओं का पालन व्यक्तिगत आस्था का विषय है, लेकिन यह स्पष्ट है कि भारतीय परंपराओं में बुधवार को सकारात्मक ऊर्जा और शुभ कार्यों से जोड़ा गया है।

व्यापार और व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए भी बुधवार का विशेष महत्व माना जाता है। कई व्यापारी इस दिन नए सौदे, नए कार्यों की शुरुआत, खातों का शुभारंभ या महत्वपूर्ण व्यावसायिक निर्णय लेना शुभ मानते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर महानगरों तक अनेक स्थानों पर बुधवार को विशेष साप्ताहिक बाजार भी आयोजित किए जाते हैं, जहाँ स्थानीय उत्पादों की खरीद-बिक्री होती है। इससे छोटे व्यापारियों, किसानों और हस्तशिल्प से जुड़े लोगों को आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण अवसर मिलता है।

आधुनिक जीवन में बुधवार का महत्व केवल धार्मिक या पारंपरिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि कार्य प्रबंधन के संदर्भ में भी बढ़ गया है। सप्ताह के बीच में आने के कारण यह दिन कर्मचारियों, विद्यार्थियों और व्यवसायियों के लिए अपनी प्रगति का आकलन करने का अवसर होता है। कई संस्थान इस दिन साप्ताहिक समीक्षा बैठकें, परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा और आगामी कार्यों की योजना बनाते हैं। इससे कार्यों में गति और अनुशासन बना रहता है।

विद्यार्थियों के लिए बुधवार विशेष रूप से प्रेरणादायक हो सकता है। सप्ताह के मध्य तक वे अपनी पढ़ाई की समीक्षा कर सकते हैं, कमजोर विषयों पर ध्यान दे सकते हैं और शेष सप्ताह के लिए बेहतर लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं। इसी प्रकार नौकरीपेशा लोगों के लिए भी यह दिन अपने अधूरे कार्यों को पूरा करने, नई योजनाएँ बनाने और कार्यक्षमता बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।

समाज में सकारात्मक सोच, अनुशासन और समय प्रबंधन की आदत विकसित करने में भी बुधवार की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। यदि प्रत्येक सप्ताह इस दिन व्यक्ति अपने कार्यों, व्यवहार और लक्ष्यों का मूल्यांकन करे, तो वह जीवन में अधिक संतुलन और सफलता प्राप्त कर सकता है। यह दिन हमें यह भी सिखाता है कि निरंतर प्रयास, सही योजना और विवेकपूर्ण निर्णय किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बढ़ते नशे के कारोबार पर एसटीएफ की सख्ती, क्या सुरक्षित होगा युवाओं का भविष्य?

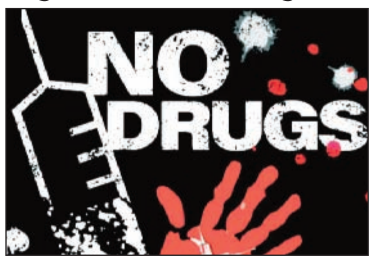

डॉ. दमन आहुजा
स्वतंत्र लेखक

देश में नशे की बढ़ती समस्या आज केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं रह गई है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और नैतिक संकट का रूप ले चुकी है। युवाओं का नशे की गिरफ्त में आना, संगठित तस्करी नेटवर्क का लगातार फैलना और गाँव से लेकर शहर तक इसकी पहुँच बढ़ना इस बात का संकेत है कि अब पारंपरिक पुलिस व्यवस्था के साथ-साथ विशेष रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) का गठन किया है। अब सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या यह विशेष बल वास्तव में नशा तस्करी के नेटवर्क को तोड़ने और युवाओं को इस गंभीर समस्या से बचाने में सफल हो पाएगा।

पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश में चिट्टा, अफीम, स्मैक, गांजा और नशीली दवाओं का अवैध कारोबार तेजी से बढ़ा है। इस अवैध व्यापार का सबसे बड़ा शिकार युवा वर्ग बन रहा है। नशे की लत न केवल उनके स्वास्थ्य और भविष्य को बर्बाद कर रही है, बल्कि परिवारों को भी आर्थिक, मानसिक और सामाजिक संकट में धकेल रही है। नशे की लत के कारण चोरी, लूट, हिंसा, घरेलू अपराध और अन्य आपराधिक घटनाओं में भी वृद्धि देखी जा रही है। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है।

प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसटीएफ का मुख्य उद्देश्य नशा तस्करी के संगठित नेटवर्क को ध्वस्त करना, बड़े तस्करों तक पहुँचना और नशीले पदार्थों की पूरी आपूर्ति श्रृंखला को समाप्त करना है। सरकार का दावा है कि इस विशेष बल को आधुनिक तकनीक, खुफिया तंत्र, डिजिटल निगरानी और विशेष अधिकारों से सुसज्जित किया जाएगा, ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों, अंतरराज्यीय मार्गों तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सक्रिय तस्करी गिरोहों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके। यदि यह व्यवस्था पूरी क्षमता के साथ लागू होती है, तो नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने में निश्चित रूप से मदद मिल सकती है।

हालाँकि किसी भी विशेष अभियान की सफलता केवल नई एजेंसी के गठन से सुनिश्चित नहीं होती। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि एसटीएफ को कितनी स्वतंत्रता, संसाधन और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। यदि इस बल पर किसी प्रकार का राजनीतिक या बाहरी दबाव नहीं होगा और इसे निष्पक्ष रूप से कार्य करने का अवसर मिलेगा, तभी यह बड़े तस्करी नेटवर्क तक पहुँच पाएगा। केवल छोटे स्तर के तस्करों और नशा बेचने वालों की गिरफ्तारी से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। वास्तविक सफलता तब मिलेगी जब इस पूरे अवैध कारोबार के सरगनाओं, वित्तीय सहयोगियों और अंतरराज्यीय नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

आज नशा तस्करी केवल पारंपरिक तरीकों तक सीमित नहीं रह गई है। डिजिटल भुगतान, सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड संचार माध्यम और ऑनलाइन नेटवर्क का उपयोग भी इस अवैध व्यापार में बढ़ता जा रहा है। इसलिए एसटीएफ को आधुनिक साइबर तकनीक, वित्तीय निगरानी, डेटा विश्लेषण और खुफिया सूचना संग्रहण के क्षेत्र में विशेष प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है। विभिन्न राज्यों की पुलिस, केंद्रीय एजेंसियों और सीमा सुरक्षा बलों के बीच बेहतर समन्वय भी इस अभियान की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक होगा।

नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस या एसटीएफ के भरोसे नहीं जीती जा सकती। समाज की सक्रिय भागीदारी इसके लिए अनिवार्य है। पंचायतों, महिला मंडलों, युवा संगठनों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं को जनजागरूकता अभियान चलाने होंगे। विद्यालयों और महाविद्यालयों में नियमित रूप से नशा विरोधी कार्यक्रम, परामर्श शिविर और जागरूकता अभियान आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि युवा नशे के दुष्प्रभावों को समझ सकें और गलत संगति से बच सकें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

शांति में ही प्रगति का मार्ग

आज का विश्व विज्ञान, प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। देशों के बीच व्यापार बढ़ रहा है, संचार के साधन पहले से कहीं अधिक आधुनिक हो चुके हैं और वैश्विक स्तर पर सहयोग के नए आयाम विकसित हो रहे हैं। इसके बावजूद दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, धार्मिक कट्टरता, सामाजिक तनाव, जातीय संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता जैसी समस्याएँ लगातार बढ़ती दिखाई दे रही हैं। ऐसे समय में शांति और सह-अस्तित्व का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। किसी भी समाज, राष्ट्र या विश्व समुदाय का स्थायी विकास तभी संभव है, जब लोग परस्पर सम्मान, सहयोग, सहिष्णुता और विश्वास के साथ जीवन व्यतीत करें।

शांति केवल युद्ध या हिंसा का अभाव नहीं है, बल्कि यह ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और स्वतंत्र महसूस करे। वहीं सह-अस्तित्व का अर्थ है कि विभिन्न धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों, विचारधाराओं और परंपराओं से जुड़े लोग एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए मिल-जुलकर रहें। भारत जैसे बहुभाषी, बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक देश के लिए यह विचार विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। हमारी विविधता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है और यही हमें विश्व में एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती है।

वर्तमान समय में सामाजिक और राजनीतिक मतभेदों को लेकर कई बार तनाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। सोशल मीडिया के माध्यम से फैलने वाली अफवाहें, भ्रामक सूचनाएँ और घृणा फैलाने वाले संदेश कई बार समाज में अविश्वास और वैमनस्य पैदा कर देते हैं। छोटी-छोटी घटनाएँ भी बड़े विवाद का रूप ले लेती हैं। ऐसे में समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह बिना सत्यापन के किसी भी सूचना पर विश्वास न करे और शांति बनाए रखने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाए। जिम्मेदार नागरिक ही समाज को हिंसा और विभाजन से बचा सकते हैं।

विश्व इतिहास इस बात का साक्षी है कि युद्ध और संघर्ष ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। दो विश्व युद्धों में करोड़ों लोगों ने अपने प्राण गंवाए, लाखों परिवार उजड़ गए और अनेक देशों की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो गई। आज भी दुनिया के कई क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव आम नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों पर पड़ता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास की योजनाएँ प्रभावित होती हैं तथा मानवीय संकट गहरा जाता है। इसलिए युद्ध की बजाय संवाद, कूटनीति और आपसी समझ ही किसी भी विवाद का सबसे प्रभावी समाधान माने जाते हैं।

शांति का सीधा संबंध आर्थिक विकास से भी है। जिस देश में सामाजिक स्थिरता और कानून-व्यवस्था मजबूत होती है, वहाँ निवेश बढ़ता है, उद्योग विकसित होते हैं, पर्यटन को प्रोत्साहन मिलता है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। इसके विपरीत हिंसा और अशांति का वातावरण विकास की गति को धीमा कर देता है। व्यापार प्रभावित होता है, शिक्षा बाधित होती है और लोगों का जीवन असुरक्षित हो जाता है। इसलिए शांति केवल सामाजिक आवश्यकता नहीं, बल्कि आर्थिक समृद्धि की भी आधारशिला है।

परिवार शांति और सह-अस्तित्व की भावना विकसित करने का पहला विद्यालय है। बच्चों को बचपन से ही प्रेम, सहयोग, सहनशीलता, सत्य, करुणा और दूसरों का सम्मान करने की शिक्षा दी जानी चाहिए। यदि परिवार में संवाद, आपसी विश्वास और संस्कारों का वातावरण होगा तो बच्चे भी समाज में सकारात्मक भूमिका निभाएँगे। इसी प्रकार विद्यालयों और महाविद्यालयों को भी केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित न रहकर नैतिक शिक्षा, संवैधानिक मूल्यों, मानवाधिकारों और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना चाहिए।

भारत का संविधान सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व का अधिकार प्रदान करता है। यही मूल्य सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करते हैं। देश की सांस्कृतिक विरासत भी हमें 'वसुधैव कुटुम्बकम्' अर्थात पूरी पृथ्वी एक परिवार है, का संदेश देती है। यह विचार आज के वैश्विक युग में और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन, महामारी, आर्थिक संकट और पर्यावरण संरक्षण जैसी चुनौतियों का समाधान किसी एक देश के प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक एकता आवश्यक है।

धार्मिक और सामाजिक संगठनों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि ये संस्थाएँ प्रेम, सद्भाव, सेवा और भाईचारे का संदेश दें तो समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। दूसरी ओर यदि धर्म या जाति के नाम पर लोगों को बाँटने का प्रयास किया जाए तो सामाजिक ताना-बाना कमजोर होता है। इसलिए सभी धार्मिक नेताओं और सामाजिक संगठनों का दायित्व है कि वे समाज में सौहार्द, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा दें।

-शिवांश धाकड़

कविता

सबका मकसद नेक यहां है

डॉ. कौमार्या मनोज

न मैं हिंदू बनना चाहूं, न चाहूं बनना मुसलमान।
मुझे बना दे प्यारे भगवन, इक प्यारा सा इंसान।।
जो दीन दुखियों की सेवा देवे, जो रखे सबका मान।
पहले खुद को बना के काबिल, औरों को दे सम्मान।।
रंग खून का एक सभी का, फिर क्यों मजहब अलग-अलग है?
खाना तो सबकी रोटी सब्जी, फिर क्यों बोली अलग-अलग है?
कोई मंदिर मंदिर पूजन जाता, कोई अल्लाह-हू आवाज लगाता।
कोई गुरुद्वारे दी टेके मत्था, कोई चर्च कैंडल है जलाता।।
सबका मकसद नेक यहां है, फिर क्यों सब ही खौफजदा हैं।
सबका मालिक एक है प्यारे, फिर क्यों सबकी राह जुदा है।।
जात पात से दूर रहूं मैं, नशा नशेड़ी से भी दूर।
माता जी की आन बनूं मैं, बनूं पिता की शान।।
न मैं सिख ईसाई बनना चाहूं, न बनना चाहूं मुसलमान।

भारत के संवैधानिक इतिहास में 5 अगस्त 2019 बना राष्ट्रीय एकीकरण का ऐतिहासिक दिन

सुरेश कुमार
प्रबंध निदेशक, कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कुल्लू

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 5 अगस्त 2019 एक अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक तिथि के रूप में दर्ज है। इसी दिन भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करने वाले भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधानों को निष्प्रभावी करने का निर्णय लिया। साथ ही **अनुच्छेद 35ए** को भी समाप्त कर दिया गया और जम्मू-कश्मीर राज्य का पुनर्गठन करते हुए उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों— **जम्मू-कश्मीर** तथा लद्दाख— में विभाजित करने की घोषणा की गई। इस निर्णय ने देश की राजनीति, प्रशासन, विकास और राष्ट्रीय एकीकरण के संदर्भ में एक नया अध्याय आरंभ किया।

अनुच्छेद 370 भारतीय संविधान में एक अस्थायी प्रावधान के रूप में शामिल किया गया था। इसके अंतर्गत जम्मू-कश्मीर को विशेष संवैधानिक अधिकार प्राप्त थे। राज्य का अपना अलग संविधान था तथा रक्षा, विदेश नीति, संचार और कुछ अन्य विषयों को छोड़कर अधिकांश मामलों में भारतीय संसद के कानून स्वत: लागू नहीं होते थे। अनुच्छेद 35ए के कारण राज्य सरकार को स्थायी निवासियों की अलग परिभाषा निर्धारित करने तथा उन्हें विशेष अधिकार देने की शक्ति प्राप्त थी। समय के साथ इस व्यवस्था को लेकर देशभर में व्यापक बहस होती रही। अनेक लोगों का मत था कि यह व्यवस्था राष्ट्रीय एकीकरण में बाधा बन रही है, जबकि दूसरे पक्ष का मानना था कि यह जम्मू-कश्मीर की विशिष्ट पहचान और संवैधानिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

5 अगस्त 2019 को तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधानों को समाप्त करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। संसद के दोनों सदनों से प्रस्ताव पारित होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी प्राप्त हुई और यह निर्णय लागू हो गया। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम भी पारित किया गया, जिसके अनुसार 31 अक्टूबर 2019 से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेश बन गए।

सरकार ने इस निर्णय को राष्ट्रीय एकता, समान अधिकार और समग्र विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। सरकार का तर्क था कि विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद देश के सभी कानून जम्मू-कश्मीर में समान रूप से लागू होंगे। महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को भी वे सभी संवैधानिक अधिकार और लाभ प्राप्त होंगे जो देश के अन्य राज्यों के नागरिकों को उपलब्ध हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, पर्यटन, निवेश और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में विकास को गति मिलने की भी उम्मीद व्यक्त की गई।

निर्णय के बाद केंद्र सरकार ने क्षेत्र में सड़क, रेलवे, स्वास्थ्य, शिक्षा और डिजिटल कनेक्टिविटी से जुड़ी अनेक परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं शुरू की गईं तथा निवेश आकर्षित करने के प्रयास किए गए। प्रशासनिक व्यवस्था में भी कई सुधार लागू किए गए ताकि सरकारी सेवाएं अधिक प्रभावी और पारदर्शी बन सकें।

हालांकि इस निर्णय को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और संवैधानिक विशेषज्ञों के बीच अलग-अलग मत सामने आए। कुछ राजनीतिक दलों ने इसे राष्ट्रीय हित में आवश्यक और ऐतिहासिक कदम बताया, जबकि कुछ ने इसे संघीय ढांचे और संवैधानिक प्रक्रिया के संदर्भ में प्रश्नों के साथ देखा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अच्छा शिक्षक केवल ज्ञान नहीं देता, बल्कि जीवन जीने की दिशा भी दिखाता है

अदित्य प्रसाद दास
स्वतंत्र लेखक

एक अध्यापक और एक अच्छे अध्यापक में जमीन-आसमान का फर्क होता है। एक अध्यापक केवल पढ़ाता है। वह अपनी क्लास में पीरियड लेता है, पाठ्यक्रम पूरा करता है, कॉपी जांचता है और आगे बढ़ जाता है। उसके लिए विद्यार्थी एक 'रोल नंबर' होता है-एक नाम, एक रजिस्टर की एंट्री। उसकी नजरें घड़ी पर टिकी रहती हैं, आवाज में औपचारिकता होती है, और शब्दों में जल्दबाजी।

वह विषय में निपुण हो सकता है, योग्य हो सकता है, लेकिन उसका प्रभाव सिर्फ किताबों तक सीमित रह जाता है-दिल तक नहीं पहुंचता। विद्यार्थी उसकी कक्षा से निकलता है तो दिमाग में जानकारी तो होती है, लेकिन मन में एक खालीपन, एक दबाव, एक डर भी साथ होता है। दूसरी ओर एक अच्छा शिक्षक बच्चे में इंसान देखता है। वह छात्र के चेहरे पर उलझन पढ़ता है, उसकी आंखों में छिपे डर, असमंजस और सपनों को पहचानता है। वह प्यार से पूछता है- समझ आया? कोई परेशानी तो नहीं? वह नाम लेकर बुलाता है, धैर्य से पूरी बात सुनता है और ऐसे समझाता है जैसे कोई अपना रास्ता दिखा रहा हो। उसकी आवाज में अपनापन होता है, व्यवहार में सम्मान और सोच में यह विश्वास कि पढ़ाई के साथ-साथ आत्मविश्वास भी सिखाना जरूरी है। वह जानता है कि ज्ञान के साथ-साथ आशा, प्रेरणा और विश्वास भी शिक्षा का हिस्सा हैं और वही आशा वह स्वयं बन जाता है।

छात्र उसकी कक्षा से निकलता है तो सिर्फ उत्तर नहीं, हिम्मत, आत्मबल और सपने लेकर निकलता है। एक अच्छा शिक्षक समझता है कि विद्यालय सिर्फ ईंट-पत्थर की इमारत नहीं, बल्कि उभरते भविष्य का आश्रय स्थल है, जहां हर बच्चे को समझा जाना चाहिए, हर डर को दूर किया जाना चाहिए और हर क्षमता को सम्मान मिलना चाहिए। वहां बोले गए हर शब्द किसी बच्चे का भविष्य संवार भी सकता है और तोड़ भी सकता है।

आज का शिक्षित और जागरूक समाज यही अपेक्षा करता है कि हमारे विद्यालयों में सिर्फ किताबें और अंक नहीं, बल्कि संवेदनशील शिक्षक और प्रेरणादायक शब्द भी हों। यह समय है आत्ममंथन का, सुधार का, क्योंकि जब तक शिक्षक छात्रों के प्रति करुणा, धैर्य और विश्वास नहीं दिखाएंगे, तब तक सच्ची शिक्षा पूर्ण रूप से परिभाषित नहीं हो सकती। आइए, हम सब मिलकर विद्यालयों को फिर उस मुकाम पर ले जाएं जहां बच्चा सिर्फ पास होने नहीं, बल्कि सम्मानित, आत्मविश्वासी और सुरक्षित महसूस करे, क्योंकि अंतत: शिक्षा सिर्फ मस्तिष्क की नहीं, मन की भी होती है और इंसानियत व करुणा उसकी सच्ची पाठ्य-पुस्तक हैं।

इसी शिक्षा यात्रा में माता-पिता की भावनाएं भी गहराई से जुड़ी होती हैं। जब कोई अभिभावक अपने बच्चे का हाथ पकड़कर स्कूल के गेट तक छोड़ता है, तो उसके साथ केवल उम्मीदें ही नहीं, बल्कि विश्वास, डर और जीवनभर के सपने भी होते हैं। माता-पिता शिक्षक के हाथों में अपने बच्चे का भविष्य, आत्मविश्वास और सुरक्षा सौंपते हैं।

वे चाहते हैं कि उनका बच्चा सिर्फ पढ़े ही नहीं, बल्कि समझा जाए, सम्मान पाए और प्रोत्साहित हो। जब शिक्षक बच्चे की क्षमता को पहचानता है और उसकी छोटी उपलब्धि की सराहना करता है, तो वह पूरे परिवार के विश्वास को मजबूत करता है। मुस्कुराता हुआ बच्चा जब स्कूल से लौटता है, तो माता-पिता को संतोष होता है कि उनका बच्चा सुरक्षित हाथों में है। यही विश्वास शिक्षा की सबसे बड़ी पूंजी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

विश्वस्तरीय गुणवत्ता के बावजूद चुनौतियों से घिरा कांगड़ा चाय उद्योग, संरक्षण और संवर्धन की दरकार

किशन
स्वतंत्र लेखक

हिमाचल प्रदेश को प्रकृति ने अपार प्राकृतिक संपदा से समृद्ध बनाया है। यहां की नदियां, पर्वत, वन, औषधीय वनस्पतियां और फलों के बागान प्रदेश की पहचान हैं। कुल्लू और शिमला के सेबों की तरह कांगड़ा घाटी की चाय भी अपनी विशिष्ट गुणवत्ता, सुगंध और स्वाद के कारण देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी विशेष पहचान रखती है। कांगड़ा जिले के पालमपुर, बैजनाथ, सिद्धबाड़ी और बीड़ क्षेत्र में फैले चाय बागान प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर होने के साथ-साथ हजारों परिवारों की आजीविका का प्रमुख आधार भी हैं।धौलाधार पर्वतमाला की तलहटी में स्थित इन चाय बागानों का प्राकृतिक वातावरण विश्व की उत्कृष्ट चाय उत्पादन वाली जलवायु में गिना जाता है।

यहां की ठंडी, नम और स्वच्छ जलवायु में तैयार होने वाली चाय की पत्तियां अपनी विशेष सुगंध और स्वाद के कारण अन्य चायों से अलग पहचान रखती हैं। पालमपुर की हिमालयन टी, सिद्धबाड़ी की मांझी वैली टी और बीड़ क्षेत्र की माउंट-बीड़ चाय अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच चुकी है। चाय बागानों में कार्यरत महिलाएं पारंपरिक परिधानों में पत्तियां तोड़ते हुए आज भी कांगड़ा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जीवंत चित्र प्रस्तुत करती हैं। कांगड़ा घाटी में चाय उत्पादन का इतिहास डेढ़ सौ वर्ष से भी अधिक पुराना है।

एक समय ऐसा था जब यहां उत्पादित हरी चाय अमृतसर के रास्ते अफगानिस्तान तक निर्यात की जाती थी, जहां इसका उपयोग कहवा बनाने में किया जाता था। कोलकाता के चाय बाजार में भी कांगड़ा चाय की विशेष मांग रहती थी। अपनी गुणवत्ता के कारण इस चाय ने भारतीय चाय उद्योग में अलग स्थान बनाया। लेकिन समय के साथ बाजार की परिस्थितियां बदलती चली गईं। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बदलाव, अफगानिस्तान के बाजार के सीमित होने और बड़ी कंपनियों की प्रतिस्पर्धा ने छोटे चाय उत्पादकों के सामने अनेक चुनौतियां खड़ी कर दीं।एक समय पालमपुर और बैजनाथ क्षेत्र में लगभग दस लाख किलोग्राम चाय का उत्पादन होता था तथा हजारों परिवार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से इस उद्योग से जुड़े थे।

किंतु उचित मूल्य न मिलने और बढ़ती लागत के कारण अनेक उत्पादक आर्थिक संकट का सामना करने लगे। इन परिस्थितियों से उबरने के लिए चाय उत्पादकों ने सामूहिक प्रयास करते हुए विपणन सहकारी संस्था का गठन किया। पालमपुर में इसका मुख्यालय स्थापित किया गया तथा अमृतसर में बिक्री केंद्र खोलकर खुली नीलामी की व्यवस्था की गई, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलने लगा। बाद में हिमाचल प्रदेश सरकार भी इस व्यवस्था से जुड़ी और चाय उद्योग को नई दिशा मिली।समय के साथ काली चाय के उत्पादन को भी बढ़ावा दिया गया, जिसे देश के बड़े बाजारों में अच्छी कीमत मिलने लगी। धीरे-धीरे कांगड़ा चाय ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित की।

वर्तमान समय में भी कांगड़ा घाटी की चाय का निर्यात लगातार बढ़ रहा है और भारतीय चाय निर्यात में इसका महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है। भौगोलिक संकेतक (जीआई) पहचान मिलने से इसकी विशिष्टता को और अधिक मजबूती मिली है, जिससे वैश्विक बाजार में इसकी प्रतिष्ठा बढ़ी है।हालांकि वर्तमान समय में कांगड़ा घाटी का चाय उद्योग अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। लगातार बदलती जलवायु, अनियमित वर्षा, अत्यधिक तापमान परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं का सीधा प्रभाव चाय उत्पादन पर पड़ रहा है। हाल के वर्षों में भारी वर्षा और तापमान में अचानक आई गिरावट के कारण कई क्षेत्रों में चाय की पत्तियां प्रभावित हुईं और उत्पादन में कमी दर्ज की गई।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

सिनेमा की चमकती सितारा 'काजोल'

काजोल का जन्म **5 अगस्त 1974** को मुंबई, महाराष्ट्र में हुआ। उनका पूरा नाम काजोल मुखर्जी देवगन है। वह भारतीय सिनेमा की सबसे सफल और लोकप्रिय अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। अभिनय उनके परिवार की विरासत है। उनकी माता तनुजा हिंदी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं, जबकि उनके पिता शोमू मुखर्जी फिल्म निर्माता थे। उनकी दादी शोभना समर्थ और परनानी भी फिल्म जगत से जुड़ी रही हैं।

काजोल
जन्म : 5 अगस्त 1974

काजोल ने वर्ष 1992 में फिल्म बेखुदी से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वर्ष 1995 में रिलीज हुई फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे ने उन्हें देश-विदेश में अपार लोकप्रियता दिलाई। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ उनकी जोड़ी भारतीय सिनेमा की सबसे सफल जोड़ियों में शामिल हो गई। इसके बाद कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी ग़म, फ़ना, माय नेम इज़ ख़ान, तान्हाजी और सलाम वेंकी जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को खूब सराहा गया।

काजोल अपने स्वाभाविक अभिनय, प्रभावशाली संवाद अदायगी और भावनात्मक अभिव्यक्ति के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने रोमांटिक, पारिवारिक, सामाजिक और गंभीर विषयों पर आधारित फिल्मों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया है। उनके उत्कृष्ट अभिनय के लिए उन्हें कई बार फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए हैं। वर्ष 2011 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया।

व्यक्तिगत जीवन में काजोल ने वर्ष 1999 में अभिनेता अजय देवगन से विवाह किया। उनके दो बच्चे हैं और परिवार के साथ संतुलित जीवन जीते हुए भी वह फिल्मों तथा सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहती हैं। शिक्षा, बाल कल्याण और महिला सशक्तीकरण जैसे विषयों से जुड़े अभियानों में भी उनकी सहभागिता रही है। लगभग तीन दशकों से अधिक लंबे फिल्मी सफर में काजोल ने अपनी मेहनत, प्रतिभा और सादगी के बल पर भारतीय सिनेमा में विशिष्ट पहचान बनाई है।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

दनकौर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आकर अज्ञात अधेड़ की मौत

एजेंसी, नोएडा। दनकौर रेलवे स्टेशन पर सोमवार देर रात एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जीआरपी चौकी प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि करीब 45 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आ गया था। गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव की पहचान के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। सोशल मीडिया के माध्यम से भी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

सदन को प्रभावित कर 25 करोड़ जनता के हितों के साथ खिलवाड़ कर रहा विपक्ष : मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सदन में विपक्षी हंगामे को लेकर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष का आचरण असंवैधानिक और शर्मनाक है, जो सदन की कार्यवाही बाधित कर प्रदेश की 25 करोड़ जनता के हितों को प्रभावित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष को जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए, लेकिन वह अनावश्यक मुद्दे उठाकर सदन का समय बर्बाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। हंगामे के कारण विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

गुटका विवाद में आईटीबीपी के जवान ने दुकानदार को गोली मारी, गिरफ्तार

एजेंसी, नोएडा। थाना सूरजपुर क्षेत्र के खेड़ी भनोता गांव में गुटखा मांगने को लेकर हुए विवाद में आईटीबीपी के जवान ने दुकानदार को गोली मार दी। गोली लगने से घायल दुकानदार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार गांव निवासी उदय प्रताप (42) दुकान चलाते हैं। सोमवार देर रात पड़ोसी आईटीबीपी जवान सुरेंद्र फौजी गुटखा लेने पहुंचा था। इसी दौरान दोनों में विवाद हो गया। आरोप है कि गुस्से में सुरेंद्र ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से उदय प्रताप पर गोली चला दी, जो उनके पेट में लगी। थाना सूरजपुर पुलिस ने आरोपी जवान को गिरफ्तार कर लिया है और उसके पास से लाइसेंसी पिस्टल बरामद की गई है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घायल दुकानदार की हालत पर चिकित्सकों द्वारा लगातार नजर रखी जा रही है।

नोएडा में हथियारबंद बदमाशों का आतंक तीन महिलाओं से जेवरात लूटे

एजेंसी, नोएडा। थाना दादरी क्षेत्र में हथियारबंद बदमाशों ने तीन महिलाओं से सोने के जेवरात लूट लिए। पुलिस ने मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि दौलत राम कॉलोनी निवासी राजेश कुमार की पत्नी ड्यूटी से लौट रही थीं। छोटे सरकारी पार्क के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने उनके कान का कुंडल लूट लिया। इसके बाद बदमाशों ने मीना नामक महिला को भी निशाना बनाकर जेवरात छीन लिए। एक अन्य घटना में बुजुर्ग महिला दयावती से बदमाशों ने पायनियर स्कूल के पास कान का कुंडल और नाक की लौंग लूट ली। पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है।

शराब पार्टी के दौरान विवाद में हिस्ट्रीशीटर की पत्थर से हत्या, दो संदिग्धों की तलाश

एजेंसी, बांदा। मटौंध थाना क्षेत्र के दुरेड़ी गांव में शराब पीने के दौरान हुए विवाद में रिश्तेदारी थाने के हिस्ट्रीशीटर धर्मेंद्र उर्फ गुड्डू (45) की हत्या कर दी गई। आरोप है कि उसके साथ मौजूद दो लोगों ने पत्थर से सिर और चेहरे पर हमला कर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार धर्मेंद्र सोमवार रात अपने दो साथियों के साथ निर्माणाधीन मकान के पास शराब पी रहा था। इसी दौरान कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने बताया कि आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं। मृतक के खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज थे।

प्रदेश सरकार ने पेश किया 59 हजार करोड़ का अनुपूरक बजट, केंद्र से मिलेगी 11 हजार करोड़ की सहायता

ग्रामीण विकास, कृषि और बिजली व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बढ़ाया गया बजट आवंटन

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विपक्ष के भारी हंगामे के बीच वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए अनुपूरक बजट पेश किया। सरकार ने सदन में कुल 59,019.54 करोड़ रुपये की अतिरिक्त बजट मांग रखी। इसमें केंद्र सरकार से 11,240.97 करोड़ रुपये की सहायता अंशदान के रूप में प्राप्त होगी, जबकि शेष राशि का प्रबंध राज्य सरकार अपने संसाधनों से करेगी।

विधानसभा में बजट पेश किए जाने के दौरान विपक्षी सदस्य लगातार नारेबाजी करते रहे। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कई बार सदस्यों से अपनी सीटों पर बैठकर चर्चा में भाग लेने की अपील की, लेकिन हंगामा जारी रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बोलने के लिए खड़े होने पर विपक्षी सदस्यों ने विरोध और तेज कर दिया। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर सदन की गरिमा और संवैधानिक परंपराओं का पालन नहीं करने का आरोप लगाया।

अनुपूरक बजट में केंद्र से मिलने वाली सहायता को घटाने के बाद राज्य सरकार के खजाने पर 47,778.57 करोड़ रुपये का शुद्ध वित्तीय भार आएगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस अतिरिक्त खर्च की व्यवस्था कर और गैर-कर राजस्व के निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करके तथा अनुत्पादक खर्चों में कटौती करके की जाएगी। सरकार ने इस बजट में औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, ग्रामीण विकास और स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता दी है। औद्योगिक विकास एवं भारी उद्योग विभाग को बड़ा हिस्सा दिया गया है।ह्य

भारी एवं मध्यम उद्योग विभाग के लिए राजस्व मद में 1,30,301.92 लाख रुपये और पूंजीगत मद में 20,905.88 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग के लिए भी अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए ग्राम्य विकास विभाग को 14,18,471.95 लाख रुपये का पूंजीगत बजट आवंटित किया गया है। वहीं बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ऊर्जा क्षेत्र में 7,02,227 लाख रुपये राजस्व मद और 40,000 लाख रुपये पूंजीगत मद में दिए गए हैं।

कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया है। कृषि विभाग, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन, दुग्ध विकास और मत्स्य विभाग को अतिरिक्त राशि दी गई है। सरकार का उद्देश्य किसानों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार से जुड़ी योजनाओं को गति देना है।

स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए एलोपैथी चिकित्सा प्रभाग को 1,10,000 लाख रुपये राजस्व मद और 9,600 लाख रुपये पूंजीगत मद में दिए गए हैं। परिवार कल्याण और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी अतिरिक्त बजट की व्यवस्था की गई है।

प्रयागराज में 8 अगस्त का 'छात्रों की गूंज सम्मेलन होगा ऐतिहासिक : अजय राय

एजेंसी, वाराणसी

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने दावा किया है कि 8 अगस्त को प्रयागराज के केपी ग्राउंड में आयोजित होने वाला 'छात्रों की गूंज' सम्मेलन ऐतिहासिक साबित होगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में प्रदेशभर से लाखों छात्र-छात्राएं, प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थी, शोधार्थी और बेरोजगार युवा शामिल होंगे। इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी छात्रों और युवाओं से सीधे संवाद करेंगे।

पेपर लीक और बेरोजगारी के मुद्दे पर कांग्रेस का बड़ा छात्र सम्मेलन

लहुराबीर स्थित अपने आवासीय कार्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान अजय राय ने बताया कि 'छात्रों की गूंज' अभियान की शुरुआत राजस्थान के कोटा से हुई थी। अभियान के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों की समस्याओं, पेपर लीक, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को उठाया गया। उन्होंने कहा कि देहरादून के बाद अब प्रयागराज में इसका सबसे बड़ा आयोजन होने जा रहा है। अजय राय ने कहा कि सम्मेलन में छात्र और युवा अपनी समस्याएं, सुझाव और भविष्य से जुड़े सवाल राहुल गांधी के सामने रखेंगे। यह केवल एक जनसभा नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार और पारदर्शी भर्ती व्यवस्था को लेकर युवाओं की आवाज का मंच होगा। उन्होंने कहा कि पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता, रिक्त पदों पर नियुक्तियों में देरी और बेरोजगारी युवाओं की प्रमुख समस्याएं हैं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई और छात्रों से बड़ी संख्या में प्रयागराज पहुंचने की अपील की। पत्रकार वार्ता में अजय राय ने राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग भी दोहराई। उन्होंने कहा कि मामले में पारदर्शी जांच कर दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। इस दौरान कई कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे।

नोएडा में डिजिटल अरेस्ट, ब्लैकमेल और फर्जी निवेश से लाखों की ठगी

एजेंसी, नोएडा

साइबर अपराधियों ने नोएडा में तीन अलग-अलग मामलों में लोगों को निशाना बनाकर लाखों रुपये की ठगी कर ली। ठगी के मामलों में डिजिटल अरेस्ट, अश्लील वीडियो के जरिए ब्लैकमेल और फर्जी निवेश का झांसा शामिल है।

फर्जी कॉल, अश्लील वीडियो और निवेश के जाल में फंसे नोएडा के लोग।

पीड़ितों की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि सेक्टर-37 निवासी करियामपुझा वर्गीज रप्पई को 31 जुलाई को एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को मुंबई साइबर क्राइम अधिकारी बताते हुए कहा कि उनके नाम से खुले बैंक खाते का इस्तेमाल अवैध गतिविधियों में किया जा रहा है और उनके खिलाफ मामला दर्ज है।

आरोपितों ने वीडियो कॉल के जरिए सीबीआई अधिकारी बनकर उन्हें डराया और डिजिटल अरेस्ट कर लिया।

खेत में मेड़ बांध रहे युवक पर गिरी आकाशीय बिजली, मौत

एजेंसी, मीरजापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र के मानिकपुर गांव में मंगलवार सुबह खेत में काम कर रहे एक युवक की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। मृतक युवक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। पुलिस के अनुसार मानिकपुर निवासी रोहित चौहान (22) पुत्र मुरारी चौहान सुबह अपने खेत में मेड़ बांधने का काम कर रहे थे। इसी दौरान क्षेत्र में रिमझिम बारिश हो रही थी। अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से रोहित गंभीर रूप से झुलस गए और मौके पर ही अचेत हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा आनन-फानन में रोहित को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहरौरा ले गए। वहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजन उम्मीद में उन्हें एक निजी अस्पताल भी लेकर गए, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें बचाने में असमर्थता जताई।

गोरखपुर बच्ची हत्याकांड के खिलाफ जौनपुर में आक्रोश, आरोपित को कड़ी सजा की मांग

एजेंसी, जौनपुर

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 10 वर्षीय बच्ची के कथित अपहरण, दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में मंगलवार को जौनपुर में आक्रोश देखने को मिला। भारतीय नाई कल्याण विकास सेवा समिति के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर घटना की निंदा की। प्रदर्शनकारियों ने आरोपित के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग उठाई।

समिति के अध्यक्ष दिनेश चंद्र शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि मामले में आरोपित सिपाही अभिषेक यादव के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए और मुकदमे की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराई जाए। समिति ने पॉक्सो अधिनियम सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत आरोपित को जल्द से जल्द कठोरतम सजा देने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बच्ची के साथ अमानवीय अपराध करने के बाद उसकी हत्या कर शव रोहिन नदी में फेंक दिया गया। उन्होंने आरोपित की पूर्व में हुई सेवा बहाली की परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच कराने और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की भी मांग की।

रोडवेज बस ने मारी दो कांवड़ियों की बाइक में टक्कर, एक की मौत

एजेंसी, गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जनपद में थाना इंदिरापुरम क्षेत्र के एनएच-9 पर मंगलवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हरिद्वार से कांवड़ में जल लेने जा रहे बाइक सवार दो युवकों को रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद सड़क पर गिरे एक युवक को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार नोएडा के सेक्टर-44 स्थित छलेरा गांव निवासी चमन सिंह का 21 वर्षीय बेटा दीपांशु अपने दोस्त चुन्नू के साथ मंगलवार सुबह बाइक से हरिद्वार के लिए रवाना हुआ था। दोनों जैसे ही एनएच-9 पर छिजारसी कट के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही एक रोडवेज बस ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों युवक सड़क पर गिर गए। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर ने सड़क पर गिरे दीपांशु को कुचल दिया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद बस और डंपर चालक अपने-अपने वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और अन्य लोग मौके पर पहुंचे और आक्रोशित होकर एनएच-9 पर जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर थाना इंदिरापुरम पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर जाम खुलवाया। इसके बाद यातायात सुचारू कराया गया। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रोडवेज विभाग को बस की जानकारी दी गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों वाहनों के चालकों की तलाश शुरू कर दी है।

जौनपुर में बारिश से मिली गर्मी से राहत जलभराव ने खोली नगर पालिका की पोल

एजेंसी, जौनपुर

झमाझम बारिश के बाद सड़कें बनीं तालाब, राहगीरों को उठानी पड़ी परेशानी

उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में सोमवार देर रात हुई तेज बारिश से लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बाद मौसम बदला और करीब एक घंटे तक हुई झमाझम बारिश से तापमान में गिरावट आई। बारिश के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, तेज बारिश ने नगर पालिका परिषद की व्यवस्थाओं की पोल भी खोल दी। शहर के कई प्रमुख मार्गों और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। रूहट्टा, ओलन्दगंज, पॉलिटेक्निक चौराहा, काली कुट्टी और कटघरा समेत कई स्थानों पर सड़कें पानी से भर गईं। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी।

कई जगह सड़कों पर बने गड्ढों में पानी भरने से दोपहिया और चारपहिया वाहन फंसते नजर आए। जलभराव के कारण यातायात भी प्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बारिश के दौरान शहर में यही समस्या सामने आती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। नागरिकों ने जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने और खराब सड़कों की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है।

नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोरमा मौर्य ने बताया कि जलभराव वाले क्षेत्रों में नालियों और नालों की सफाई कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि समस्या के समाधान के लिए कर्मचारियों को मौके पर लगाया गया है। उन्होंने कहा कि जलभराव वाले क्षेत्रों में जल्द सुधार कार्य पूरा कर लोगों को राहत पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

प्रयागराज में ट्रिपल मर्डर : मूकबधिर दंपती समेत तीन का कत्ल, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी, प्रयागराज। प्रयागराज के शाहगंज थाना क्षेत्र के गढ़ीकला मोहल्ले में एक किराए के कमरे से एक पुरुष और दो महिलाओं के शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तीनों मूक-बधिर थे और एक साथ किराए के कमरे में रह रहे थे। उनकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार मृतकों में एक पुरुष की उम्र लगभग 35 वर्ष, एक महिला की उम्र करीब 45 वर्ष और दूसरी महिला की उम्र लगभग 33 वर्ष बताई जा रही है। मकान मालिक भी तीनों के बारे में अधिक जानकारी नहीं दे सके। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और उनकी पहचान के लिए विभिन्न माध्यमों से प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आपसी विवाद के दौरान हुई मारपीट से जुड़ा प्रतीत होता है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही चल सकेगा। पुलिस हत्या सहित सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों की वैज्ञानिक तरीके से जांच की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि घटना के समय की गतिविधियों का पता लगाया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है और जल्द ही मृतकों की पहचान तथा घटना के कारणों का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

फर्जी दस्तावेजों से नवजात बेचने का मामला, डॉक्टरों पर दर्ज मुकदमा

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नवजात बच्चे की खरीद फरोख्त का सनसनीखेज मामला सामने आया है। गुडंबा थाना क्षेत्र के कुर्सी रोड स्थित सेंट मेरी पॉलीक्लीनिक में फर्जी दस्तावेज तैयार कर नवजात बच्चे को बेचने का आरोप लगा है। मामले की जानकारी मिलने के बाद चाइल्ड लाइन और पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बच्चे को अपने संरक्षण में ले लिया है। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर दो महिलाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार चाइल्ड लाइन को सोमवार को सूचना मिली थी कि सेंट मेरी पॉलीक्लीनिक के माध्यम से एक नवजात लड़के को बेचा गया है। चाइल्ड लाइन हेल्पलाइन की कोऑर्डिनेटर जयवती ने इसकी जानकारी गुडंबा थाना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस टीम ने शांतिबाग निवासी रेनू शर्मा के घर पहुंचकर जांच शुरू की। पूछताछ में रेनू शर्मा ने बताया कि बहादुरपुर निवासी आरती ने बच्चे को जन्म दिया था। आरोप है कि बच्चे के जन्म से पहले आरती को मकान बनवाने का भरोसा दिया गया था। इसके बाद अस्पताल की डॉक्टर शालू और डॉक्टर विनोद ने बच्चे के जन्म से संबंधित कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार किए और नवजात को रेनू शर्मा के सुपुर्द कर दिया गया।

पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित संरक्षण में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं अस्पताल और संबंधित डॉक्टरों की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में सभी तथ्यों की पड़ताल के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और जांच जारी है।

उपलब्धि | गौतम बुद्ध नगर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर उत्तर प्रदेश का बढ़ाया गौरव

यूपी के स्केटबोर्ड खिलाड़ियों का जलवा, राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जीते 10 से अधिक पदक

एजेंसी, लखनऊ

राष्ट्रीय रैंकिंग स्केटबोर्डिंग चैंपियनशिप 2026 में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है। रोलर स्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएसएफआई) की ओर से 1 और 2 अगस्त को चंडीगढ़ में आयोजित प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश ने स्केटबोर्डिंग वर्ग में 10 से अधिक पदक जीतकर देशभर में दूसरा स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ प्रदेश ने खुद को देश के प्रमुख स्केटबोर्डिंग राज्यों में शामिल कर लिया है।

उत्तर प्रदेश की इस सफलता में गौतम बुद्ध नगर स्थित पारुल स्केटिंग अकादमी के खिलाड़ियों का अहम योगदान रहा। अकादमी से जुड़े खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। ईसा बसु ने स्ट्रीट और पार्क दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। वहीं हेरल महाजन ने स्ट्रीट और पार्क दोनों वर्गों में रजत पदक प्राप्त किया। अन्वी अग्रवाल ने दोनों वर्गों में कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इसके अलावा रणवित सूरी ने पार्क वर्ग में रजत और स्ट्रीट वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। अनाया मिश्रा ने पार्क वर्ग में कांस्य पदक जीता, जबकि अरुण कुमार ने पार्क वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। सभी पदक विजेता खिलाड़ियों ने कोच अरुण कुमार और पारुल वर्मा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

यह सफलता केवल पदकों तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों की मेहनत, समर्पण और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। करीब तीन वर्ष पहले गौतम बुद्ध नगर में स्केटबोर्डिंग खेल को लेकर लोगों में जागरूकता बहुत कम थी। बच्चों और अभिभावकों के बीच इस खेल को लेकर जानकारी और रुचि का अभाव था। ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय रोलर स्पोर्ट्स खिलाड़ी और गौतम बुद्ध नगर रोलर स्पोर्ट्स एसोसिएशन की महासचिव पारुल वर्मा ने जिले में स्केटबोर्डिंग को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

पारुल वर्मा ने कोच अरुण कुमार के साथ मिलकर सीमित संसाधनों, प्रशिक्षण सुविधाओं की कमी और कई चुनौतियों के बावजूद खिलाड़ियों को तैयार किया। उन्होंने बच्चों को इस खेल से जोड़ने, प्रशिक्षण देने और प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके लगातार प्रयासों से गौतम बुद्ध नगर में स्केटबोर्डिंग की मजबूत नींव तैयार हुई।

अनुशासित प्रशिक्षण, खिलाड़ियों की मेहनत और कोचिंग टीम के समर्पण का परिणाम अब राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दे रहा है। गौतम बुद्ध नगर के युवा खिलाड़ियों ने न केवल अपने जिले बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी उपलब्धि ने प्रदेश को भारतीय स्केटबोर्डिंग के उभरते हुए केंद्र के रूप में पहचान दिलाई है।

जिलाधिकारी ने प्राथमिक शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए शिक्षा अधिकारियों को दिए निर्देश

एजेंसी, फर्रुखाबाद

प्राथमिक शिक्षा सुधार को लेकर डीएम ने शिक्षा अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जनपद की जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर ने मंगलवार को प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी और सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को विद्यालयों में शिक्षण कार्य, प्रबंधन व्यवस्था और विद्यार्थियों की सुविधाओं को लेकर गंभीरता से काम करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव होती है। इसलिए विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित शैक्षणिक गतिविधियां और बेहतर प्रबंधन व्यवस्था सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं और निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार समयबद्ध तरीके से पढ़ाई कराई जाए।

विद्यालयों में बेहतर माहौल और शिक्षा गुणवत्ता बढ़ाने पर प्रशासन का फोकस

बैठक में जिलाधिकारी ने विद्यालयों में स्वच्छता, सुरक्षित वातावरण, पेयजल, शौचालय, बिजली व्यवस्था, मध्यान्ह भोजन, नामांकन और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति की नियमित समीक्षा करने को कहा। उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्र के विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करें और निरीक्षण के दौरान मिलने वाली कमियों को समय सीमा के भीतर दूर कराएं। उन्होंने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों का नियमित निरीक्षण कर साप्ताहिक रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यालयों से संबंधित शिकायतों के निस्तारण में केवल एक स्थान की जांच तक सीमित न रहें, बल्कि संबंधित बिंदुओं की अन्य विद्यालयों में भी क्रॉस चेकिंग कराई जाए।

डीएम ने मिड डे मील की गुणवत्ता बनाए रखने और विद्यालयों में नवाचार आधारित शिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने शिक्षकों की नियमित उपस्थिति, जिम्मेदारी और शिक्षण गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि बारिश के मौसम में विद्यालयों में जलभराव की समस्या का समाधान संबंधित खंड विकास अधिकारी और ग्राम प्रधान के सहयोग से कराया जाए।

हरियाणा बागवानी विभाग में 100 करोड़ का घोटाला 13 साल बाद पूर्व अधिकारियों पर दर्ज एफआईआर

आम-अमरूद के बाग कागजों तक सीमित रहे, करोड़ों रुपए की योजनाओं पर उठे गंभीर सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

हरियाणा के बागवानी विभाग में लगभग 100 करोड़ रुपये के कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं का मामला सामने आने के बाद राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (विजिलेंस) ने बड़ी कार्रवाई की है। वर्ष 2006-07 से 2012-13 के बीच संचालित 26 बागवानी योजनाओं में अनियमितताओं के आरोपों पर 13 वर्ष बाद तत्कालीन अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

मामले में तत्कालीन जिला बागवानी अधिकारी प्रेम सिंह संधू, विभाग के तत्कालीन एचओडी सुरेश कुमार, डीपी शर्मा, राजकुमार राणा और अकाउंटेंट पूर्ण सिंह को नामजद किया गया है। विजिलेंस अब पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है। यह मामला केवल सरकारी खरीद में कथित गड़बड़ियों तक सीमित नहीं है, बल्कि रिकॉर्ड

में बाग विकसित करने, किसानों को सब्सिडी वितरित करने और योजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा दिखाने के बावजूद मौके पर वास्तविक कार्य नहीं मिलने के आरोपों से भी जुड़ा है।

शिकायत में कुल 26 बिंदुओं पर गंभीर अनियमितताओं का उल्लेख किया गया है। इनमें नई बागवानी योजनाएं, पुराने बागों का पुनर्जीवन, नर्सरी विकास, टिश्यू कल्चर, सब्जी बीज वितरण, मशरूम उत्पादन, पॉलीहाउस, ड्रिप सिंचाई, जैविक खेती, मधुमक्खी पालन, पैक हाउस निर्माण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए सब्सिडी योजनाएं, पदोन्नति और प्रशासनिक निर्णयों में कथित अनियमितताएं शामिल हैं। जानकारी के अनुसार यह शिकायत वर्ष 2013 में हरियाणा के तत्कालीन मुख्य सचिव के माध्यम से विजिलेंस को भेजी गई थी।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि वर्ष 2007-08 से विभाग ने निजी नर्सरियों से पांच लाख से अधिक फलदार पौधे खरीदने और दो हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में आम, अमरूद सहित विभिन्न फलदार बाग विकसित करने का दावा किया था।

हालांकि, जांच के दौरान किसानों के खेतों में मात्र पांच से दस प्रतिशत पौधे ही जीवित पाए गए। कई स्थानों पर बाग विकसित किए जाने के सरकारी दावों के बावजूद मौके पर पौधे तक नहीं मिले, जिससे सरकारी रिकॉर्ड और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर सामने आया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि कई योजनाओं में लाभार्थियों का चयन, सब्सिडी वितरण और सामग्री खरीद की प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी की गई।

हिसार भाजपा में बगावत, 11 मंडल अध्यक्षों का सामूहिक इस्तीफा, हाईकमान सक्रिय

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी के हिसार संगठन में बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। जिला अध्यक्ष की कार्यशैली से असंतुष्ट होकर जिले के 13 में से 11 मंडल अध्यक्षों ने सामूहिक रूप से अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। इस घटनाक्रम के बाद संगठन में हलचल तेज हो गई है और पार्टी नेतृत्व स्थिति को संभालने के प्रयास में जुट गया है।

मंडल अध्यक्षों ने प्रदेश अध्यक्ष को भेजे अपने संयुक्त इस्तीफे में आरोप लगाया कि संगठन में संवाद और सामूहिक निर्णय की परंपरा कमजोर हो गई है। उनका कहना है कि लंबे समय से एकतरफा फैसले लिए जा रहे हैं, जिससे समर्पित कार्यकर्ताओं की भावनाओं की लगातार अनदेखी हो रही है। उन्होंने संगठनात्मक लोकतंत्र प्रभावित होने का भी आरोप लगाया। इस्तीफा देने वाले नेताओं ने पत्र में कहा कि उन्होंने प्रत्येक चुनाव, संगठनात्मक

अभियान और पार्टी के सभी कार्यक्रमों में पूरी निष्ठा के साथ जिम्मेदारियां निभाईं। इसके बावजूद उनकी बातों और सुझावों को गंभीरता से नहीं लिया गया।

उनका कहना है कि कई बार अपनी आपत्तियां रखने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ, जिसके चलते उन्हें सामूहिक इस्तीफे जैसा कदम उठाना पड़ा। घटना के सामने आने के बाद भाजपा नेतृत्व सक्रिय हो गया है। पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी मामले की जानकारी जुटाने और नाराज नेताओं से संवाद स्थापित करने में लगे हैं। संगठन स्तर पर डैमेज कंट्रोल की कवायद तेज कर दी गई है ताकि विवाद को जल्द सुलझाया जा सके।

न्यूज ब्रीफ

पंचकूला में नौकरानी ने पति और बेटे के साथ मिलकर की मालकिन की हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा के पंचकूला में एक बुजुर्ग महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने उनकी नौकरानी, उसके पति और बेटे को गिरफ्तार किया है। मृतका की पहचान सेक्टर-21 निवासी 70 वर्षीय नीरा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, नीरा के घर से गहने गायब होने पर वह नौकरानी सुनीता से पूछताछ करने उसके घर गई थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। पति चंद्रमोहन की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू की। पूछताछ के दौरान पता चला कि सुनीता, उसके पति और बेटे ने मिलकर नीरा की हत्या कर दी और शव को पड़ोसी की छत पर टाइलों के नीचे छिपा दिया। बाद में तीनों पास के एक मकान की छत पर जाकर छिप गए। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है तथा चोरी और हत्या के कारणों की जांच जारी है।

हिसार में डेयरी संचालक की पीट-पीटकर हत्या 10 से ज्यादा लोगों पर हत्या का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। हिसार के सूर्य नगर में डेयरी संचालक जीवन की कथित रूप से लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि वह मोटरसाइकिल के पीछे गोबर की ट्रॉली लेकर फाटक की ओर जा रहे थे, तभी 10 से अधिक लोगों ने उन्हें घेरकर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल जीवन को पहले निजी अस्पताल और बाद में नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने हत्या के पीछे पुरानी रंजिश को कारण बताया है। उनका कहना है कि करीब डेढ़ महीने पहले भी दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। परिजनों ने सभी आरोपियों की गिरफ्तारी तक पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। मामले को लेकर क्षेत्र में तनाव का माहौल है।

ट्रैक पार करते समय ट्रेन से कटकर व्यक्ति की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। यमुनानगर के जगाधरी वर्कशॉप रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पार करते समय 55 वर्षीय अनिल कुमार की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक पृथ्वी नगर के निवासी थे और अपने बेटे की ट्रेन की जानकारी लेने स्टेशन पहुंचे थे। बताया गया कि इसी दौरान वह रेलवे ट्रैक पार करने लगे, तभी तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसा इतना गंभीर था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी और रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद परिवार में शोक का माहौल है। पुलिस प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज कर घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

ट्रैफिक जाम खुलवाते हेड कांस्टेबल को तेज रफ्तार वाहन ने कुचला, मौके पर मौत

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। सोनीपत के कुंडली क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रैफिक जाम खुलवाने के दौरान हरियाणा पुलिस के हेड कांस्टेबल देवी दयाल की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह डायल-112 की ईआरवी टीम में तैनात थे और हाईवे पर खराब वाहन के कारण लगे जाम को हटवाने में जुटे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आरोपी चालक वाहन समेत फरार हो गया। साथी पुलिसकर्मियों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। देवी दयाल करीब 20 वर्षों से पुलिस सेवा में थे और अपने पीछे पत्नी व चार बच्चों का परिवार छोड़ गए हैं। कुंडली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान के प्रयास जारी हैं।

बिजली कर्मचारियों पर हमले में 14 दिन बाद भी कार्रवाई नहीं, विभाग में रोष

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

पानीपत में सरकारी ड्यूटी के दौरान बिजली निगम के कर्मचारियों पर हुए कथित जानलेवा हमले, मारपीट और उनकी मोटरसाइकिलों को आग लगाने के मामले में एफआईआर दर्ज होने के 14 दिन बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में भारी रोष है। कर्मचारियों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, थाना ओल्ड इंडस्ट्रियल में 21 जुलाई को एक नामजद आरोपी सहित कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, बिजली निगम के कर्मचारी कुलदीप और अमित कुमार 20 जुलाई की रात सिंहपुरा एपी फीडर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति संबंधी शिकायत की जांच के लिए गए थे। आरोप है कि काबड़ी स्थित एक डेरे के पास पहुंचते ही वहां

हमले और बाइक जलाने के मामले में कार्रवाई नहीं, विभाग ने पुलिस पर उठाए सवाल

मौजूद लोगों ने उनकी मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी और उनके साथ मारपीट की।

आरोपियों ने कर्मचारियों की बाइकों में आग लगा दी, जिससे सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न हुई और कर्मचारियों की जान भी खतरे में पड़ गई। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन दो सप्ताह बीत जाने के बावजूद आरोपियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से बिजली विभाग के कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

गांव की पेयजल व्यवस्था पर सवाल, दूषित पानी पीने से 26 लोग बीमार

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा। सिरसा जिले के डबवाली क्षेत्र के देसूजोधा गांव में दूषित पेयजल के कारण 26 से अधिक बच्चे, युवा और महिलाएं बीमार हो गए हैं। प्रभावित लोगों में पीलिया और लीवर संक्रमण के मामले सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले एक सप्ताह से गांव में पानी की टंकी से बिना पर्याप्त शुद्धिकरण के सीधे पानी की आपूर्ति की जा रही है, जिसके कारण संक्रमण तेजी से फैला। कई मरीजों का उपचार डबवाली के निजी और सरकारी अस्पतालों में चल रहा है, जबकि कुछ को घर पर ही चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पेयजल की गुणवत्ता की जांच कराने, टंकी की सफाई कराने और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर प्रभावित लोगों की जांच शुरू कर दी है तथा पानी के नमूने भी जांच के लिए भेजे हैं।

एकतरफा प्रेम में अंधे युवक ने स्कूल परिसर में महिला अध्यापिका पर ताबड़तोड़ चाकू से किया हमला

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

फरीदाबाद में एकतरफा प्यार की सनक ने एक महिला अध्यापिका की जान ले ली। स्कूल परिसर में घुसकर 25 वर्षीय अध्यापिका संध्या शर्मा की चाकू से हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी अमित को वारदात के करीब दो घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पिछले करीब एक वर्ष से संध्या का पीछा कर रहा था और उससे एकतरफा प्रेम करता था।

पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह आरोपी नकाब पहनकर सिकरौना स्थित सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल पहुंचा। उसने स्कूल की महिला सुरक्षाकर्मी से कहा कि संध्या के पति विक्की उन्हें बाहर बुला रहे हैं। जैसे ही संध्या स्कूल की गैलरी में पहुंचीं, आरोपी ने उनकी चोटी पकड़कर उन्हें बाहर खींच लिया और

चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने संध्या पर 34 बार चाकू से वार किए, जिनमें कई वार गर्दन और पेट पर किए गए। गंभीर रूप से घायल संध्या की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतका के पति विक्की गुर्जर ने बताया कि संध्या पहले सिरोही गांव के एक स्कूल में पढ़ाती थीं, जहां आरोपी अमित से उनकी पहचान हुई थी। कुछ समय बाद आरोपी उन्हें परेशान करने लगा, जिसके चलते पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। बाद में आरोपी ने माफी मांग ली, जिसके बाद मामला शांत हो गया। इसके बाद संध्या ने स्कूल बदल लिया और सिकरौना स्थित स्कूल में पढ़ाना शुरू कर दिया, ताकि किसी प्रकार की परेशानी से बचा जा सके।

विक्की ने बताया कि उनकी और संध्या की लव मैरिज हुई थी तथा उनके दो छोटे बच्चे हैं। संध्या दूसरी कक्षा तक के बच्चों को पढ़ाती थीं और प्रतिदिन अकेले स्कूल आती-जाती थीं। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि आरोपी ने पूरी योजना के साथ वारदात को अंजाम दिया।

रतिया में ठेके पर हथियारों से हमला कर नकदी लूटने वाले दो आरोपी काबू

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

फतेहाबाद जिले के रतिया क्षेत्र स्थित गांव घासवा के एक शराब ठेके पर हथियारों के बल पर फायरिंग, जानलेवा हमला और नकदी लूटने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पंजाब के मानसा जिले के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर तीसरे फरार साथी की तलाश में जुटी हुई है।

मंगलवार को थाना सदर रतिया के प्रभारी उपनिरीक्षक शीशपाल ने बताया कि कुलां निवासी मुकेश की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया। शिकायत के अनुसार, वह अपने भाई रणजीत से मिलने गांव घासवा स्थित शराब ठेके पर गया था। देर रात तीन अज्ञात युवक मुंह ढककर ठेके में घुस आए। उनके पास देशी पिस्तौल, गंडासा और तलवार जैसे घातक हथियार थे। आरोपियों ने आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और कर्मचारियों में दहशत फैलाने के उद्देश्य से पिस्तौल

घासवा शराब ठेके पर फायरिंग और डकैती मामले में पंजाब के दो आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े।

से दो राउंड फायर किए। इसके बाद आरोपियों ने मुकेश पर जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

वारदात के दौरान हमलावर ठेके के गल्ले से करीब 30 से 40 हजार रुपये की नकदी लूटकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद घायल मुकेश को तुरंत रतिया के नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटनास्थल से मिले सुरागों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पंजाब के मानसा जिले के गांव कुलरिया निवासी जशन सिंह और विजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है।

पूछताछ के दौरान वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियारों, लूटी गई नकदी की बरामदगी तथा फरार तीसरे आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि तीसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साथ ही मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

बारिश के दौरान मोटर में करंट लगने से महिला की हुई दर्दनाक मौत

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

फरीदाबाद के गांव गौंछी में मंगलवार को बारिश के दौरान करंट लगने से 30 वर्षीय महिला की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब महिला घर में पानी भरने के लिए लगी मोटर चलाने गई थी। मोटर में पाइप लगाते समय वह करंट की चपेट में आ गई। गंभीर हालत में परिजन उसे तुरंत एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान गांव गौंछी निवासी रोशन खातून (30) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि लगातार बारिश के कारण मोटर में करंट आ गया था। जैसे ही रोशन खातून ने मोटर में पाइप लगाया, उसका हाथ मोटर से छू गया और उसे तेज बिजली का झटका लगा। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य भी घर पर मौजूद थे। हादसे के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं

बच सकी। मृतका के पति मोहम्मद अरमान एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। घटना की सूचना मिलते ही मुजेसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए ईएसआई मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

थाना प्रभारी पूर्ण सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला करंट लगने से हुई मौत का प्रतीत होता है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है तथा हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस ने लोगों से बारिश के दौरान बिजली से चलने वाले उपकरणों और मोटरों का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। साथ ही तकनीकी जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात भी कही है।

ग्लासगो से लौटे पदक विजेता खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत, सात अगस्त को मिलेगा सम्मान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाने वाले भारतीय पदक विजेता खिलाड़ियों का भारत लौटने पर नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर भव्य स्वागत किया गया। खिलाड़ियों के स्वागत के दौरान उत्साह का माहौल देखने को मिला और उन्हें फूलों के गुलदस्ते देकर सम्मानित किया गया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने कुल 39 पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। इनमें 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल हैं। इस उपलब्धि के साथ भारत ने विश्व खेल पटल पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। हरियाणा के खिलाड़ियों का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। प्रदेश के 11 खिलाड़ियों ने पदक जीतकर देश और राज्य का नाम रोशन किया। भारत को मिले 13 स्वर्ण पदकों में से 7 स्वर्ण पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते, और सभी स्वर्ण पदक मुक्केबाजों के खाते में आए। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह

कॉमनवेल्थ में चमके हरियाणा के खिलाड़ियों का शानदार अभिनंदन।

सैनी के विशेष प्रतिनिधि के रूप में खेल एवं कानून राज्यमंत्री गौरव गौतम एयरपोर्ट पहुंचे।

उन्होंने मुख्यमंत्री की ओर से सभी पदक विजेताओं का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि उनकी सफलता ने पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा किया है तथा युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने की नई प्रेरणा दी है। गौरव गौतम ने कहा कि हरियाणा सरकार खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने और प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 7 अगस्त को चंडीगढ़ में सभी पदक विजेता खिलाड़ियों से मुलाकात करेंगे।

इस अवसर पर राज्य सरकार की खेल नीति के अनुसार खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि हरियाणा के खिलाड़ी भविष्य में भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाते रहेंगे। खिलाड़ियों ने मिले सम्मान के लिए हरियाणा सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी वे बेहतर प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करने का पूरा प्रयास करेंगे।

हरियाणा में 9 अगस्त से 17 अगस्त तक होगा तिरंगा यात्रा का आयोजन

वंदे मातरम् थीम पर होगा तिरंगा अभियान, स्कूलों में आयोजित होंगी विविध प्रतियोगिताएं

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में हर वर्ष की तरह इस बार भी 9 अगस्त से 17 अगस्त तक तिरंगा यात्रा और 'हर घर तिरंगा' अभियान का व्यापक स्तर पर आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत शुरू किया गया हर घर तिरंगा अभियान अब एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशव्यापी जन आंदोलन और राष्ट्रीय उत्सव का स्वरूप ले चुका है। इस बार अभियान को 'वंदे मातरम्' की भावना को समर्पित किया गया है, जिससे नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा से जोड़ा जा सके।

मंगलवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हर घर तिरंगा और वंदे मातरम् को साथ लेकर चलना देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान प्रदेशभर के स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शिक्षण संस्थानों में तिरंगे तथा वंदे मातरम् के इतिहास पर आधारित प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। इसके अलावा निबंध लेखन, चित्रकला, भाषण

और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को भी विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे, ताकि युवा पीढ़ी देश की आजादी के संघर्ष और बलिदानों से प्रेरणा ले सके।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 9 अगस्त को महेंद्रगढ़ में वंदे मातरम् की भावना से ओतप्रोत तिरंगा कॉन्सर्ट आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और नागरिकों की भागीदारी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने का माध्यम बनेगा।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2021 में घोषित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के तहत इस वर्ष भी 14 अगस्त को पूरे देश में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। हरियाणा में इसका राज्य स्तरीय आयोजन गुरुग्राम में होगा। 13 अगस्त को विभाजन की त्रासदी और उससे जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित विशेष प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जबकि 14 अगस्त की शाम कैंडल लाइट मौन यात्रा आयोजित कर विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री सैनी ने बताया कि 29 जुलाई से शुरू किया गया 'गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान' 20 फरवरी 2027 तक चलेगा। इस अभियान का शुभारंभ संत गुरु रविदास जी की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी से हुआ है। वहां से पवित्र मिट्टी से युक्त कलशों का पूजन कर विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को सौंपा गया। यह कलश यात्रा अब देशभर में पहुंच रही है और हरियाणा के गुरुग्राम भी पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य सामाजिक समरसता, समानता और संत गुरु रविदास के विचारों का व्यापक प्रचार-प्रसार करना है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत ने 39 पदक जीतकर प्रतियोगिता में चौथा स्थान प्राप्त किया है। इनमें हरियाणा के खिलाड़ियों ने 10 पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि भारत को मिले 13 स्वर्ण पदकों में से 7 स्वर्ण पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं, जिनमें 5 बेटियां शामिल हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खेलों को बढ़ावा देने वाली नीतियों, आधुनिक खेल सुविधाओं और खिलाड़ियों को दिए जा रहे प्रोत्साहन का सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि हरियाणा के खिलाड़ी भविष्य में भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

मानसून की पहली झमाझम बारिश जलभराव ने खोली व्यवस्थाओं की पोल

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

पानीपत में मानसून की पहली अच्छी बारिश ने भीषण गर्मी और उमस से लोगों को बड़ी राहत दिलाई। सुबह करीब 11 बजे शुरू हुई झमाझम बारिश लगभग ढाई घंटे तक लगातार होती रही। इसके बाद भी हल्की बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहा, जिससे मौसम पूरी तरह सुहावना हो गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। लंबे समय से गर्मी से परेशान लोगों ने राहत की सांस ली।

हालांकि, इस बारिश ने नगर निगम की जल निकासी व्यवस्था की पोल भी खोल दी। शहर की कई प्रमुख सड़कों, बाजारों और निचले इलाकों में भारी जलभराव हो गया। कई स्थानों पर सड़कें तालाब जैसी नजर आईं, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को सबसे अधिक दिक्कत हुई। कई जगह वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात भी प्रभावित रहा।

बारिश के कारण बाजारों में भी रौनक कम रही। दुकानों के सामने पानी भर जाने से व्यापारियों को भी परेशानी उठानी पड़ी। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के दौरान शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन जाती है, लेकिन इसके बावजूद स्थायी समाधान नहीं किया गया है। लोगों ने नगर निगम की जल निकासी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए इसे सुधारने की मांग की। बारिश के बाद नगर

निगम की टीमों ने कई स्थानों पर पानी निकालने का कार्य शुरू किया, लेकिन कई इलाकों में देर तक पानी भरा रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को मजबूत नहीं किया गया तो आगामी बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी क्षेत्र में बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन को जलभराव की समस्या से निपटने के लिए प्रभावी इंतजाम करने होंगे, ताकि नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रखने और संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि भारी बारिश के दौरान जलभराव वाले क्षेत्रों से बचें तथा किसी भी आपात स्थिति की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली-मेरठ मार्ग पर नमो भारत का जलवा, एक दिन में रिकॉर्ड 1.5 लाख यात्री

एजेंसी ,नई दिल्ली दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर पर सोमवार को यात्रियों की संख्या ने नया रिकॉर्ड कायम किया। रात 10 बजे आखिरी ट्रेन के रवाना होने के साथ ही इस कॉरिडोर पर एक दिन में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या 1,50,000 के आंकड़े को पार कर गई। यह उपलब्धि क्षेत्र में तेज, सुरक्षित और आरामदायक परिवहन व्यवस्था की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। नमो भारत ट्रेन दिल्ली-मेरठ मार्ग पर यात्रियों के लिए एक सुविधाजनक विकल्प बनती जा रही है। कम समय में लंबी दूरी तय करने और बेहतर यात्री सुविधाओं के कारण लोग इस सेवा को प्राथमिकता दे रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी का एक कारण कांवड़ यात्रा के दौरान बढ़ा यातायात दबाव भी रहा। नमो भारत कॉरिडोर के संचालन से दिल्ली, गाजियाबाद और मेरठ के बीच आवागमन पहले की तुलना में आसान हुआ है। इससे नौकरी, व्यापार और अन्य जरूरी कार्यों के लिए रोजाना यात्रा करने वाले लोगों को बड़ी राहत मिली है। अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की बढ़ती संख्या इस बात का संकेत है कि लोग आधुनिक और तेज सार्वजनिक परिवहन को अपना रहे हैं। भविष्य में कॉरिडोर के विस्तार और बेहतर सुविधाओं के साथ यात्रियों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। यह परियोजना क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

केशव मौर्य के बयान से यूपी की राजनीति गरमाई, सपा-कांग्रेस ने जताया विरोध

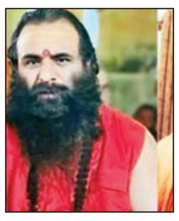

एजेंसी, नई दिल्ली उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मदरसों को लेकर दिए गए बयान के बाद प्रदेश में राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। मौर्य के बयान, जिसमें उन्होंने कहा कि 'मदरसा कहीं भी हो आतंकवाद ही पैदा करते हैं ', को लेकर विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध जताया है। समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने उपमुख्यमंत्री के बयान को लेकर आपत्ति दर्ज कराई है। विपक्ष का कहना है कि इस तरह के बयान समाज में विभाजन पैदा कर सकते हैं और सभी मदरसों को एक नजर से देखना उचित नहीं है। वहीं, इस विवाद के बीच संतों के प्रमुख संगठन अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने केशव प्रसाद मौर्य के बयान का समर्थन किया है। परिषद ने कहा कि देश की सुरक्षा और सामाजिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ऐसे मुद्दों पर चर्चा जरूरी है। बयान को लेकर दोनों पक्षों के बीच राजनीतिक बहस तेज हो गई है। जहां विपक्ष इसे लेकर सरकार पर निशाना साध रहा है, वहीं समर्थक इसे सुरक्षा से जुड़े मुद्दे के रूप में देख रहे हैं। मामले ने प्रदेश की राजनीति में नई चर्चा को जन्म दे दिया है और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर सियासी बयानबाजी और तेज होने की संभावना है।

ग्रेटर नोएडा में फौजी की दबंगई, दुकानदार पर फायरिंग के बाद गिरफ्तार

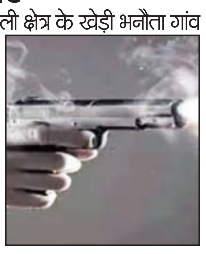

एजेंसी, नई दिल्ली ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के खेड़ी भनौता गांव में गुटखा मांगने को लेकर हुए विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। आरोप है कि पड़ोसी ने दुकानदार पर गोली चला दी, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान फौजी के रूप में हुई है। विवाद उस समय शुरू हुआ जब आरोपी दुकानदार की दुकान पर गुटखा लेने पहुंचा। किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई, जिसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर अपनी लाइसेंसी पिस्टल से दुकानदार पर फायरिंग कर दी। गोली दुकानदार के पेट को चीरते हुए आर-पार निकल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, घायल की हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में इस्तेमाल की गई लाइसेंसी पिस्टल भी बरामद कर ली है। मामले की जांच जारी है और पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एअर इंडिया की फ्लाइट में खतरनाक टर्बुलेंस 14 लोग घायल ; पायलटों ने बचाया बड़ा हादसा

एजेंसी, नई दिल्ली

थाइलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की उड़ान एआई-2379 में अचानक आए तेज टर्बुलेंस के कारण 14 लोग घायल हो गए। हादसे के दौरान विमान को तेज झटके महसूस हुए, जिससे यात्रियों और क्रू सदस्यों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। घटना में 10 यात्री और चालक दल के 4 सदस्य मामूली रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार, विमान जब हवा में उड़ान भर रहा था, तभी अचानक तेज हवाओं के क्षेत्र में पहुंच गया। इसके कारण विमान तेजी से हिलने लगा और यात्रियों को झटके महसूस हुए। कुछ यात्रियों और क्रू सदस्यों को चोटें आईं।

हालांकि, पायलटों ने स्थिति को संभालते हुए विमान को सुरक्षित तरीके से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतार लिया। विमान के दिल्ली पहुंचने के बाद सभी घायलों को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया।

अधिकारियों के अनुसार, सभी घायलों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई है। टर्बुलेंस हवाई यात्रा के दौरान होने वाली एक सामान्य लेकिन अचानक आने वाली घटना है। यह तब होता है जब विमान अलग-अलग गति और दिशा वाली हवा की धाराओं से गुजरता है। कई बार मौसम में बदलाव, तेज हवाएं, बादलों के अंदर मौजूद अस्थिर वायु क्षेत्र या जेट स्ट्रीम जैसी स्थितियां विमान को झटका दे सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, आधुनिक विमान इस तरह की परिस्थितियों को झेलने के लिए बनाए जाते हैं। यात्रियों को ऐसी स्थिति में सीट बेल्ट बांधकर रखना चाहिए, ताकि अचानक झटकों के दौरान चोट लगने का खतरा कम हो सके।

एअर इंडिया ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि विमान में मौजूद चालक दल ने सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया और यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी। विमान के सुरक्षित उतरने के बाद स्थिति पूरी तरह नियंत्रित कर ली गई।

एआई वीडियो विवाद पहुंचा अदालत मेटा को मिली हटाने की समय सीमा

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने सोशल मीडिया कंपनी मेटा को समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलीम इकबाल शेरवानी से जुड़े एक एआई-जनरेटेड वीडियो को हटाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने मेटा को निर्देश दिया है कि वह संबंधित वीडियो को 36 घंटे के भीतर अपने प्लेटफॉर्म से हटा दे। मामला उस वीडियो से जुड़ा है, जिसमें कथित तौर पर सलीम इकबाल शेरवानी पर इलाहाबाद में अतीक अहमद को गैंगस्टर बनने में मदद करने का आरोप लगाया गया था।

शेरवानी की ओर से इस वीडियो पर आपत्ति जताई गई थी और इसे भ्रामक तथा उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाला बताया गया था। याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाली ऐसी सामग्री को लेकर सावधानी बरतना जरूरी है, खासकर जब वह किसी व्यक्ति की छवि और प्रतिष्ठा को प्रभावित कर सकती हो।

कोर्ट ने मेटा को संबंधित सामग्री हटाने के निर्देश दिए। एआई तकनीक के जरिए बनाए गए वीडियो और गलत सूचनाओं के प्रसार को लेकर हाल के समय में कई मामले सामने आए हैं। ऐसे मामलों में अदालतें सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी और ऑनलाइन सामग्री की निगरानी पर जोर दे रही हैं। मामले में कोर्ट के आदेश के बाद अब मेटा को तय समय सीमा के भीतर वीडियो हटाने की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। वहीं, इस मामले को लेकर राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है।

आगरा में स्मार्ट मीटर बना सिरदर्द, हजारों से बढ़कर 25 हजार पहुंचा बिजली बिल

स

आगरा में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद कई बिजली उपभोक्ता बढ़े हुए बिलों से परेशान हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि उनकी सहमति के बिना पुराने मीटर हटाकर नए स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जिसके बाद बिजली बिल कई गुना बढ़ गए हैं। शिकायत करने के बावजूद दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (डीवीवीएनएल) की ओर से समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। बिचपुरी क्षेत्र के गांव सहारा निवासी महेश का कहना है कि उन्होंने न तो नया बिजली कनेक्शन लिया था और न ही उनका पुराना मीटर खराब था।

इसके बावजूद उनका पुराना मीटर हटाकर स्मार्ट मीटर लगा दिया गया। इसी तरह कुकथला उपकेंद्र क्षेत्र के मुन्नालाल और रोशनलाल के घरों में भी स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। उपभोक्ताओं के अनुसार, स्मार्ट मीटर लगने से पहले उनका बिजली बिल करीब सात से आठ हजार रुपये तक आता था, लेकिन अब यह बढ़कर लगभग 25 हजार रुपये तक पहुंच गया है। अचानक बढ़े बिलों ने उनकी परेशानी बढ़ा दी है। उपभोक्ताओं का कहना है कि वे कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं मिला है। बिजली उपभोक्ता अपनी समस्या लेकर एसडीओ और अधिशासी अभियंता कार्यालय के लगातार चक्कर लगा रहे हैं। उनका आरोप है कि अधिकारियों से मिलने के बाद भी उनकी शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है।

आजमगढ़ में टप्पेबाज गिरोह सरगना गिरफ्तार,4 साथी दबोचे

एजेंसी, नई दिल्ली

आजमगढ़ के सिधारी थाना पुलिस ने मंगलवार तड़के मुठभेड़ के बाद अंतरराज्यीय टप्पेबाज गिरोह के सरगना ध्यान सिंह को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके चार अन्य साथियों को भी दबोचने में सफलता हासिल की है। बताया जा रहा है कि यह गिरोह आजमगढ़ समेत कई जिलों में सक्रिय था और लोगों को नकली दवाएं बेचकर ठगी करता था। इसके अलावा गिरोह के सदस्य चोरी की घटनाओं में भी शामिल रहे हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों में ध्यान सिंह निवासी वाकरपुर अटायन, थाना भोजपुर, जनपद मुरादाबाद, छत्रपाल निवासी गदरपुर, उधमसिंह नगर (उत्तराखंड), कुलदीप निवासी भोजपुर, राजा निवासी वाकरपुर अटायन और सरिता सिंह शामिल हैं। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने गिरोह के सरगना को घायल हालत में पकड़ लिया।

गाजियाबाद में हादसे के बाद तनाव कांवड़ियों ने एंबुलेंस चालक को पीटा

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद के मुरादनगर क्षेत्र में दिल्ली-मेरठ मार्ग पर सोमवार सुबह एक हादसे के बाद हंगामा हो गया। रेलवे रोड के सामने एक एंबुलेंस ने कांवड़ियों की ट्रॉली में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कांवड़ खंडित हो गई। घटना के बाद कांवड़ियों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने एंबुलेंस चालक को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। कांवड़ियों ने सड़क पर हंगामा करते हुए कुछ समय के लिए यातायात भी रोक दिया, जिससे दिल्ली-मेरठ मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। एंबुलेंस करीब 50 मिनट तक जाम में फंसी रही।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर कांवड़ियों को समझाया और शांत कराया। इसके बाद यातायात व्यवस्था को सामान्य कराया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और एंबुलेंस चालक से भी घटना के संबंध में जानकारी ली जा रही है। बताया जा रहा है कि कांवड़ यात्रा के दौरान मार्गों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल और वाहनों के माध्यम से यात्रा कर रहे हैं। ऐसे में प्रशासन की ओर से वाहन चालकों को सावधानी बरतने की अपील की जा रही है। पुलिस का कहना है कि किसी भी विवाद को बढ़ने नहीं दिया जाएगा और नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी रही, लेकिन पुलिस की मौजूदगी से हालात सामान्य हो गए। अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और यात्रा के दौरान सतर्कता बरतने की अपील की है। प्रशासन ने कांवड़ यात्रा मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था और बढ़ा दी है। पुलिस ने वाहन चालकों से सावधानी बरतने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा का ध्यान रखने की अपील की है।

कांवड़ ट्रॉली से टक्कर, चालक की पिटाई

नोएडा में ड्यूटी से गायब 4 डॉक्टरों की कटी सैलरी, 3 से मांगा लिखित जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा जिला कारागार में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर के दौरान ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले डॉक्टरों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) के निर्देश पर चार डॉक्टरों का एक दिन का वेतन रोकने का आदेश जारी किया गया है। साथ ही जिला अस्पताल के तीन डॉक्टरों से लिखित स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। अधिकारियों का कहना है कि सरकारी ड्यूटी में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

जानकारी के अनुसार, जिला कारागार में बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया था। इस शिविर में विभिन्न विभागों के डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई थी, ताकि सभी कैदियों की समय पर स्वास्थ्य जांच की जा सके। लेकिन निर्धारित समय पर कुछ डॉक्टर मौके पर नहीं पहुंचे, जिससे स्वास्थ्य जांच की प्रक्रिया प्रभावित हुई। मामले की जानकारी मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों ने इसकी जांच कराई और अनुपस्थिति की पुष्टि होने पर कार्रवाई की गई।

सीएमओ ने स्पष्ट किया कि सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य शिविरों में तैनात डॉक्टरों की जिम्मेदारी है कि वे समय पर अपनी ड्यूटी निभाएं। विशेष रूप से जेल जैसे संवेदनशील संस्थानों में स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही गंभीर मानी जाती है। इसी कारण चार डॉक्टरों का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि तीन डॉक्टरों से यह पूछा गया है कि वे निर्धारित ड्यूटी पर क्यों उपस्थित नहीं हुए। स्वास्थ्य विभाग ने संकेत दिए हैं कि यदि लिखित जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया, तो संबंधित डॉक्टरों के खिलाफ आगे भी विभागीय कार्रवाई की जा सकती है।

गाजियाबाद के 30% उपभोक्ता अभी बाकी, जल्द पूरी करें ई-केवाईसी प्रक्रिया

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना सामने आई है। उपभोक्ताओं को 15 अगस्त से पहले अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कराना अनिवार्य किया गया है। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर ई-केवाईसी नहीं कराई जाती है, तो उपभोक्ताओं को सब्सिडी वाले सिलिंडर का लाभ नहीं मिल सकता और उन्हें महंगे दाम पर गैस सिलिंडर खरीदना पड़ सकता है। इससे उनकी जेब पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ सकता है। गाजियाबाद में अभी भी करीब 30 प्रतिशत घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं ने ई-केवाईसी पूरी नहीं कराई है। गैस एजेंसियों और तेल कंपनियों की ओर से लगातार उपभोक्ताओं से जल्द से जल्द यह प्रक्रिया पूरी करने की अपील की जा रही है। ई-केवाईसी कराने के लिए उपभोक्ता अपने नजदीकी गैस वितरण केंद्र पर जाकर प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

एसएससी ने शुरू की चयनित अभ्यर्थियों की पहचान जांच, अंतिम परिणाम से पहले होगी प्रक्रिया पूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

कर्मचारी चयन आयोग ने स्टेनोग्राफर ग्रेड-सी और डी परीक्षा-2025 के चयनित अभ्यर्थियों के लिए पहचान सत्यापन कार्यक्रम शुरू कर दिया है। आयोग ने प्रथम चरण की अस्थायी आवंटन सूची में शामिल उम्मीदवारों के लिए पहचान सत्यापन से जुड़ी प्रक्रिया जारी की है। आयोग के अनुसार, चयनित अभ्यर्थियों को अंतिम परिणाम में शामिल होने से पहले अपनी पहचान सत्यापन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। सत्यापन पूरा होने के बाद ही उम्मीदवारों की अंतिम चयन सूची तैयार की जाएगी।

इसके लिए अभ्यर्थियों को निर्धारित समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना होगा। एसएससी ने सभी उम्मीदवारों को निर्देश दिया है कि वे सत्यापन प्रक्रिया से संबंधित सभी जानकारी ध्यानपूर्वक पढ़ें और मांगे गए दस्तावेज तैयार रखें। किसी भी प्रकार की गलत जानकारी या दस्तावेजों में कमी पाए जाने पर अभ्यर्थियों की उम्मीदवारी प्रभावित हो सकती है। स्टेनोग्राफर ग्रेड-सी और डी भर्ती परीक्षा-2025 में शामिल अभ्यर्थियों के लिए यह प्रक्रिया नियुक्ति से पहले का महत्वपूर्ण चरण है। आयोग का उद्देश्य पहचान सत्यापन के माध्यम से चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखना है।

अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे कर्मचारी चयन आयोग की आधिकारिक सूचनाओं पर लगातार नजर रखें और निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर लें। पहचान सत्यापन सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद ही चयनित उम्मीदवारों को अंतिम परिणाम में स्थान दिया जाएगा। पहचान सत्यापन पूरा होने के बाद ही उम्मीदवारों को अंतिम परिणाम में शामिल किया जाएगा। एसएससी ने अभ्यर्थियों से समय पर दस्तावेज जमा करने की अपील की है।

एसएससी ने चयनित अभ्यर्थियों का सत्यापन शुरू किया

दिल्ली-दमन डायरेक्ट फ्लाइट से सफर होगा आसान, व्यापार और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

सीधी उड़ान से दिल्ली-दमन की दूरी हुई कम, पर्यटन और कारोबार को नई उड़ान

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली और दमन के बीच एलायंस एयर द्वारा सीधी हवाई सेवा शुरू होने के साथ ही राजधानी के **इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई)** एयरपोर्ट का घरेलू नेटवर्क और मजबूत हो गया है। इस नई उड़ान के शुरू होने के बाद आईजीआई एयरपोर्ट से देश के कुल 90 घरेलू गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें उपलब्ध हो गई हैं। इसमें नियमित उड़ानों के साथ-साथ खजुराहो और जैसलमेर जैसे मौसमी शीतकालीन गंतव्य भी शामिल हैं। नई सेवा से दिल्ली और दमन के बीच यात्रा पहले की तुलना में अधिक आसान, तेज और सुविधाजनक हो जाएगी।

एलायंस एयर की यह पहल खासतौर पर व्यापारियों, उद्योग जगत से जुड़े लोगों, पर्यटकों और नियमित यात्रियों के लिए बड़ी राहत लेकर आई है। अब यात्रियों को दमन पहुंचने के लिए दूसरे शहरों में रुककर उड़ान बदलने की आवश्यकता नहीं होगी। सीधी उड़ान शुरू होने से यात्रा का समय कम होगा, खर्च में भी कमी आएगी और सफर अधिक आरामदायक बनेगा। इससे व्यावसायिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है। दमन अपनी समुद्री तटरेखा, शांत वातावरण, पुर्तगाली वास्तुकला और पर्यटन स्थलों के कारण देशभर के पर्यटकों को आकर्षित करता है। वहीं दिल्ली देश का प्रमुख राजनीतिक, प्रशासनिक और व्यावसायिक केंद्र होने के कारण दोनों शहरों के बीच यात्रा की मांग लगातार बढ़ रही थी। ऐसे में सीधी उड़ान शुरू होने से पर्यटन उद्योग को भी नया प्रोत्साहन मिलेगा। होटल, ट्रैवल एजेंसियों, स्थानीय कारोबारियों और सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी इसका लाभ मिलने की संभावना है।

आईजीआई एयरपोर्ट लगातार अपने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का विस्तार कर रहा है ताकि यात्रियों को अधिक से अधिक शहरों तक सीधी हवाई कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जा सके। 90 घरेलू गंतव्यों तक पहुंचना एयरपोर्ट के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे दिल्ली की देशभर के प्रमुख शहरों और पर्यटन स्थलों से कनेक्टिविटी पहले से अधिक मजबूत हुई है। विमानन क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि नई उड़ान सेवा से यात्रियों की संख्या में वृद्धि होगी और क्षेत्रीय संपर्क योजना को भी मजबूती मिलेगी। आने वाले समय में यदि इस मार्ग पर यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ती है, तो उड़ानों की आवृत्ति बढ़ाने की संभावना भी बन सकती है। नई सेवा से व्यापार, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ यात्रियों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का बेहतर विकल्प उपलब्ध होगा। नई सीधी उड़ान से दिल्ली और दमन के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूती मिलने की उम्मीद है। पर्यटन क्षेत्र को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा, क्योंकि अब अधिक पर्यटक कम समय में दमन पहुंच सकेंगे। विमानन विशेषज्ञों के अनुसार, बेहतर हवाई संपर्क से निवेश, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा तथा यात्रियों को अधिक सुविधाजनक यात्रा विकल्प उपलब्ध होंगे।

एलायंस एयर ने दिल्ली-दमन सीधी उड़ान सेवा शुरू की

जर्मनी से गणित में पीएचडी कर डॉ. महिमा यादव ने बढ़ाया देश का मान

एजेंसी, नई दिल्ली

शहर के कालका रोड स्थित विकास नगर निवासी संजय यादव की बेटी डॉ. महिमा यादव ने अपनी प्रतिभा, कठिन परिश्रम और उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। उन्होंने जर्मनी की एक प्रतिष्ठित सरकारी विश्वविद्यालय से गणित विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। अपने शोध कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें विश्वविद्यालय की ओर से 'एक्सीलेंट अवॉर्ड' से भी सम्मानित किया गया, जो उनके शोध की गुणवत्ता और समर्पण का प्रमाण है। डॉ. महिमा की इस उपलब्धि से उनके परिवार, शहर और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रही महिमा ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लक्ष्य पर लगातार मेहनत की और विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त कर नई पहचान बनाई। उनका शोध गणित के क्षेत्र में महत्वपूर्ण माना जा रहा है और भविष्य में इससे अकादमिक जगत को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। परिजनों और शुभचिंतकों ने उनकी सफलता पर गर्व जताते हुए कहा कि महिमा की उपलब्धि युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा है।

गुरुग्राम में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर सख्ती, एक हफ्ते में 22,492 चालान

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'चालान नहीं, सलाम मिलेगा' अभियान के तहत एनएच-48, द्वारका एक्सप्रेसवे और मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक सप्ताह के विशेष अभियान में 22,492 वाहनों के चालान किए। इस कार्रवाई के दौरान कुल 1.12 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। पुलिस का कहना है कि अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि लोगों में सुरक्षित और जिम्मेदार ड्राइविंग की आदत विकसित करना है। अभियान के दौरान ओवरस्पीडिंग, बिना सीट बेल्ट वाहन चलाना, हेलमेट नहीं पहनना, गलत दिशा में वाहन चलाना, मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए ड्राइविंग, रेड लाइट जंप करना और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर विशेष निगरानी रखी गई।

ट्रैफिक पुलिस की अलग-अलग टीमों ने प्रमुख मार्गों पर लगातार जांच अभियान चलाया, जिससे बड़ी संख्या में नियम तोड़ने वाले वाहन चालक कार्रवाई के दायरे में आए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभियान के तहत नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को सम्मानपूर्वक अभिवादन कर जागरूक भी किया जा रहा है। उनका मानना है कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की साझी जिम्मेदारी है। इसलिए लोगों को दंड के डर से नहीं, बल्कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में भी यह अभियान जारी रहेगा। अधिकारियों ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए यातायात नियमों का पूरी ईमानदारी से पालन करें।

कोई भी मजहब बेगुनाहों के खून की इजाजत नहीं देता: उमर अब्दुल्ला

आतंकवाद पर सीएम का बड़ा बयान, कहा बेगुनाहों की हत्या इंसानियत के खिलाफ अपराध

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दक्षिण कश्मीर में हुए हालिया आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि दुनिया का कोई भी मजहब बेगुनाह लोगों की हत्या की इजाजत नहीं देता। उन्होंने कहा कि निर्दोष नागरिकों की जान लेना न केवल इंसानियत के खिलाफ अपराध है, बल्कि किसी भी धर्म और सभ्य समाज के मूल सिद्धांतों के भी विपरीत है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म, जाति या मजहब नहीं होता और ऐसे कृत्यों को किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर स्थित रॉयल स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स में आयोजित जे एंड के ओपन 2026 (पीजीटीआई) टूर्नामेंट के दौरान पत्रकारों से बातचीत में इस हमले पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि दक्षिण कश्मीर में हुई घटना अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। निर्दोष लोगों पर हमला करने वाले मानवता के दुश्मन हैं और उनके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में शांति, सुरक्षा और विकास का माहौल रहेगा: सीएम

मुख्यमंत्री ने दोहराया कि उनकी सरकार जम्मू-कश्मीर में शांति, सुरक्षा और विकास का माहौल बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर नागरिक की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाते रहेंगे।

बेगुनाहों का खून किसी मजहब को मंजूर नहीं, आतंकी हमले पर उमर का सख्त संदेश

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा एजेंसियों से भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए और अधिक सतर्कता बरतने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखना और किसी भी संभावित खतरे को समय रहते पता लगाना सुरक्षा तंत्र की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास जताया कि सुरक्षा एजेंसियां हमले के दोषियों को जल्द कानून के दायरे में लाएंगी और ऐसे तत्वों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करेंगी। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग शांति, विकास और सामान्य जीवन चाहते हैं। कुछ आतंकी घटनाओं के माध्यम से प्रदेश की शांति और सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन ऐसे प्रयास कभी सफल नहीं होंगे। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने, अफवाहों से दूर रहने और प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता और जनता का सहयोग आतंकवाद के खिलाफ सबसे बड़ी ताकत है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार प्रदेश में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल सुरक्षा बलों की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी नागरिकों को मिलकर ऐसे तत्वों के मंसूबों को विफल करना होगा जो भय और हिंसा का माहौल पैदा करना चाहते हैं।

जेएंडके ओपन गोल्फ टूर्नामेंट अब हर साल होगा आयोजित

उमर अब्दुल्ला का ऐलान, जम्मू-कश्मीर बनेगा गोल्फ पर्यटन का नया केंद्र

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को नई दिशा देने की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने घोषणा की है कि जम्मू-कश्मीर ओपन गोल्फ टूर्नामेंट अब हर साल आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गोल्फ पर्यटन को प्रदेश की पर्यटन नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाएगा। सरकार का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर को केवल घूमने-फिरने की जगह के रूप में नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करना है।

श्रीनगर के प्रसिद्ध रॉयल स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स में आयोजित जेएंडके ओपन 2026 के उद्घाटन और टी-ऑफ समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रतियोगिता को भारत के गोल्फ कैलेंडर में स्थायी स्थान दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता, मौसम और बेहतर गोल्फ मैदान इसे इस खेल के लिए उपयुक्त स्थान बनाते हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए गोल्फ अकादमी की स्थापना की जाएगी।

पर्यटन को नई पहचान देगा गोल्फ टूर्नामेंट

जम्मू-कश्मीर पहले से ही अपनी पहाड़ियों, झीलों और प्राकृतिक सौंदर्य के कारण देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है। अब सरकार खेल पर्यटन के माध्यम से पर्यटकों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रही है। गोल्फ टूर्नामेंट के आयोजन से होटल, परिवहन, स्थानीय व्यापार और पर्यटन से जुड़े अन्य क्षेत्रों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है।

खेल संस्कृति को मिलेगी मजबूती

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर ओपन को एक बड़े आयोजन के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे देश और दुनिया के गोल्फ खिलाड़ी यहां पहुंचेंगे। इससे प्रदेश की खेल संस्कृति को मजबूती मिलेगी और जम्मू-कश्मीर की नई पहचान बनेगी। सरकार की यह पहल पर्यटन और खेल क्षेत्र में विकास के नए रास्ते खोल सकती है।

पर्यटन और खेल के बीच स्थापित होंगें नए संबंध

जम्मू-कश्मीर में गोल्फ को बढ़ावा देने की यह पहल पर्यटन और खेल के बीच एक नया संबंध स्थापित कर सकती है। इससे प्रदेश की पहचान एक खूबसूरत पर्यटन स्थल के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के केंद्र के रूप में भी मजबूत होने की उम्मीद है। साथ ही, अन्य प्रदेशों के लिए भी यह एक प्रकार का मार्गदर्शन होगी।

न्यूज ब्रीफ

सात दिन वेंटिलेटर पर रहने के बाद लौटी निगत की सांसें

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। श्रीनगर की रहने वाली निगत नसरीन को गंभीर लिवर फेल्योर के बाद अंगदान से नया जीवन मिला। हालत बिगड़ने पर उन्हें सात दिन तक वेंटिलेटर पर रखा गया था। इसी दौरान सड़क हादसे में जान गंवाने वाली एक अज्ञात महिला के परिवार ने अंगदान का फैसला लिया और उनका लिवर निगत के जीवन को बचाने में मददगार बना। सफल लिवर प्रत्यारोपण के बाद निगत अब स्वस्थ जीवन जी रही हैं। उनके संघर्ष और हिम्मत को देखते हुए केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने उन्हें सम्मानित भी किया। यह घटना अंगदान की महत्ता को दर्शाती है।

964 अमरनाथ यात्रियों का नया जत्था बालटाल के लिए रवाना

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। श्री अमरनाथ की पवित्र गुफा के दर्शन के लिए 964 तीर्थयात्रियों का नया जत्था मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। जम्मू पुलिस कंट्रोल रूम के अधिकारियों के अनुसार 27वां जत्था तड़के 3:05 बजे 39 गाड़ियों के साथ रवाना हुआ। इनमें 21 बसें, 8 मीडियम मोटर वाहन और 10 लाइट मोटर वाहन शामिल हैं। इस जत्थे में 744 पुरुष, 177 महिलाएं, एक बच्चा, 32 साधु और 10 साध्वियां शामिल हैं। इसके साथ ही जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से रवाना होने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 1,41,712 हो गई है। इस बीच मंगलवार को बालटाल बेस कैंप से जम्मू के लिए लौटने वाले लगभग 2000 तीर्थयात्रियों 25वां जत्था भी रवाना हुआ।

पुंछ ज़िले की मंडी तहसील में स्थानीय नाले में बह जाने से 66 वर्षीय महिला की मौत

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ ज़िले की मंडी तहसील के गगड्यां-सावजियान इलाके में एक स्थानीय नाले में बह जाने से 66 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान दाना गगड्यां की रहने वाली मुख्तार अहमद की पत्नी सरवारा बेगम के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि सोमवार को वह नाले में बह गई थीं। मंगलवार सुबह पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से गगड्यां से लगभग सात किलोमीटर दूर चंबर दाती गल्ला नदी से उनका शव बरामद किया गया।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक एलपीजी टैंकर के टायर में लगी आग, बड़ा हादसा टला

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के चंदरकोट के पास जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक एलपीजी टैंकर के टायर में आग लग गई। आग को एलपीजी टैंकर तक फैलने से पहले ही काबू में कर लिया गया जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। अधिकारियों ने बताया कि टैंकर जम्मू से श्रीनगर जा रहा था तभी उसके एक टायर में आग लग गई जिसके बाद स्थानीय निवासियों, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं ने तुरंत कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि आग को एलपीजी टैंकर तक फैलने से पहले ही काबू में कर लिया गया जिससे एक गंभीर दुर्घटना टल गई।

जम्मू-कश्मीर लेखा सेवा में छह अधिकारियों को मिली बड़ी जिम्मेदारी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर वित्त विभाग ने लेखा सेवा के छह चयन श्रेणी अधिकारियों को विशेष वेतनमान स्तर-13 में पदोन्नत किया है। सरकारी आदेश के अनुसार शाहिद मजीद काकरू को सांकेतिक और नियमित पदोन्नति दी गई है। इसके अलावा हरजीत कौर, मानव गुप्ता, अमित महाजन, प्री लता पटियाल और रश्मि दीपिका को भी तत्काल प्रभाव से पदोन्नति का लाभ मिला है।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में जनगणना का पहला चरण सितंबर से

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के बर्फबारी वाले क्षेत्रों में एक सितंबर से शुरू होगी जनगणना

- 17 से 31 अगस्त तक नागरिक कर सकेंगे स्वयंगणना

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के बर्फबारी प्रभावित क्षेत्रों में जनगणना प्रक्रिया देश के अन्य हिस्सों से पहले शुरू की जाएगी। इन दुर्गम और ऊंचाई वाले इलाकों में जनगणना का पहला चरण 1 सितंबर से शुरू होगा। वहीं नागरिकों की सुविधा के लिए 17 अगस्त से 31 अगस्त तक स्वयंगणना की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

अधिकारियों के अनुसार, पहाड़ी क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों और सर्दियों में भारी बर्फबारी के कारण होने वाली परेशानियों को देखते हुए यह विशेष व्यवस्था की गई है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के कई इलाके सर्दियों में महीनों तक संपर्क से कट जाते हैं, जिससे जनगणना कार्य प्रभावित होने की संभावना रहती है।

इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने बर्फबारी वाले क्षेत्रों में जनगणना का कार्यक्रम पहले निर्धारित किया है। स्वयंगणना की सुविधा से स्थानीय लोगों को अपनी जानकारी दर्ज कराने में आसानी होगी और समय की बचत भी होगी।

जनगणना देश की सामाजिक, आर्थिक और विकास योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार होती है। इससे सरकार को जनसंख्या, संसाधनों और जरूरतों से जुड़ी सटीक जानकारी मिलती है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विशेष व्यवस्था के जरिए जनगणना अभियान को सफलतापूर्वक पूरा करने की तैयारी की जा रही है।

आर्टिकल 370 हटने के 7 साल बाद बदला जम्मू-कश्मीर का विकास परिदृश्य

- 2.62 लाख करोड़ तक पहुंचा जीएसडीपी, जम्मू कश्मीर में हुआ आर्थिक उछाल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

आर्टिकल 370 हटने के सात साल बाद जम्मू-कश्मीर में आर्थिक विकास और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। जम्मू-कश्मीर का सकल राज्य घरेलू उत्पाद वर्ष 2020-21 में 1.68 लाख करोड़ रुपये था, जो बढ़कर 2024-25 में 2.62 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसी अवधि में प्रति व्यक्ति आय भी 1.01 लाख रुपये से बढ़कर 1.55 लाख रुपये हो गई है। विकास के साथ-साथ प्रदेश में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और डिजिटल सुविधाओं के विस्तार पर भी तेजी से काम हुआ है। नए प्रोजेक्टों और निवेश योजनाओं से रोजगार के अवसर बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर की ब्लड वुमन बिलकीस आरा ने 44वीं बार किया रक्तदान

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर की बिलकीस आरा ने 44वीं बार रक्तदान कर मानवता और सेवा की एक अनोखी मिसाल पेश की है। कश्मीर घाटी में उन्हें 'ब्लड वुमन ऑफ जम्मू-कश्मीर' के नाम से जाना जाता है। पेशे से स्वास्थ्य विभाग में आशा वर्कर बिलकीस पिछले 13 वर्षों से लगातार जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्तदान करती आ रही हैं।

कुपवाड़ा के सोपोर की रहने वाली बिलकीस आरा तीन बच्चों की मां हैं। इसके बावजूद वह समाज सेवा के अपने संकल्प को लगातार आगे बढ़ा रही हैं। उनके निस्वार्थ कार्य और रक्तदान के प्रति समर्पण के कारण लोग उन्हें 'ब्लड क्वीन' भी कहते हैं। वह रेड ड्रॉप संस्था की महिला शाखा की अध्यक्ष के रूप में भी लोगों को रक्तदान के लिए जागरूक कर रही हैं।

बिलकीस आरा ने लोगों, खासकर महिलाओं और युवाओं से अपील की है कि वे रक्तदान को अपनी जिम्मेदारी समझें और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं। उनका कहना है कि एक व्यक्ति का रक्तदान किसी की जिंदगी बचा सकता है। उनका यह प्रयास जम्मू-कश्मीर में सेवा भावना और मानवता की मजबूत मिसाल बन गया है।

20 साल बाद फिर सियासी मैदान में बिलाल गनी लोन जनता से करेंगे संवाद

एजेंसी, श्रीनगर। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के पूर्व नेता रहे बिलाल गनी लोन ने कहा कि वे सक्रिय राजनीति में कदम रख रहे हैं लेकिन उन्होंने पीडीपी समेत किसी भी राजनीतिक दल में शामिल होने की अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि अफवाहों पर कोई प्रतिक्रिया देने की ज़रूरत नहीं है और उनके राजनीतिक भविष्य के बारे में अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। राजनीति में वापसी की खबरों पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए लोन ने कहा कि वे अपने परिवार की पृष्ठभूमि के कारण लंबे समय से राजनीति से जुड़े रहे हैं लेकिन अब वे इसमें ज़्यादा सक्रिय रूप से शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं मूल रूप से एक राजनीतिक परिवार से आता हूँ। यह मुझे विरासत में नहीं मिला लेकिन उन हालात में मेरे पिता की शहादत के बाद हमें राजनीति में आना पड़ा।

फायर एंड इमरजेंसी भर्ती पेपर लीक मामले में 12 आरोपियों को मिली जमानत

विशेष भ्रष्टाचार निरोधक अदालत ने कड़ी शर्तों के साथ तत्काल रिहाई के दिए निर्देश

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। श्रीनगर की विशेष भ्रष्टाचार निरोधक अदालत ने जम्मू-कश्मीर फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज भर्ती पेपर लीक मामले में 12 आरोपियों को नियमित जमानत दे दी है। विशेष न्यायाधीश तस्लीम आरिफ ने सभी आरोपियों को कड़ी शर्तों के साथ जमानत पर रिहा करने का आदेश जारी किया। अदालत ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि यदि आरोपी किसी अन्य मामले में वांछित नहीं हैं तो उन्हें तत्काल रिहा किया जाए। यह मामला भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज एफआईआर संख्या 01/2025 से संबंधित है। जांच एजेंसी ने भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक और भ्रष्टाचार के आरोपों के आधार पर मामला दर्ज किया था। आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी, 420, 467, 468 और 471 के तहत कार्रवाई की गई है।

15 अगस्त को लेकर जम्मू-कश्मीर में हाई अलर्ट

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) को ध्यान में रखते हुए पूरे केंद्र शासित प्रदेश में व्यापक स्तर पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। खुफिया एजेंसियों से मिले महत्वपूर्ण इनपुट के अनुसार, घाटी में सुरक्षा स्थिति में सुधार और घटते आतंकवादी नेटवर्क से हताश होकर आतंकी संगठन एक बार फिर डर और अस्थिरता का माहौल बनाने की फिराक में हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और उसका सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट, मुख्यधारा के राजनीतिक नेताओं, गैर-स्थानीय श्रमिकों तथा अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को निशाना बनाने की साजिश रच रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशेष रूप से दक्षिण कश्मीर में आतंकी गतिविधियों के बढ़ने की आशंका जताई गई है। इस संभावित खतरे से निपटने और किसी भी बड़ी साजिश को नाकाम करने के लिए सुरक्षा बलों ने घाटी में आतंकवाद रोधी अभियानों को तेज कर दिया है।

रक्षाबंधन से पहले गट्टू बेचने वालों पर जम्मू पुलिस सख्त

रक्षाबंधन से पहले बाजारों में अलर्ट, प्रतिबंधित गट्टू बेचने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

- राहगीरों और पक्षियों की सुरक्षा के लिए जम्मू पुलिस का सख्त कदम

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले जम्मू पुलिस ने प्रतिबंधित चीनी मांझे (गट्टू) की बिक्री और उपयोग के खिलाफ सख्त अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस ने सभी दुकानदारों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि वे अपनी दुकानों में गट्टू न रखें, न बेचें और न ही इसके इस्तेमाल को बढ़ावा दें। यदि कोई दुकानदार प्रतिबंधित चीनी मांझा बेचते या अपने पास रखते हुए पकड़ा गया तो उसके खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की टीमें बाजारों में लगातार निगरानी कर रही हैं और सार्वजनिक घोषणाओं के माध्यम से लोगों को भी जागरूक किया जा रहा है।

जम्मू पुलिस का कहना है कि चीनी मांझा बेहद खतरनाक होता है और यह पहले भी कई दर्दनाक हादसों का कारण बन चुका है। इस मांझे की चपेट में आने से दोपहिया वाहन चालकों, राहगीरों और बच्चों को गंभीर चोटें लगी हैं, जबकि कई मामलों में लोगों की जान भी जा चुकी है। धातु और रासायनिक पदार्थों से तैयार यह मांझा पक्षियों के लिए भी जानलेवा साबित होता है। हर वर्ष त्योहारों के दौरान इसके इस्तेमाल से बड़ी संख्या में पक्षी घायल हो जाते हैं या उनकी मौत हो जाती है।

पुलिस ने दुकानदारों के साथ-साथ अभिभावकों और युवाओं से भी अपील की है कि वे सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल सूती मांझे का ही उपयोग करें। प्रशासन ने कहा कि त्योहार खुशी, प्रेम और भाईचारे का प्रतीक है, इसलिए किसी भी ऐसी सामग्री का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए जिससे किसी की जान या सुरक्षा को खतरा पैदा हो। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि कहीं भी प्रतिबंधित गट्टू की बिक्री या उपयोग की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तुरंत निकटतम पुलिस थाने को दें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनसहयोग से ही इस जानलेवा मांझे पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है और सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

मिलावट पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा सख्त खाद्य सुरक्षा के लिए जीरो टॉलरेंस नीति लागू

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर विधानसभा की याचिका समिति ने खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए प्रदेश में जीरो टॉलरेंस नीति लागू करने के निर्देश दिए हैं। समिति ने कहा है कि प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मिलावट के मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा सचिवालय में आयोजित समिति की बैठक की अध्यक्षता विधायक पीरजादा फारूक अहमद शाह ने की। बैठक में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की ओर से दूध, मांस, मछली, सब्जियां, मसाले और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर प्रस्तुत रिपोर्ट की समीक्षा की गई। समिति ने रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।

- फल से पानी तक होगी जांच मिलावटखोरों पर कसेगा शिकंजा

समिति के अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी नागरिक को मिलावटी भोजन खाने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा विषय है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित बाजार निरीक्षण करने, संदिग्ध खाद्य सामग्री की जांच बढ़ाने और दोषी कारोबारियों पर सख्त कार्रवाई करने को कहा।

बैठक में समिति ने खाद्य कारोबारियों, फूड हैंडलर्स और सड़क किनारे खाद्य सामग्री बेचने वाले विक्रेताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर भी जोर दिया।

चढ़ावा विवाद वैष्णो देवी श्राइन में 550 करोड़ के 'नकली चांदी' चढ़ावे का मामला गरमाया, कोर्ट ने कहा- 'सबूत रखो सुरक्षित'

वैष्णो देवी श्राइन के 550 करोड़ चांदी मामले में कोर्ट सख्त

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई कथित 550 करोड़ रुपये मूल्य की चांदी में मिलावट, हेराफेरी और संभावित गबन के आरोपों ने नया मोड़ ले लिया है। इस मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) जम्मू की अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए भवन, कटड़ा के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) को विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने और मामले से जुड़े सभी भौतिक, दस्तावेजी तथा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि जांच के दौरान किसी भी प्रकार के साक्ष्य से छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए। मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त 2026 को निर्धारित की गई है।

यह मामला अधिवक्ता दीपक शर्मा की ओर से दायर शिकायत के बाद न्यायिक प्रक्रिया में आया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि श्रद्धालुओं द्वारा वर्षों में चढ़ाई गई लगभग 20 टन चांदी में कथित रूप से मिलावट, चोरी, हेराफेरी और गबन किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 550 करोड़ रुपये बताई गई है। अधिवक्ता ने इस संबंध में 9 मई 2026 को पुलिस महानिरीक्षक, क्राइम ब्रांच जम्मू तथा आर्थिक अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायत सौंपी थी। इसके बाद शिकायत विभिन्न स्तरों से होती हुई जांच के लिए रियासी पुलिस और अंततः डीएसपी भवन, कटड़ा को भेजी गई।

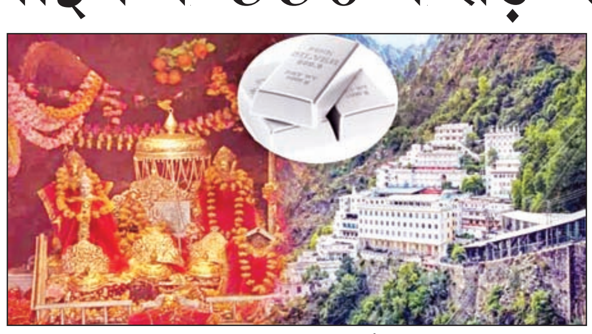

अदालत के समक्ष पेश रिपोर्ट के अनुसार, शिकायत 11 मई को क्राइम ब्रांच को प्राप्त हुई थी। इसके बाद 20 मई को इसे क्राइम मुख्यालय भेजा गया। 9 जून को क्राइम मुख्यालय ने मामले को जम्मू जोन पुलिस मुख्यालय को अग्रेषित करने की अनुमति दी, जिसके बाद इसे पुलिस महानिरीक्षक जम्मू जोन और फिर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रियासी के माध्यम से डीएसपी भवन, कटड़ा को जांच के लिए सौंपा गया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि अब तक इस मामले में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और जांच अभी प्रारंभिक स्तर पर जारी है।

29 जुलाई की सुनवाई के दौरान अधिवक्ता दीपक शर्मा ने अदालत में एक अलग आवेदन देकर आशंका जताई कि मामले से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज, रिकॉर्ड और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि सभी संभावित साक्ष्यों को तत्काल सुरक्षित रखने के निर्देश दिए जाएं। इस पर अदालत ने जांच अधिकारी को आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया और जांच की प्रगति से अदालत को अवगत कराने के लिए विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

अदालत ने जांच प्रक्रिया को किया निष्पक्ष

मामले ने धार्मिक, प्रशासनिक और कानूनी हलकों में व्यापक चर्चा पैदा कर दी है। चूंकि यह मामला देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक श्री माता वैष्णो देवी श्राइन से जुड़ा है, इसलिए इसकी निष्पक्ष और पारदर्शी जांच को लेकर लोगों की निगाहें अदालत और जांच एजेंसियों पर टिकी हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और आरोपों की पुष्टि होती है या नहीं। फिलहाल अदालत ने जांच प्रक्रिया को सुरक्षित और निष्पक्ष बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए सभी संबंधित साक्ष्यों को संरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं।

न्यूज ब्रीफ

मंडी कॉलेज के दो एनसीसी कैडेटों ने 5,134 मीटर ऊंची माउंट जगतसुख चोटी फतह की

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी के एनसीसी वायु सेना विंग के दो कैडेटों ने ऑल इंडिया माउंटेनियरिंग एक्सपीडिशन-2026 में शानदार उपलब्धि हासिल कर महाविद्यालय और हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन किया है। कैडेट सार्जेंट मुस्कान ठाकुर और कैडेट कॉरपोरल हंसराज ठाकुर ने माउंट देवो टिबा पिक अभियान के दौरान 5,134 मीटर ऊंची माउंट जगतसुख चोटी पर सफल आरोहण कर तिरंगा और एनसीसी ध्वज फहराया। महाविद्यालय पहुंचने पर दोनों कैडेटों का प्राध्यापकों, विद्यार्थियों और एनसीसी कैडेटों ने भव्य स्वागत किया। प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार ने इस उपलब्धि को महाविद्यालय के लिए गौरव का क्षण बताया। एनसीसी अधिकारी फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. चमन ने कहा कि यह सफलता कैडेटों के साहस, अनुशासन और कठिन प्रशिक्षण का परिणाम है। अभियान में 100 प्रतिशत समिट सफलता हासिल की गई।

कुलपति के पद के लिए 12 तक करें आवेदन

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के कुलपति के पद के लिए सर्च कमेटी ने आवेदन आमंत्रित किए हैं। पात्र उम्मीदवार 12 अगस्त सायं पांच बजे तक आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। तकनीकी शिक्षा विभाग के अनुसार उपरोक्त तिथि तक इच्छुक उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। कुलपति पद के लिए पात्रता सहित आवेदन से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए तकनीकी विवि की वेबसाइट देखा जा सकते हैं, जिसमें पूरा ब्यौरा है। उम्मीदवार सभी जरूरी दस्तावेजों और 2,000 रुपए की नॉन-रिफंडेबल एप्लीकेशन फीस के साथ आवेदन भरे सकते हैं।

बिलासपुर कॉलेज में काव्य प्रतिभाओं को मिला मंच

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के साहित्यिक क्लब द्वारा शनिवार को काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में साहित्य और काव्य-सृजन के प्रति रुचि विकसित करना तथा उनकी मौलिक रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना था। गोष्ठी में 20 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए हिंदी व अंग्रेजी में अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ किया। रचनाओं में सामाजिक, मानवीय और समकालीन विषयों की प्रभावशाली अभिव्यक्ति देखने को मिली। कार्यक्रम में मौलिक लेखन को विशेष प्रोत्साहन दिया गया तथा साहित्यिक चोरी और एआई-जनित सामग्री की भी जांच की गई। अंग्रेजी वर्ग में भार्गवी प्रथम, प्रत्युष द्वितीय और वृत्तिका तृतीय रहे, जबकि हिंदी वर्ग में चिरंजी रहे, जबकि प्रथम, मीनाक्षी ने द्वितीय तथा सपना और आंचल ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन साहित्यिक क्लब की संयोजक डॉ. नम्रता पठानिया के मार्गदर्शन में हुआ। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए ऐसी साहित्यिक गतिविधियों को व्यक्तित्व विकास और सृजनात्मक अभिव्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण बताया।

वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करें : डॉ. पीएस

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में नशा मुक्त भारत अभियान और वरिष्ठ नागरिकों के लिए राज्य कार्ययोजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 'प्रहरी क्लब' के बैनर तले प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल की अध्यक्षता में किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं में नशामुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। रेड रिबन क्लब ने चित्रकला प्रतियोगिता, रोवर एवं रेंजर इकाई ने एक भारत श्रेष्ठ भारत विषय पर भाषण व डेक्लेमेशन प्रतियोगिता तथा अंग्रेजी विभाग ने काव्य रचना प्रतियोगिता करवाई। इन प्रतियोगिताओं में 52 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की भागीदारी से ही नशामुक्त समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम का सफल आयोजन डॉ. संजीव कुमार के समन्वय में हुआ।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका के 11 पदों पर भर्ती

भारतेन्दु संवाददाता, देहरा। बाल विकास परियोजना अधिकारी देहरा के अंतर्गत उपमंडल ज्वालामुखी के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के 11 पद भरे जाएंगे। इसके लिए पात्र महिला अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इनमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का एक पद तथा सहायिका के 10 पद शामिल हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का पद पंचायत कमलोटा के आंगनबाड़ी केंद्र लाहस्न के लिए रिक्त है, जबकि सहायिका के पद विभिन्न पंचायतों के केंद्रों में भरे जाएंगे। आवेदन करने वाली महिला संबंधित आंगनबाड़ी केंद्र के सर्वे क्षेत्र की निवासी होनी चाहिए। शैक्षणिक योग्यता 12वीं पास और आयु सीमा 18 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है। परिवार की वार्षिक आय 50 हजार रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। चयन साक्षात्कार के आधार पर होगा, जिसके लिए 25 अंक निर्धारित हैं। इच्छुक महिलाएं आवश्यक दस्तावेजों सहित अपना आवेदन 24 अगस्त 2026 शाम 5 बजे तक बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय देहरा में जमा करवा सकती हैं।

ऑर्किड होटल ने चलाया हरियाली अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पर्यावरण संरक्षण व हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से द ऑर्किड होटल ने मत्याणा में पौधरोपण अभियान चलाया। इस दौरान करीब 100 पौधे लगाए गए। अभियान में मत्याणा ग्राम पंचायत के प्रधान अंकुश वर्मा, होटल के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए तथा उनके संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया गया। ग्राम पंचायत प्रधान अंकुश वर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सामुदायिक भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल व सुरक्षा सुनिश्चित करना भी सभी की जिम्मेदारी है। होटल प्रबंधन ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि भविष्य में भी सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत ऐसे अभियान जारी रखे जाएंगे। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत किया और अधिक से अधिक पौधारोपण करने का आह्वान किया।

हिमाचल-केरल की संस्कृति का दिखा संगम

भारतेन्दु संवाददाता, मशोबरा। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मशोबरा में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत हिमाचल प्रदेश और केरल की संस्कृति, कला एवं पारंपरिक व्यंजनों पर आधारित प्रदर्शनी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य बनवारी लाल ने किया। विद्यालय प्रभारी डॉ. अनुकंपा ठाकुर ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को देश की सांस्कृतिक विविधता से जोड़ना और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना है। विद्यार्थियों ने हिमाचली धाम और केरल सद्या के अंतर्गत सिड्डू, मदरा, सेपू बड़ी, अप्पम, पुट्टू, पायसम सहित कई पारंपरिक व्यंजनों का प्रदर्शन किया। इसके अलावा हिमाचली लघु चित्रकला और केरल की कथकली मास्क कला भी आकर्षण का केंद्र रही। प्रधानाचार्य ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में विभिन्न संस्कृतियों के प्रति सम्मान और भाईचारे की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम में अध्यापकों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सरकार डॉ. परमार की नीतियों को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध : सीएम सुक्खू

कहा- शहरी क्षेत्रों में पलायन रोकने के लिए सरकार कर रही है गांवों का सर्वांगीण विकास

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हिमाचल निर्माता और राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. यशवन्त सिंह परमार की 120वीं जयंती के अवसर पर विधानसभा परिसर शिमला में आयोजित समारोह में बतौर मुख्यातिथि शामिल हुए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार डॉ. परमार की नीतियों को धरातल पर सफलतापूर्वक उतारने के लिए निरन्तर प्रयासरत है। उनकी दूरदर्शी सोच व दृष्टिकोण से योजनाएं व कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। उनकी नीतियों को धरातल पर उतारना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. परमार ने हिमाचल प्रदेश के निर्माण के लिए बहुआयामी प्रयास किए। हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्यत्व का दर्जा दिलवाने के लिए डॉ. परमार ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर केन्द्र सरकार के समक्ष मजबूती से अपना पक्ष रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. परमार ने एक आधुनिक हिमाचल का सपना देखा था जिसमें सभी लोग शिक्षित व साधन सम्पन्न हों और उन्हें आवागमन की बेहतर सुविधा मिले। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में क्रांति लाने की दिशा में विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया है। वर्तमान सरकार के प्रयासों के फलस्वरूप 99.30 साक्षरता दर के साथ हिमाचल प्रदेश पूर्ण साक्षर राज्य बना है, जो बेहद गर्व की बात है। सुक्खू ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार ने 156 स्कूलों को सीबीएसई से संबद्ध किया है, जिसके कारण स्कूलों में छात्र प्रवेश में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्रदेश के प्रत्येक विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में राजीव गांधी राजकीय आदर्श डे-बोर्डिंग स्कूल खोले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने उच्च शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने के लिए 'डॉ. वाई.एस. परमार विद्यार्थी ऋण योजना' के अंतर्गत मात्र एक प्रतिशत ब्याज दर पर 20 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. परमार का मत था कि हिमाचल का विकास गांवों के विकास से होगा। किसान, बागवान, महिलाएं, युवा और कमजोर वर्गों के विकास की मुख्यधारा में आए बिना प्रदेश आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने की जो सोच दी, वही आज भी प्रदेश सरकार की नीतियों का आधार है। सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्राकृतिक खेती और स्वरोजगार को प्रोत्साहन सहित विभिन्न कदम उठा रही है। सुक्खू ने कहा कि हिमाचल के विकास और इसे आत्मनिर्भर बनाने के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष को मिलकर प्रदेश हित में कदम बढ़ाने होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश का हक हासिल करने के लिए सभी को प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार प्रदेश के अधिकारों को प्राप्त करने की सोच के साथ संघर्ष कर रही है और विपक्ष को भी इस दिशा में अपना दायित्व निभाना चाहिए। प्रदेश सरकार डॉ. परमार की सोच को फलीभूत करने का प्रयास कर रही है। इसी दृष्टिकोण के साथ वर्ष 2032 तक हिमाचल देश का एक समृद्धशाली राज्य बनेगा।

प्रदेश के विकास में अपना गुणगान नहीं, बाकी सीएम के योगदान को भी चिह्नित करें मुख्यमंत्री : जयराम

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने विधानसभा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में हिमाचल निर्माता डॉ. यशवंत सिंह परमार की 120वीं जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने पहाड़ जैसी चुनौतियों को पार करते हुए विकास की लंबी यात्रा तय की है और इसमें डॉ. परमार का योगदान सबसे महत्वपूर्ण रहा है। जयराम ने कहा कि हिमाचल के गठन से लेकर पूर्ण राज्य बनने तक डॉ. परमार की नीतियों और दूरदृष्टि ने प्रदेश के विकास की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि सड़क, कृषि, बागवानी और सामाजिक विकास के क्षेत्र में परमार के प्रयास आज भी प्रदेश की प्रगति में दिखाई देते हैं। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हिमाचल की विकास यात्रा में केवल वर्तमान सरकार के योगदान को दर्शाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि परमार के बाद भी कई मुख्यमंत्रियों ने प्रदेश के विकास में योगदान दिया, जिसे भी सम्मान मिलना चाहिए। सरकारी कार्यक्रमों को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। जयराम ने कहा कि 1948 में हिमाचल की प्रति व्यक्ति आय मात्र 240 रुपए थी, जो अब बढ़कर करीब 2.83 लाख रुपए हो चुकी है। उन्होंने बताया कि उस समय प्रदेश में 228 किलोमीटर सड़कें थीं, जो अब 45 हजार किलोमीटर से अधिक हो गई हैं। उन्होंने कहा कि साक्षरता, बिजली, पेयजल, कृषि और शिक्षा के क्षेत्र में हिमाचल ने उल्लेखनीय प्रगति की है और यह प्रदेश की विकास यात्रा का प्रमाण है।

पच्छाद में 300 फीट गहरी खाई में गिरी कार, जीजा-साले की मौत, महिला घायल

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। जिला सिरमौर के पच्छाद उपमंडल के अंतर्गत डिंगरी सर्जेट गांव में मंगलवार तड़के हुए दर्दनाक कार हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। मूसलाधार बारिश के दौरान अनियंत्रित होकर करीब 300 फीट गहरी खाई में गिरी कार हादसे में अब कार चालक बलवंत सिंह की भी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई है।

हादसा इतना भीषण था कि खाई में गिरते वक्त कार एक पेड़ से टकराकर अधर में लटक गई थी। हादसे के बाद घायलों को तुरंत मेडिकल कॉलेज नाहन पहुंचाया गया था, जहां डिंगरी सर्जेट (ग्राम पंचायत लाल टिक्कर) निवासी तपेंद्र सिंह (पुत्र जोगिंदर सिंह) ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था। वहीं, कार चला रहे उनके जीजा बलवंत सिंह (निवासी मरयोग) की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज नाहन रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान उन्होंने भी अंतिम सांस ली। दुर्घटना में तपेंद्र सिंह की पत्नी प्रभा देवी गंभीर रूप से घायल हुई हैं, जिनका इलाज सिविल अस्पताल सराहां में चल रहा है। मामले की पुष्टि करते हुए एसपी सिरमौर एनएस नेगी ने बताया कि दुर्घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस हादसे के कारणों की गहनता से जांच कर रही है।

भाजपा की चार्जशीट कमेटी से घबराई कांग्रेस : राणा

कहा- सीएम गृह जिले में चल रही भ्रष्टाचार की फैक्टरी में करोड़ों की लूट

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भाजपा नेता राजेंद्र राणा ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर प्रदेश सरकार के कामकाज को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। हमीरपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने मुख्यमंत्री को उत्तर भारत का सबसे अमीर मुख्यमंत्री बनने पर बधाई देते हुए सवाल उठाया कि इतनी संपत्ति कहां से आई। उन्होंने आरोप लगाया कि चार साल के कार्यकाल में प्रदेश में कोई नई फैक्टरी नहीं लगी, बल्कि भ्रष्टाचार की फैक्टरियां खुल गई हैं।

राजेंद्र राणा ने कहा कि भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा केंद्र मुख्यमंत्री का गृह जिला हमीरपुर बन गया है। उन्होंने हमीरपुर बस अड्डा निर्माण का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि 36 करोड़ रुपए के टेंडर के बावजूद करीब 100 करोड़ रुपए की पेमेंट कर दी गई। उन्होंने सरकार से पूछा कि इस मामले में जिम्मेदारी किसकी है और जनता के पैसे का उपयोग किस तरह किया जा रहा है। उन्होंने धर्मशाला विधायक सुधीर शर्मा की संपत्तियों की जांच को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। राणा ने कहा कि यदि सरकारी एजेंसियों की जांच पर ही मुख्यमंत्री को भरोसा नहीं है तो वे स्वयं संपत्तियों की पैमाइश कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सुधीर शर्मा के खिलाफ लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं और उनकी संपत्तियों की कई बार जांच हो चुकी है। राणा ने सचिवालय में ट्रांसफर माफिया, अस्पतालों में मेडिकल स्टोर संचालन, हमीरपुर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल को बार-बार एक्सटेंशन देने और निजी पीजी निर्माण जैसे मुद्दों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में उद्योगों के बजाय अन्य गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है और इटली में लगाई जा रही बाइनरी को लेकर भी जवाब मांगा। भाजपा नेता ने कहा कि सरकार ने चुनावी वादों को पूरा नहीं किया और केवल अपने करीबियों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की चार्जशीट कमेटी बनने के बाद राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह स्थिति नहीं बदली तो भाजपा आंदोलन करेगी और मंत्रियों व विधायकों का विरोध करेगी। राजेंद्र राणा ने कहा कि जनता आने वाले समय में सरकार से हर मुद्दे का हिसाब मांगेगी।

नशे के सौदागरों पर होगी सख्त कार्रवाई : डीएसपी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रामानुज संस्कृत महाविद्यालय पंजगाईं में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डीएसपी बिलासपुर मदन धीमान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि चिट्टे जैसे नशे को रोकने में शिक्षण संस्थानों की भूमिका अहम है। पुलिस नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। थाना प्रभारी बरमाणा पूजा कौंडल ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए इससे दूर रहने का आह्वान किया। नशा व्यक्ति के साथ-साथ परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चिंत राम शर्मा ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों, आचार्यों और विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

औहर स्कूल का नाम विक्टोरिया क्रॉस वीर भंडारी राम के नाम पर रखने का प्रस्ताव पारित

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। ग्राम पंचायत औहर ने देश के वीर सपूत और विक्टोरिया क्रॉस सम्मानित कैप्टन वीर भंडारी राम को सम्मान देने के लिए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला औहर का नाम उनके नाम पर रखने का प्रस्ताव पारित किया है। ग्राम सभा में सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव को आगामी कार्रवाई के लिए प्रदेश सरकार को भेज दिया गया है। ग्राम पंचायत प्रधान देश राज शर्मा ने बताया कि औहर निवासी कैप्टन वीर भंडारी राम ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 22 नवंबर, 1944 को बर्मा मोर्चे पर अदम्य साहस और वीरता का प्रदर्शन किया था, जिसके लिए उन्हें विक्टोरिया क्रॉस सम्मान प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि विद्यालय का नाम उनके नाम पर रखने से आने वाली पीढ़ियों को उनके शौर्य, त्याग और देशभक्ति से प्रेरणा मिलेगी। पंचायत ने प्रस्ताव की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री और तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी को भी भेजी है।

10 को हमीरपुर में सीटू का विरोध-प्रदर्शन केंद्र की नीतियों के खिलाफ उठाई आवाज

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। सीटू की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर 10 अगस्त को हमीरपुर सहित प्रदेशभर में केंद्र सरकार की मजदूर, किसान एवं जनविरोधी नीतियों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा। सीटू के राज्य सचिव डॉ. कश्मीर सिंह ठाकुर ने जारी प्रेस बयान में कहा कि आजादी के 79 वर्षों बाद आज हालात बदतर हो रहे हैं।

सरकार ने मजदूरों के लिए बनाए गए 44 श्रम कानूनों को खत्म कर दिया है। मजदूरों को यूनियन बनाने, अपनी मांगों के लिए धरना, प्रदर्शन, हड़ताल आदि करने पर जेल व जुर्माना का तुगलकी फरमान जारी किया है। इससे मजदूर अपनी मांगों के लिए भी आवाज नहीं उठा पाएंगे। श्रम विभाग कभी भी किसी भी आधार पर यूनियन को खत्म करने का फरमान जारी कर सकता है। नए कानूनों में फिक्स्ड टर्म रोजगार व प्रशिक्षु मजदूर रखने का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में इसे वन मित्र, पशु मित्र, बिजली मित्र, रोगी मित्र, ट्रैफिक मित्र, मल्टी टास्क वर्कर के नाम से लागू किया जा रहा है। मजदूरों के लिए सामाजिक सुरक्षा जैसे प्रोविडेंट फंड ईएसआई आदि को कमजोर कर दिया है। सभी विभागों में आउटसोर्सिंग के आधार पर मजदूर रखकर केंद्र व राज्य सरकार उनका शोषण कर रही है। आज अगर मजदूर अपने हक के लिए हड़ताल करता है तो उस पर केंद्र सरकार देश द्रोह का मुकदमा दायर कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने हाल ही में अमेरिका के साथ एक मुक्त व्यापार समझौता किया है जिससे देश में अमेरिका व यूरोप के देशों से अनाज, दूध व अन्य वस्तुएं यहां बेची जाएंगी। जिससे हमारा किसान, दूध उत्पादक, फल उत्पादक बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है इस प्रकार मजदूरों के 44 श्रम कानूनों को रद्द करने का निर्णय लो और श्रम कानून को बहाल करो।

आंगनबाड़ी वर्कर्ज, मिड डे मील वर्कर्ज व आशा वर्कर्ज को सरकार कर्मचारी बनाओ। ग्रेच्युटी, प्रोविडेंट फंड, मेडिकल सुविधा व पेंशन का प्रावधान किया जाए, सुप्रीम कोर्ट का फैसला लागू करो। मजदूरों के लिए न्यूनतम वेतन 26000 रुपए घोषित किया जाए। मनरेगा को बहाल करो, रोजगार गारंटी को बहाल करो।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना की समीक्षा, किसानों तक लाभ पहुंचाने के निर्देश

फसल बीमा व कृषि योजनाओं पर दिया जोर

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उपायुक्त राहुल कुमार की अध्यक्षता में बचत भवन में जिला स्तरीय समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में योजना के तहत तैयार की जा रही कार्ययोजना, किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने और विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। डीसी राहुल कुमार ने बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पूरी सक्रियता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना, कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देना तथा किसानों को कृषि ऋण, फसल बीमा, आधुनिक कृषि तकनीक, गुणवत्तायुक्त बीज, सिंचाई सुविधाओं और अन्य कृषि सेवाओं का लाभ उपलब्ध करवाना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत बिलासपुर जिला प्रदेश का एकमात्र चयनित जिला है। ऐसे में योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी विभागों का आपसी तालमेल और समयबद्ध कार्य बेहद जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों को गंभीरता से पूरा करने के निर्देश दिए। डीसी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा करते हुए बताया कि चालू वर्ष में प्राप्त सभी 45 नए मामलों को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, ताकि पात्र किसानों को समय पर लाभ मिल सके। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत वर्ष 2026-27 में 3 हजार किसानों को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष बिलासपुर जिले में करीब 11 हजार किसानों को 7 करोड़ 68 लाख रुपए की बीमा राशि का लाभ मिला। बैठक में किसान क्रेडिट कार्ड योजना की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में करीब 55 हजार किसानों को केसीसी से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके तहत लगभग 690 करोड़ रुपए के कृषि ऋण की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। उपायुक्त ने संबंधित विभागों और बैंकों को लक्ष्य हासिल करने के लिए मिलकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने मिशन पल्सेस कार्यक्रम की प्रगति की जानकारी लेते हुए बताया कि जिले में अब तक 10.8 क्विंटल गुणवत्तायुक्त दलहन बीज किसानों को वितरित किए जा चुके हैं।

बैठक जिला आयुर्वेदिक अस्पताल की आरकेएस ने 26.17 लाख रुपए के व्यय को दी मंजूरी

हमीरपुर के 16 युवाओं को मिलेगा पंचकर्मा तकनीशियन प्रशिक्षण

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला आयुर्वेदिक अस्पताल की रोगी कल्याण समिति (आरकेएस) की शासकीय निकाय की बैठक मंगलवार को यहां हमीर भवन में एडीसी अभिषेक गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान अस्पताल में विभिन्न सेवाओं और ढांचागत कार्यों के लिए धनराशि के आवंटन को मंजूरी दी गई।

समिति ने कुछ नई सेवाओं के लिए शुल्क निर्धारित करने तथा कुछ सेवाओं के पुराने शुल्कों में आंशिक वृद्धि करने का निर्णय भी लिया। एडीसी ने कहा कि इस वित्त वर्ष के दौरान अस्पताल में विभिन्न सेवाओं के शुल्क, केमिस्ट शॉप के किराये और पार्किंग फीस से कुल लगभग 26.17 लाख रुपए की आय का अनुमान है। गत वर्षों की शेष राशि को मिलाकर यह आय लगभग 1.07 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को इस धनराशि का सदुपयोग करने और मरीजों को बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

समिति ने इस वित्त वर्ष के दौरान विभिन्न सेवाओं, सफाई व्यवस्था, ढांचागत विकास एवं मरम्मत, अस्थायी सफाई कर्मचारियों के मानदेय और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए लगभग 38.17 लाख रुपए के व्यय को भी मंजूरी प्रदान की। एडीसी ने कहा कि अस्पताल में ढांचागत विकास के लिए मंजूर की गई धनराशि अतिशीघ्र खर्च होनी चाहिए, ताकि मरीजों को बेहतरीन सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की योजना के तहत राज्य के 14 आयुर्वेदिक अस्पतालों में कुल 256 युवाओं को पंचकर्मा तकनीशियन कोर्स करवाया जाएगा।

हमीरपुर के अस्पताल में भी 16 युवाओं को यह कोर्स करवाया जाएगा। इनमें 50 प्रतिशत महिलाएं होंगी। इस प्रशिक्षण कोर्स के बाद ये युवक-युवतियां आयुर्वेद, पर्यटन एवं स्वरोजगार के अन्य क्षेत्रों में कॅरियर बना सकते हैं। रोगी कल्याण समिति ने कार्यकारी समिति के पुनर्गठन का प्रस्ताव आयुष विभाग के निदेशालय को प्रेषित करने का निर्णय भी लिया। बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी व्यापक चर्चा की गई।

इस अवसर पर जिला आयुर्वेदिक अस्पताल की मेडिकल अधीक्षक डॉ. वनीता शर्मा और वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. चारू ने विभिन्न मदों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष अनीता शर्मा, डीआरडीए की परियोजना अधिकारी अस्मिता ठाकुर, जिला आयुष अधिकारी डॉ. तनूजा नागपाल और समिति के अन्य सरकारी एवं गैर सरकारी सदस्य भी उपस्थित रहे।

मंडी, कुल्लू व लाहौल-स्पीति में अगस्त माह में होंगे राष्ट्रीय सांख्यिकीय सर्वेक्षण

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (क्षेत्रीय संकार्य प्रभाग), उप क्षेत्रीय कार्यालय मंडी की ओर से अगस्त 2026 के दौरान मंडी, कुल्लू व लाहौल-स्पीति जिलों के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विभिन्न राष्ट्रीय सांख्यिकीय सर्वेक्षण संचालित किए जाएंगे।

इन सर्वेक्षणों का उद्देश्य देश की सामाजिक और आर्थिक स्थिति से जुड़े विश्वसनीय आंकड़े एकत्र करना है, जिनका उपयोग सरकार द्वारा नीति निर्माण और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में किया जाता है। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि अगस्त माह में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण, असंगठित क्षेत्र उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण, राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण, प्रवासन सर्वेक्षण, अखिल भारतीय ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण, कृषि परिवारों की स्थिति आकलन सर्वेक्षण और मूल्य सर्वेक्षण जैसे प्रमुख सर्वेक्षण किए जाएंगे। सर्वेक्षण के लिए मंडी जिले के कई ग्रामीण क्षेत्रों के साथ सुंदरनगर, नेरचौक और सरकाघाट जैसे शहरी

◆ नीति निर्माण के लिए जुटाए जाएंगे सामाजिक-आर्थिक आंकड़े

क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा कुल्लू जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों तथा लाहौल-स्पीति के पागमो खास क्षेत्र में भी सर्वेक्षण कार्य किया जाएगा। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अधिकारी चयनित परिवारों और प्रतिष्ठानों से निर्धारित प्रश्नावलियों के माध्यम से आवश्यक जानकारी जुटाएंगे। सर्वेक्षण दल के सदस्य विभाग द्वारा जारी पहचान पत्र साथ रखेंगे और जरूरत पड़ने पर नागरिकों को दिखाएंगे। उप क्षेत्रीय कार्यालय मंडी के सहायक निदेशक अमित कुमार ने नागरिकों से अपील की है कि वे सर्वेक्षण दल को सही और तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध करवाकर सहयोग करें। उन्होंने बताया कि नागरिकों से प्राप्त सभी सूचनाएं पूरी तरह गोपनीय रखी जाएंगी और इनका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण आंकड़े देश के विकास और बेहतर योजनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एलीना अवानेस्यान का खूबसूरत अंदाज

रूस। एलीना अवानेस्यान एक प्रतिभाशाली टेनिस खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 17 सितंबर 2002 को हुआ। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर अपनी पहचान बनाई है।

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया-ए टीम का ऐलान

व्लेमिंक-ब्राउन की वापसी, सितंबर में खेली टी20, वनडे और चार दिवसीय सीरीज

एजेंसी, नई दिल्ली

अगले महीने भारत दौरे पर आने वाली ऑस्ट्रेलिया-ए महिला क्रिकेट टीम की मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। अनुभवी तेज गेंदबाज टायला व्लेमिंक और डार्सी ब्राउन टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगी। यह दौरा तीन सप्ताह तक चलेगा, जिसमें दोनों टीमें तीन टी20, तीन एकदिवसीय और एक चार दिवसीय मुकाबला खेलेंगी।

भारत दौरे के दौरान तीनों टी20 मुकाबले न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद तीन एकदिवसीय मैच मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में होंगे, जबकि चार दिवसीय मुकाबला धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

इस दौरे के साथ 27 वर्षीय तेज गेंदबाज टायला व्लेमिंक लंबे समय बाद प्रतिस्पर्धी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी करेंगी। चोटों से लगातार जूझने के कारण उनका करियर काफी प्रभावित रहा है। उन्होंने अप्रैल में ग्रीन बनाम गोल्ड अभ्यास मैच के जरिए वापसी की थी, जो 2024 टी20 विश्व कप में कंधे की गंभीर चोट के बाद उनका पहला मुकाबला था। इस वर्ष अप्रैल में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने लगातार चोटों के चलते उनका केंद्रीय अनुबंध भी समाप्त कर दिया था।

वहीं, डार्सी ब्राउन को टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह नहीं मिली थी। उनकी अनुपस्थिति में बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन ने टीम में अपनी जगह मजबूत कर ली थी। अब ब्राउन को ऑस्ट्रेलिया-ए टीम के जरिए फिर से खुद को साबित करने का मौका मिलेगा।

राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, 'टायला को फिर से हरे और सुनहरे रंग की जर्सी में देखना और डार्सी की वापसी हमारे लिए बेहद खुशी की बात है। दोनों के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव है और युवा खिलाड़ियों को उनसे सीखने का शानदार अवसर मिलेगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'यह दौरा खिलाड़ियों के लिए उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों में खेलने और मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खुद को परखने का बेहतरीन अवसर है। करियर के शुरुआती दौर में भारतीय परिस्थितियों का अनुभव भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होता है।'

एकदिवसीय सीरीज में ताहलिया विल्सन टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि निकोल फाल्टम टी20 टीम और रेचल ट्रेनामैन चार दिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलिया-ए की कप्तान होंगी। टीम के आधे से अधिक खिलाड़ी 25 वर्ष या उससे कम उम्र के हैं, जिनमें 21 वर्षीय ऑलराउंडर फ्रैंकी निकलिन और सियाना जिंजर भी शामिल हैं।

21 अगस्त को लुसाने डायमंड लीग में उतरेंगे नीरज चोपड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

दो बार के ओलिंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा 21 अगस्त को स्विट्जरलैंड में होने वाली लुसाने डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे। कमर की चोट से वापसी कर रहे नीरज के लिए, यह सीजन का तीसरा इवेंट होगा।

नीरज के सामने इस बार कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट रमेश पथिराजे, पाकिस्तान के ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम होंगे। ग्लासगो में नीरज ने 85.83 मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो फेंककर सिल्वर मेडल जीता था।

नीरज पिछले साल सितंबर के बाद पहली बार जून में दोहा डायमंड लीग में उतरे थे। वहां उन्होंने 85.69 मीटर का थ्रो कर चौथा स्थान हासिल किया। इसके बाद कॉमनवेल्थ गेम्स में 85.83 मीटर का थ्रो फेंककर सिल्वर जीता। मेडल जीतने के बाद नीरज ने कहा था कि उनकी वापसी सही दिशा में जा रही है और आने वाली प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन और बेहतर करने की कोशिश रहेगी।

लुसाने नीरज के पसंदीदा मैदानों में से एक रहा है। उन्होंने 2022 में यहां 89.08 मीटर के थ्रो के साथ डायमंड लीग का खिताब जीता था। वहीं 2024 में 89.49 मीटर का थ्रो फेंककर दूसरे स्थान पर रहे थे। ऐसे में भारतीय स्टार एक बार फिर इसी ट्रैक पर पदक की उम्मीद लेकर उतरेंगे।

स्पोर्ट्स विंडो

ऊना की पावनी कंग एचपीसीए अंडर-19 टीम कैंप में चयनित

एजेंसी, नई दिल्ली। उपमंडल गगरेट के गांव बढ़ेड़ा राजपुता की होनहार क्रिकेटर पावनी कंग का चयन हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) के अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम के विशेष प्रशिक्षण शिविर के लिए हुआ है। वह जिला ऊना से चयनित होने वाली एकमात्र महिला खिलाड़ी हैं। प्रतिभाशाली ऑलराउंडर पावनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अपनी क्षमता के लिए जानी जाती हैं।

एचपीसीए के ऊना में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में प्रदेशभर से चुनी गई 24 खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। कैंप में प्रदर्शन के आधार पर अंतिम टीम का चयन किया जाएगा। पावनी की सफलता में उनके पिता मंजीत सिंह कंग का अहम योगदान रहा है। चंडीगढ़ के एक निजी विद्यालय में वाइस प्रिंसिपल मंजीत सिंह स्वयं भी क्रिकेट खिलाड़ी रहे हैं और उन्होंने बचपन से ही बेटी को खेल के लिए प्रेरित किया। पावनी के चयन से गगरेट और पूरे ऊना जिले में खुशी की लहर है। खेल प्रेमियों का मानना है कि उनकी उपलब्धि अन्य बेटियों को भी क्रिकेट और अन्य खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। उनके पिता ने विश्वास जताया कि पावनी कैंप में शानदार प्रदर्शन कर हिमाचल की अंडर-19 टीम में जगह बनाएंगी।

पहली जीत के बाद पुरानी दिल्ली-6 की नजर जीत की हैट्रिक पर

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में पहली जीत दर्ज करने के बाद पुरानी दिल्ली-6 की टीम अब लगातार दो मुकाबलों में जीत की लय बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी। टीम ने सोमवार को अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्ट दिल्ली लायंस को सात विकेट से हराकर शानदार वापसी की। 181 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए देव लाकड़ा ने 33 गेंदों में 64 रन की आक्रामक पारी खेली, जबकि कप्तान अनुज रावत ने नाबाद 49 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। अब पुरानी दिल्ली 6 का सामना बुधवार को सेंट्रल दिल्ली किंग्स और गुरुवार को नई दिल्ली टाइगर्स से होगा। टीम के मालिक आकाश नांगिया ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि पहली मैच पर विकेट गंवाने के बाद भी टीम ने आत्मविश्वास बनाए रखा और शानदार वापसी की। उन्होंने देव लाकड़ा और अनुज रावत की पारियों को जीत का आधार बताया। नांगिया ने गेंदबाजों की भी तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने वेस्ट दिल्ली लायंस को 180 रन तक सीमित रखने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि यह जीत टीम को आगे के मुकाबलों के लिए जरूरी आत्मविश्वास देगी। अब पुरानी दिल्ली 6 की नजर लगातार जीत दर्ज कर अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करने पर है।

अरशद नदीम के कोच बोले पर्याप्त तैयारी नहीं हुई

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तानी जेवलिन थ्रोअर अरशद नदीम के कोच ने कहा है कि हमारी तैयारी पर्याप्त नहीं थी। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि गेम्स से पहले पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स फेडरेशन ने उनकी तैयारी से दूरी बना ली थी। इसके चलते नदीम को अधिकांश तैयारी अपने स्तर पर करनी पड़ी। ओलिंपिक चैंपियन नदीम ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में अपने करियर के सबसे खराब प्रदर्शनों में से एक से गुजरे। वह 80 मीटर का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके और नौवें स्थान पर रहे।

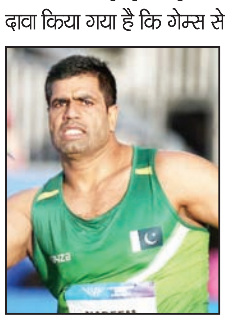

श्रीलंका के रुमेश पाथिरगे ने गोल्ड जीता। भारत के नीरज चोपड़ा और यशवीर सिंह ने सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए। सूत्रों के मुताबिक पिछले साल नदीम के कोचिंग सेटअप को लेकर मतभेद सामने आने के बाद फेडरेशन ने उनके कार्यक्रम को पूरा समर्थन नहीं दिया। रिपोर्ट में कहा गया कि नदीम की ट्रेनिंग से जुड़े कई अनुरोधों पर ध्यान नहीं दिया गया। साथ ही पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड ने विदेशी कोच और ट्रेनर उपलब्ध कराने के लिए भी फंड जारी नहीं किया। नदीम ने ओलिंपिक गोल्ड से पहले साउथ अफ्रीकी कोच टेरियस लीबेनबर्ग के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग की थी, लेकिन इस बार वह विदेश में तैयारी करने के बजाय लाहौर में अपने पुराने कोच सलमान बट और स्थानीय ट्रेनर्स के साथ अभ्यास करते रहे। रिपोर्ट में भारत और पाकिस्तान की तैयारियों की तुलना भी की गई है। नीरज चोपड़ा ने स्विट्जरलैंड के बिएल में अपना अंतिम ट्रेनिंग ब्लॉक पूरा किया, जबकि यशवीर सिंह और रोहित यादव ने पोलैंड में विदेशी कोचों के साथ तैयारी की। इसका असर नतीजों में भी दिखा, जहां भारत ने दो पदक जीते, जबकि नदीम टॉप-8 में भी जगह नहीं बना सके।

पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका के माइक स्मिथ को बनाया बल्लेबाजी कोच

एजेंसी, इस्लामाबाद

टेस्ट क्रिकेट में लगातार खराब बल्लेबाजी प्रदर्शन के बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर और अनुभवी कोच माइक स्मिथ को राष्ट्रीय टेस्ट टीम का नया बल्लेबाजी कोच नियुक्त करने का फैसला किया है। वह असद शफीक की जगह यह जिम्मेदारी संभालेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीसीबी इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले इस नियुक्ति की औपचारिक घोषणा कर सकता है। बताया जा रहा है कि बोर्ड द्वारा आवेदन आमंत्रित किए जाने के बाद माइक स्मिथ का चयन किया गया और वह इंग्लैंड दौरे से टीम के साथ जुड़ेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, असद शफीक के बल्लेबाजी कोच के रूप में कामकाज को लेकर सवाल उठ रहे थे, क्योंकि वह एक साथ पुरुष और महिला चयन समिति के सदस्य होने के अलावा कराची स्थित पीसीबी अकादमी के प्रमुख की जिम्मेदारी भी निभा रहे थे। ऐसे में बल्लेबाजी कोच की भूमिका पर पूरा ध्यान नहीं दे पाने की आलोचना हो रही थी। पिछले तीन वर्षों में पाकिस्तान ने बल्लेबाजी कोच के पद पर कई बदलाव किए हैं। इस दौरान यूनिस खान, मोहम्मद यूसुफ, एंड्रयू पुटिक और असद शफीक इस भूमिका में रह चुके हैं। लगातार बदलाव के कारण विदेशी कोचों की रुचि भी कम रही। रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी के विज्ञापन पर पांच से भी कम आवेदन प्राप्त हुए। माइक स्मिथ लेवल-4 प्रमाणित कोच हैं और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर रह चुके हैं। वह पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में मुल्तान सुल्तान्स के साथ भी काम कर चुके हैं, जिससे उन्हें पाकिस्तान की घरेलू क्रिकेट प्रणाली का अनुभव है।

यश धुल बोले, ट्रॉफी के लिए टीमवर्क जरूरी

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में 210 रन का लक्ष्य हासिल करने के बाद सेंट्रल दिल्ली किंग्स के कप्तान यश धुल ने टीम के सामूहिक प्रदर्शन को जीत की सबसे बड़ी वजह बताया। उन्होंने कहा कि चैंपियन बनने के लिए हर मैच में अलग-अलग खिलाड़ियों का योगदान जरूरी होता है। यश धुल ने कहा कि टीम की सबसे बड़ी ताकत यह है कि हर मुकाबले में कोई नया खिलाड़ी जिम्मेदारी निभा रहा है। पिछले मैच में वंश बेदी चमके थे, जबकि इस बार जोंटी सिद्धू और आदित्य भंडारी ने मैच जिताऊ साझेदारी निभाई। उन्होंने दोनों बल्लेबाजों की संयमित पारी की सराहना करते हुए कहा कि युवा खिलाड़ियों को इससे सीख मिलेगी। मैच के हीरो जोंटी सिद्धू ने कहा कि बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय टीम ने धैर्य बनाए रखा और इसी रणनीति ने जीत दिलाई। इस जीत के साथ सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने तीन मैचों में छह अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान बरकरार रखा।

केंद्रीय खेलमंत्री ने अनाहत सिंह और जूनियर स्क्वैश टीम को किया सम्मानित

एजेंसी, नई दिल्ली

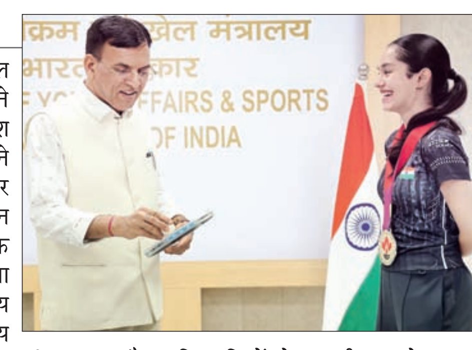

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 में पदक जीतने वाली भारतीय खिलाड़ियों और टीम का सम्मान किया। इस दौरान महिला एकल में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनाहत सिंह तथा कांस्य पदक विजेता भारतीय जूनियर पुरुष टीम के सदस्य आर्यवीर दीवान, युशा नफीस और गुरबीर सिंह को सम्मानित किया गया।

18 वर्षीय अनाहत सिंह ने पिछले सप्ताह कनाडा में आयोजित विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में महिला एकल का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस प्रतियोगिता में विश्व जूनियर महिला एकल का स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। यह उनका इस प्रतियोगिता में पांचवां अभियान था और विश्व जूनियर चैंपियनशिप में दूसरा पदक भी। इससे पहले उन्होंने 2025 में काहिरा में कांस्य पदक जीता था। सम्मान समारोह के दौरान खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए डॉ. मंडाविया ने उन्हें हालिया सफलता को लंबे सफर की शुरुआत मानने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अब खिलाड़ियों का अगला लक्ष्य एशियाई खेल 2026 और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 होना चाहिए। अनाहत की ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना करते हुए डॉ. मंडाविया ने कहा कि उनका स्वर्ण पदक देश के लाखों युवाओं को स्क्वैश अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर अनाहत सिंह ने खेल मंत्री को अपने हस्ताक्षर वाला स्क्वैश रैकेट और स्क्वैश बॉल भेंट की।

साल 2019 से अब तक 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधी लाए गए भारत

एजेंसी, नई दिल्ली

वर्ष 2019 से अब तक 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लाया गया है। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को जारी जानकारी में बताया कि विदेशों में छिपे अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया गया है। इसके लिए प्रत्यर्पण प्रक्रिया, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और तकनीक आधारित निगरानी तंत्र को मजबूत किया गया है।

मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2018 में लागू भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम के बाद भगोड़ों पर कार्रवाई को नई गति मिली। इसके बाद एनआईए संशोधन अधिनियम और गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) में बदलाव किए गए। वर्ष 2020 से भगोड़ों की वापसी के लिए अभियान मिशन मोड में चलाया गया। सरकार ने बताया कि 2024 में लागू नए आपराधिक कानूनों में अनुपस्थिति में मुकदमा चलाने (ट्रायल इन एब्सेंटिया) का प्रावधान भी किया गया है। वहीं, वर्ष 2019 से 2026 के बीच धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत भगोड़े अपराधियों की करीब 17,874 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की गई हैं।

मंत्रालय के अनुसार, इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की संख्या में भी लगातार वृद्धि हुई है। वर्ष 2026 में जुलाई तक 182 रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए जा चुके हैं। भारत वापस लाए गए 274 भगोड़ों में हत्या और हिंसक अपराधों के 62, यौन अपराधों के 53, संगठित अपराधों के 42, मानव तस्करी व अपहरण के 18, आतंकवाद से जुड़े 17 और मादक पदार्थों की तस्करी के 16 आरोपी शामिल हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि ऑपरेशन त्रिशूल के तहत आधुनिक तकनीक, डिजिटल विश्लेषण और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से विदेशों में छिपे अपराधियों का पता लगाया गया। सरकार ने इसे केंद्र और राज्य एजेंसियों के बेहतर समन्वय का परिणाम बताया है।

नेपाल के मुस्लिम सांसद ने संसद में की देश को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग

एजेंसी, काठमांडू। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद ताहिर अली भाट ने मंगलवार को प्रतिनिधि सभा की बैठक में देश को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वह मुस्लिम होकर भी हिंदू राष्ट्र के पक्ष में हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी हिन्दू राष्ट्रवादी वाली बात का समर्थन करती है, लेकिन उनकी पार्टी हिंसा या 'मारकाट' वाला हिंदू राष्ट्र नहीं चाहती। मुस्लिम सांसद ने संसद में कहा कि सभी धर्मों के प्रति सद्भाव दिखाते हुए हम "सैंकड़ों फूलों की एक ही माला" जैसे नेपाली हैं। दुनिया में सभी के अपने-अपने राष्ट्र हैं, लेकिन डेढ़ अरब हिंदुओं का कोई राष्ट्र नहीं है। ताहिर अली ने कहा कि मैं एक मुस्लिम होकर भी हिंदू राष्ट्र वाली पार्टी में हूं और नेपाल को विश्व के एकमात्र हिंदू राष्ट्र का दर्जा मिलना चाहिए। सांसद ताहिर अली ने कहा कि जब तक नेपाल एक हिंदू राष्ट्र के रूप में पहचाना जाता था, तब तक हज में जाने पर नेपाल के मुसलमानों का विशेष स्वागत सत्कार किया जाता था।

ओमान के पास कार्गो जहाज पर हमला, ईरान-अमेरिका तनाव बढ़ा

एजेंसी, तेहरान/वाशिंगटन

ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चल रही बातचीत के बीच ओमान के पास एक कार्गो जहाज पर हुए हमले से क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है। इस घटना ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव और बढ़ने की आशंका पैदा कर दी है। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स (यूकेएमटीओ) के अनुसार, ओमान के खसाब से करीब 20 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व में एक कार्गो जहाज पर अज्ञात वस्तु से हमला हुआ। अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है और क्षेत्र में मौजूद जहाजों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

ईरान ने पहली बार पुष्टि की है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ओमान के साथ बातचीत में प्रगति हो रही है। वार्ता का उद्देश्य जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग तैयार करना है। इस प्रक्रिया में कतर और पाकिस्तान समेत कई क्षेत्रीय देश मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं।

◆ होर्मुज जलडमरूमध्य पर बातचीत के बीच बढ़ी चिंता, ट्रंप ने ईरान को दी अंतिम चेतावनी

इस बीच ईरान ने अमेरिकी चेतावनियों को खारिज करते हुए कहा है कि उसकी सेना किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि वह होर्मुज में वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा के लिए तैयार है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के पास अपनी नीतियों में बदलाव का आखिरी मौका है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका बड़े हमले की योजना बना चुका था, लेकिन खाड़ी देशों के आग्रह पर संयम बरता गया। ट्रंप ने परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान को चेतावनी दी है।

पुंछ में संदिग्ध देखे जाने पर सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान

एजेंसी, पुंछ। पुंछ जिले के सुरनकोट पुलिस स्टेशन के तहत धारा सांगला गांव के इलाके में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद मंगलवार को स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) सुरनकोट और 16 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) ने संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार संदिग्ध लोगों को देखे जाने की 2 अलग-अलग घटनाएं सामने आईं। पहली घटना में गुज्जर नार के पास 3 संदिग्ध लोग देखे गए, जबकि दूसरी घटना में खेरोवाली ढोक के पास 4 संदिग्ध लोग देखे गए। सुरक्षाबलों ने तुरंतइलाके की तलाशी लेने और संदिग्ध लोगों का पता लगाने के लिए एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। समाचार लिखे जाने तक क्षेत्र में सुरक्षाबलों का अभियान चल रहा था।

सेंसेक्स 210 अंक गिरा निफ्टी 24,614 पर बंद

एजेंसी, मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 210 अंक टूटकर 78,428 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 159 अंकों की गिरावट रही और यह 24,614 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में सबसे ज्यादा दबाव रियल्टी शेयरों पर देखने को मिला। निवेशकों की बिकवाली के चलते रियल एस्टेट कंपनियों के शेयरों में कमजोरी रही। इसके अलावा कई प्रमुख सेक्टरों में भी मुनाफावसूली का असर दिखाई दिया।

इससे पहले सोमवार को बाजार में शानदार तेजी दर्ज की गई थी। सेंसेक्स 544 अंक की बढ़त के साथ 78,639 के स्तर पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी में 390 अंकों की तेजी रही और यह 24,774 के स्तर पर पहुंच गया था। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक संकेतों और निवेशकों की सतर्कता के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

अमेरिकी राज्यों ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत में दायर किया मुकदमा

ट्रंप की नई टैरिफ नीति के खिलाफ 25 राज्य

एजेंसी, वाशिंगटन

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को लेकर विवाद बढ़ गया है। डेमोक्रेटिक पार्टी शासित 25 राज्यों ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड में मुकदमा दायर किया है। राज्यों का आरोप है कि प्रशासन अवैध तरीके से परिवारों और कारोबारों पर अतिरिक्त कर का बोझ डाल रहा है।

न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की टैरिफ नीति से आम लोगों और व्यवसायों पर खर्च बढ़ेगा। वहीं, ट्रंप का तर्क है कि ऊंचे आयात शुल्क अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करने और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने में मदद करेंगे। ट्रंप प्रशासन ने व्यापार घाटे को राष्ट्रीय आपातकाल बताते हुए

◆ टैरिफ के कारण अमेरिकी नागरिकों पर पड़ेगा अतिरिक्त खर्च का बोझ

इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) का हवाला देकर कई देशों पर टैरिफ लगाए थे। हालांकि, राज्यों का दावा है कि नई टैरिफ व्यवस्था पहले रद्द किए गए आयात करों को दोबारा लागू करने का प्रयास है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद प्रशासन को कुछ टैरिफ भुगतान वापस करने पड़े थे। इसके बाद ट्रंप ने अस्थायी वैश्विक टैरिफ लागू किए और अब 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 के तहत नए शुल्क लगाए जा रहे हैं।

नए टैरिफ 10 से 12.5 फीसदी तक हैं, जो अमेरिका के आयात में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाले देशों को प्रभावित कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने इन कदमों को वैध बताते हुए कहा कि जबरन श्रम से बने उत्पादों के आयात पर कार्रवाई जरूरी है। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा ने कहा कि टैरिफ के कारण अमेरिकी नागरिकों पर अतिरिक्त खर्च का बोझ पड़ेगा और प्रशासन की आर्थिक नीति को चुनौती दी जाएगी।

चांदी 2,130 और सोना 381 रुपए हुआ महंगा

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को तेजी दर्ज की गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, चांदी की कीमत में 2,130 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है, जिसके बाद इसका भाव 2.19 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गया। वहीं, 24 कैरेट सोने की कीमत में भी उछाल आया है। 10 ग्राम सोना 381 रुपए महंगा होकर 1.43 लाख रुपए के स्तर पर पहुंच गया है।

इस साल सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। वर्ष 2026 में अब तक सोने के भाव में करीब 10 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हो चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोने की कीमत 1.33 लाख रुपए से अधिक थी, जो अब बढ़कर 1.43 लाख रुपए तक पहुंच गई है।